2 फरीदाबाद
सेक्टर 7-10 रोड : आगे कुआं पीछे खाई, कहां जाए वाहन चालक

6 विशेष
किसान प्रदर्शनकारियों की जिम्मेदारी

9 देश/विदेश
कोरोना महामारी राजनीतिक नहीं मानवता से जुड़ा मुद्दाः प्रधानमंत्री

11 स्पोर्ट्स
मिताली आईसीसी महिला एक दिवसीय रैंकिंग में फिर शीर्ष पर

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 165
फरीदाबाद, बुधवार, 21 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

बारिश के मौसम में कैसा हो डाइट प्लान
पेज - 12

ईद-उल-अजहा

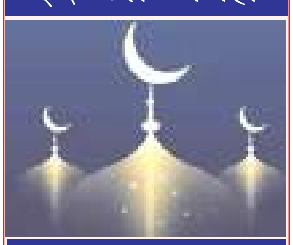

अवकाश सूचना

ईद-उल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर पायनियर प्रेस और कार्यालय 21 जुलाई बुधवार को बंद रहेगा। अतः अगला अंक 23 जुलाई शुक्रवार को प्रकाशित होगा।
-संपादक

बाजार

सेंसेक्स	52,198	▼	355
निफ्टी	15,632	▼	120
सोना	47,110	▲	253 /10 gm
चांदी	65,730	▼	61/ kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 31.02°C
न्यूनतम 26.00°C

क्विक न्यूज

राष्ट्रपति ने नागरिकों को दी ईद-उल-अजहा की बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को ईद-उल-अजहा की पूर्व संध्या पर नागरिकों को बधाई दी और सभी से कोविड-19 के प्रसार को रोकने के उपायों को अपनाकर इस महामारी से लड़ने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कोविंद ने कहा, ईद-उल-अजहा प्रेम, निस्वार्थता और बलिदान की भावना के प्रति आभार व्यक्त करने और एक समावेशी समाज में एकता और भाईचारे के लिए मिलकर काम करने का त्योहार है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि त्योहार खुशियां बांटने और गरीबों और बेसहारा लोगों की मदद करने का भी एक अवसर है।

सच होगा स्पेस में वेडिंग का सपना

अब स्पेस वेडिंग का सपना भी सच हो सकेगा। स्पेस बैलून में बैठकर 1 लाख फीट की ऊंचाई पर शादी की जा सकेगी। फ्लोरिडा की कंपनी स्पेस पर्सपेक्टिव ने खास तरह का स्पेस बैलून तैयार किया है। इसका आकार एक फुटबॉल स्टेडियम के बराबर है। एक बार स्पेस बैलून से सफर करने के लिए 93 लाख रुपये देने होंगे। यह यात्रा 2024 से यात्रा की जा सकेगी।

किसान 22 से जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली। किसान यूनियन के एक नेता ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कहा कि किसान कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे और कोई भी प्रदर्शनकारी संसद नहीं जाएगा जहां मानसून सत्र चल रहा है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार कक्का ने बताया कि 22 जुलाई से प्रत्येक दिन 200 किसान पहचान पत्र लगाकर सिंघू सीमा से जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन करने के लिए जाएंगे। संसद का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ और 13 अगस्त को समाप्त होगा।

वैदेही डोंगरे बनीं मिस इंडिया यूएसए 2021

वाशिंगटन। मिशिगन की 25 वर्षीय वैदेही डोंगरे ने मिस इंडिया यूएसए 2021 का खिताब जीता है। वहीं, जॉर्जिया की अर्शी लालानी दूसरे नंबर पर रहीं। वैदेही ने मिशिगन विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की है। वह एक बड़ी कंपनी में व्यवसाय विकास प्रबंधक के रूप में काम करती हैं। वैदेही ने कहा, मैं अपने समाज पर एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ना चाहती हूं और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता तथा साक्षरता के लिए काम करना चाहती हूं। वैदेही को उनके शानदार भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक के लिए मिस टैलेंटेड का पुरस्कार भी दिया गया।

देश में कोरोना से हुईं 47 लाख मौतें

सरकार के दावे से 10 गुना ज्यादा है आंकड़ा: स्टडी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कोरोना के चलते जितनी मौतों का दावा किया गया था, उससे 10 गुना ज्यादा लोगों ने संक्रमण के चलते जान गंवाई है। एक अमेरिकी रिसर्च ग्रुप की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक भारत में अब तक कोरोना संक्रमण की वजह से 4,14,482 लोगों की मौत हुई है, जो दुनिया में तीसरे नंबर पर है। भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और ब्राजील ही हैं। अमेरिका में कुल 6 लाख 9 हजार लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा ब्राजील में अब तक 5 लाख 42 हजार लोगों की मौत हुई है।

अमेरिकी स्टडी ग्रुप सेंटर ऑफ ग्लोबल डिवेलपमेंट की रिपोर्ट में जो दावा किया गया है, वह अब तक का सबसे अधिक है, जो किसी भी संगठन की ओर से बताया गया है। भारत में अप्रैल और मई के दौरान कोरोना संक्रमण के चलते बड़ी संख्या में मौतें दर्ज की गई थीं। स्टडी में दावा किया गया है कि कोरोना संक्रमण की शुरुआत से लेकर इस साल जून तक 34 से 47 लाख लोगों की मौत वायरस से हुई है। रिसचर्स का कहना है, 'वास्तव में मौतों का आंकड़ा कई मिलियन हो सकता है। यदि इस आंकड़े को देखा जाए तो भारत में आजादी और विभाजन के बाद से यह सबसे बड़ी त्रासदी है।' सेंटर ने अपनी स्टडी के तहत कोरोना के दौर में हुई मौतों और उससे पहले के सालों में गई जानों के आंकड़े का विश्लेषण किया है। इसके आधार पर ही सेंटर ने 2020 से 2021 के दौरान मौतों का आंकड़ा निकाला है और उसे कोरोना से जोड़ते हुए सरकार के आंकड़ों पर सवाल उठाया है।

फाइल फोटो।

ऑक्सीजन की कमी से कोई नहीं मरा: केंद्र सरकार

नई दिल्ली। अभी कोरोना महामारी का खतरा टला नहीं है। इस बीच मंगलवार को केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि कोविड की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, केंद्र ने यह माना है कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की डिमांड काफी बढ़ गई थी। दरअसल, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने सरकार से पूछा था कि क्या यह सच है कि कोविड-19 की दूसरी लहर में कई सारे कोरोना मरीज सड़क पर और अस्पताल में इसलिए मर गए क्योंकि ऑक्सीजन की किल्लत थी? इस पर केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती प्रवीण पवार ने इस सवाल के लिखित उत्तर में बताया कि 'स्वास्थ्य राज्य का विषय है। सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को कोरोना के दौरान हुई मौतों के बारे में सूचित करने के लिए गाइडलाइंस दिए गए थे। किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की रिपोर्ट में यह नहीं कहा गया है कि किसी की मौत ऑक्सीजन की कमी से हुई है।'

करीब 10 मिनट तक अंतरिक्ष की सैर करने के बाद न्यू शेफर्ड धरती पर लौट आया। इसके बाद जेफ बेजोस अपने भाई मार्क बेजोस, पायलट वैली फंक और 18 साल के ओलिवर डैमेन के साथ कैप्सूल से बाहर निकले। जब बेजोस कैप्सूल से बाहर निकले तो उन्होंने काऊब्वॉय हैट लगा रखा था। सभी क्रू मेंबर्स को उनके परिजनों ने बधाई दी।

प्राइमरी स्कूल खोलने की सलाहः तीसरी लहर से बच्चे सुरक्षित

कोरोना संक्रमण से खुद लड़ सकते हैं 6 से 17 साल के बच्चे

एजेंसी। नई दिल्ली

मंगलवार को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने 21 राज्यों के 70 जिलों में जून-जुलाई महीने में किए गए चौथे सीरो-सर्वे की रिपोर्ट जारी की। इसके मुताबिक देश की 67 फीसद आबादी में एंटीबॉडी डेवलप हुई है। यानी ये आबादी संक्रमित हो चुकी है और वायरस को बेअसर करने के लिए इन लोगों के शरीर में जरूरी एंटीबॉडी डेवलप हो चुकी है। अच्छी बात ये है कि इनमें बड़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हैं। साथ ही स्कूल खोले जाने के सवाल पर आईसीएमआर के डॉयरेक्टर जनरल डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि स्कूल खोले जा सकते हैं, क्योंकि छोटे बच्चों में एडल्ट की तुलना में संक्रमण का खतरा कम है।

उन्होंने बताया कि यूरोप के कई देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के बावजूद भी स्कूल खोले गए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि शुरुआती दौर में प्राइमरी स्कूल खोलने चाहिए, इसके बाद सेकेंड्री स्कूल खोले जा सकते हैं। डॉ. भार्गव ने बताया कि एडल्ट्स की तुलना में छोटे बच्चे वायरस को बहुत आसानी से हैंडल करते हैं। छोटे बच्चों के लंग्स में वे रिसेप्टर्स कम होते हैं, जहां वायरस अटैक करता है। इसके साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि अगर स्कूल खोले जाते हैं तो टीचर से लेकर सभी सपोर्ट स्टाफ पूरी तरह वैक्सीनेटेड होने चाहिए। साथ ही कोरोना के नियमों का पूरी तरह पालन होना चाहिए। हालांकि यह फैसला जिला और राज्य स्तर पर लिया जाएगा। यह कई फैक्टर पर निर्भर होगा। स्कूल से जुड़े सभी लोगों को वैक्सीन लगाना सुनिश्चत करना होगा, वहां टेस्ट पॉजिटिविटी रेट क्या है और पब्लिक हेल्थ सिचुएशन क्या है, इसपर भी ध्यान देना होगा। डॉ. भार्गव ने सर्वे के नतीजे जारी करते हुए बताया कि देश की दो-तिहाई आबादी में कोविड एंटीबॉडी मिली है और अभी भी 40 करोड़ आबादी पर कोरोना का खतरा है। सर्वे में शामिल 6 से 17 साल के आधे से ज्यादा बच्चों में भी एंटीबॉडी पाई गई है। इसका मतलब हुआ कि दूसरी लहर में संक्रमण ने बच्चों को भी प्रभावित किया है।

आईसीएमआर के सर्वे में आधे से ज्यादा बच्चों में मिली एंटीबॉडी

डॉ. बलराम भार्गव

सीरो सर्वे में 28,975 बच्चों हुए शामिल

डॉ. भार्गव ने कहा, 'चौथे सीरो सर्वे में 6 से 17 साल के 28,975 बच्चों को शामिल किया गया था। इनमें 6 से 9 साल के 2,892 बच्चे, 10 से 17 साल के 5,799 बच्चे और 18 साल से ऊपर के 20,284 लोग शामिल हैं। 18 साल से ऊपर वालों में से 62फीसद लोगों ने वैक्सीन नहीं ली थी, जबकि 24फीसद लोगों ने एक डोज और 14 फीसद लोगों ने दोनों डोज ली थी। भार्गव ने बताया कि 85 फीसद हेल्थ केयर वर्कर कोविड के शिकार हो चुके हैं। देश में कोरोना के मामले घटने और वैक्सीनेशन के बावजूद उन्होंने अब भी लोगों को कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर को अपनाने को कहा है। गैर-जरूरी यात्रा करने से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि वही लोग यात्रा करें, जो वैक्सीन के दोनों डोज ले चुके हैं। सर्वे में शामिल 12,607 लोग ऐसे थे जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली थी। 5,038 ऐसे थे, जिन्हें एक डोज लगी थी और 2,631 को दोनों डोज लग चुकी थी। सर्वे में दोनों डोज लेने वाले 89.8 फीसद में एंटीबॉडी पाई गई। वहीं, एक डोज लेने वाले 81 फीसद में एंटीबॉडी मिली। जबकि जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली थी, ऐसे 62.3 फीसद लोगों में ही एंटीबॉडी मिली।

सीरो सर्वे

इस सर्वे से यह पता लगाया गया कि कितनी आबादी कोरोना से संक्रमित हुई है। कह सकते हैं कि कितने फीसदी लोगों में कोरोना के प्रति हर्ड इम्युनिटी विकसित हुई है। सीरो सर्वे में किसी क्षेत्र में रहने वाले कई लोगों के खून के सीरम की जांच की जाती है। लोगों के शरीर में कोरोना वायरस से लड़ने वाले एंटीबॉडी की मौजूदगी के साथ ही यह पता चल जाता है कि कौन सा शख्स इस वायरस से संक्रमित था और फिलहाल ठीक हो चुका है।

पोर्न फिल्म केसः शिल्पा शेट्टी से भी हो सकती है पूछताछ

कोर्ट ने राज कुंद्रा और रयान थारप को 23 जुलाई तक हिरासत में भेजा

एजेंसी। मुंबई

पोर्न मूवीज बनाने के मामले में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को सोमवार देर रात गिरफ्तार किया था। मंगलवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें और उनके साथी रयान थारप को 23 जुलाई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया। अब कुंद्रा को भायखला जेल ले जाया गया है। हिरासत में भेजे जाने के बाद पुलिस आरोपियों को यहां रखती है और उनसे पूछताछ करती है।

इस मामले में बड़ा अपडेट यह है कि पुलिस एक्ट्रेस शिल्पा से भी पूछताछ कर सकती है, क्योंकि शिल्पा अधिकतर बिजनेस में पति कुंद्रा की पार्टनर हैं। माना जा रहा है कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच उन्हें हाजिर होने के लिए जल्द समन भेज सकती है। क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल ने मुंबई के एक अज्ञात शख्स और मिडिल ईस्ट के एक पोर्न माफिया के बीच कुछ कॉल एक्सचेंज को इंटरसेप्ट किया है। वह व्यक्ति अमेरिकी नागरिक है।

बिजनेसमैन कुंद्रा को ले जाया गया है भायखला जेल

सोमवार की रात को हुई थी राज की गिरफ्तारी

सबूत जुटाने में क्राइम ब्रांच को लगे पांच महीने

पोर्न वीडियो केस में कुंद्रा शामिल हैं, यह बात पुलिस को पांच महीने पहले ही पता लग चुकी थी, लेकिन पुलिस ने पहले राज के खिलाफ ठोस सबूत जुटाने का काम किया था। इस दौरान राज का नाम बार-बार आता रहा, लेकिन पुलिस ने कोई जल्दबाजी नहीं की। सोमवार को गिरफ्तार हुए राज को कोर्ट ने 23 जुलाई तक हिरासत में भेजा है। पुलिस उनसे इस केस में पैसों की लेनदेन के बारे में ज्यादा पूछताछ कर सकती है। पुलिस के पास पहले से ही राज और दूसरे लोगों के बीच बातचीत के रिकॉर्ड्स हैं, मगर पुलिस राज से ही इस बारे में बयान लेना चाहती है। 21 साल की एक मॉडल ने पुलिस को जानकारी दी थी कि उसे एनर्जी ड्रिंक पिलाई गई थी। बाद में उसके अश्लील फोटो और वीडियो शूट किए गए। इस जानकारी के बाद पुलिस ने मड आइलैंड के बंगले पर छापा मारा था। जहां से इस पोर्न रैकेट का भंडाफोड़ हुआ।

कुछ लड़कियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

लड़कियों ने खुलासा किया है कि वे एक इंटरनेशनल पोर्नोग्राफी रैकेट के शिकंजे में थीं। उनके लोग लड़कियों को ब्लैकमेल कर जबरदस्ती उनसे फिल्मों में काम करवाते थे। फिल्मों में काम करने से पहले उनसे एक ब्लैंक स्टांप पेपर पर साइन कराए जाते थे।

ईद से पहले इराक में आत्मघाती हमला: बम धमाके में 35 लोगों की मौत, 60 से ज्यादा जख्मी

बगदाद। इराक के सदर शहर में आत्मघाती बम धमाके में 35 लोगों की जान चली गई और 60 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं। धमाका सोमवार शाम को एक बाजार में हुआ। मंगलवार को ईद होने की वजह से बाजार में काफी भीड़ थी। इसीलिए आतंकी ने इस जगह को चुना। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन आईएस ने ली है। आतंकी संगठन ने टेलीग्राम के जरिए हमले की जिम्मेदारी ली है। आईएस का कहना है कि उसके एक आतंकी ने भीड़ के बीच खुद को बम से उड़ा लिया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के सूत्रों का कहना है कि हमले में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

आज से स्वतंत्रता दिवस तक जनता के लिए लाल किला बंद

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के आलोक में राष्ट्रीय राजधानी स्थित लाल किला 21 जुलाई से 15 अगस्त तक लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सोसाइटी की ओर से जारी आदेश में इसकी जानकारी दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि आम तौर पर स्वतंत्रता दिवस से एक सप्ताह पहले लाल किले को बंद किया जाता है। आदेश में कहा गया है, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक ने प्राप्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए 21 जुलाई की सुबह से 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न होने तक लाल किले के अंदर प्रवेश को निषेध करने का निर्देश दिया है।

17 फीसद ही रहेगा बीते 18 महीने का महंगाई भत्ता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक जुलाई से महंगाई भत्ता और महंगाई राहत देने की घोषणा करने के बाद मंगलवार को एक बड़ा आदेश किया। इसमें कहा गया है कि एक जनवरी 2020 से 30 जून 2021 तक डीए फ्रीज था। यानी इस अवधि के दौरान डीए की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। इसका मतलब हुआ कि सरकार ने एक जुलाई 2021 से 28 प्रतिशत डीए देने की जो घोषणा की थी, वह एकाएक थी। इससे 11 प्रतिशत डीए तो बढ़ गया, लेकिन सरकारी कर्मियों का कहना है कि केंद्र ने ये आदेश जारी कर 18 महीने का एरियर मिलने की संभावना खत्म कर दी है।

लोकसभा में विपक्ष की अजीबो-गरीब हरकतें शोभा नहीं देती : विज

चंडीगढ़। प्रदेश के गृहमंत्री अनिल विज ने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि देश की सबसे बड़ी पंचायत चल रही हो, लोकसभा का मानसून सत्र हो, उस दौरान जो भी सवाल हैं उसे उठाया जाए, लेकिन अजीबो-गरीब हरकतें करना शोभा नहीं देती।

हरियाणा के नेताप्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा किसानों पर दर्ज हुए देशद्रोह के मुकदमों को वापस लेने की मांग के संबंध में विज ने कहा कि जब भी कोई धारा लगाई जाती है, तो कानूनी राय के साथ ही लगती है। विज ने कुमारी सेलजा द्वारा बरसात के मौसम में जो करोड़ों रुपये दिए गए के ब्यान पर तंज कर उनसे ही सवाल किया कि 'कहां आया हुआ है पैसा? सेलजा के पास आया है, किसके पास आया है।' उन्होंने कहा, सरकार लगातार विकास के काम करती है।

किसान आंदोलन व चुनाव पर रणनीति बनाएगी भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में चल रहे किसान आंदोलन और निकट भविष्य में होने वाले निकाय व पंचायती चुनावों पर रणनीति बनाने के लिए हरियाणा भाजपा कोर कमेटी की बैठक बुधवार को नई दिल्ली में होगी। भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े की अध्यक्षता में होने वाली इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

बैठक में प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ और सीएम मनोहर लाल, हरियाणा मामलों की सहप्रभारी अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व कृष्ण पाल गुर्जर के अलावा स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज, शिक्षामंत्री कंवरपाल गुर्जर, पूर्व शिक्षामंत्री प्रो रामबिलास शर्मा, पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, संगठन महामंत्री रविंद्र राजू और पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव शामिल रहेंगे। प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालात, किसान आंदोलन तथा निकाय व पंचायत चुनावों को देखते हुए यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। सीएम मनोहर लाल भी पिछले सप्ताह तीन दिन नई दिल्ली में लगा चुके हैं। वे गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष से मुलाकात कर चुके हैं।

भाजपा कोर कमेटी की बैठक आज दिल्ली में

पार्टी प्रभारी, सीएम और केंद्रीय मंत्री रहेंगे मौजूद

प्रदेश में मुफ्त बस सफर कर सकेंगे संस्कृत पुरस्कृत विद्वान

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने संस्कृत भाषा में विभिन्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्वानों को भी हरियाणा रोडवेज की बसों में निःशुल्क यात्रा करने की सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है, इसके लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वीकृति दे दी है।

हरियाणा संस्कृत अकादमी के निदेशक डॉ. दिनेश शास्त्री ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार संस्कृत भाषा के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। प्रदेश के सरकारी संस्कृत कॉलेजों, संस्कृत बोर्ड के गठन के अलावा संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा संस्कृत अकादमी के माध्यम से प्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों और गुरुकुलों में अध्यापन का कार्य करने वाले संस्कृत के उत्कृष्ट आचार्यों व गुरुकुल संचालकों के लिए गुरु विरजानंद आचार्य सम्मान, विद्यामार्तण्ड पं. सीताराम शास्त्री सम्मान, पं. युधिष्ठिर मिमांसक आचार्य सम्मान, स्वामी धर्मदेव संस्कृत समाराधक सम्मान देना शुरू किया। शास्त्री ने बताया, आचार्यों सम्मानों की श्रेणी में अब तक 29 आचार्यों और गुरुकुल संचालकों का सम्मानित किया जा चुका है।

सितंबर से लागू होगी 75 प्रतिशत आरक्षण योजना: दुष्यंत

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा प्रदेश के युवाओं को बहुत जल्द निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। कोरोना के कारण इस फैसले को अभी तक लागू नहीं किया गया है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात के बाद दुष्यंत ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा लागू किए निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण को राज्यपाल की स्वीकृति मिल चुकी है। इस योजना को कोरोना के चलते धरातल पर लागू नहीं किया गया था। कोरोना के कारण उद्योगो में प्रोडक्शन कम हो गई थी और कम कर्मचारियों के साथ संचालन किया जा रहा था।

अब एक सितंबर से इस फैसले को धरातल पर लागू किया जाएगा, जिसके लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए जा चुके हैं। बहुत जल्द प्रदेश के युवा इस फैसले से लाभांवित होंगे। दुष्यंत ने कहा कि मारुति उद्योग को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा किया जा रहा झूठा प्रचार बेनकाब हो चुका है। मारुति प्रबंधकों ने खुद ही अपनी स्थिति स्पष्ट करके बता दिया है कि वह हरियाणा से पलायन नहीं करेंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि मारुति समेत कई उद्योग हरियाणा में अपना विस्तार कर रहे हैं। हरियाणा मंत्रिमंडल विस्तार के मुद्दे पर जजपा की स्थिति स्पष्ट करते हुए दुष्यंत ने कहा कि मंत्रिमंडल में दो पद रिक्त हैं। गठबंधन द्वारा आपसी सहमति के साथ मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। भाजपा-जजपा नेताओं के दिल्ली दौरे का मतलब मंत्रिमंडल विस्तार नहीं है। हरियाणा की कई परियोजनाएं लंबित हैं, जो कोरोना के कारण सिरे नहीं चढ़ सकी हैं। दुष्यंत ने बताया कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ हरियाणा में हवाई पट्टियों के विस्तार को लेकर बातचीत की गई है। इसके अलावा हिसार हवाई अड्डे के विस्तार पर चर्चा हुई है।

कांग्रेस के झूठे प्रचार का मारुति प्रबंधकों ने दिया जवाब

हरियाणा में हवाई पट्टियों को जल्द होगा विस्तार

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, बुधवार, 21 जुलाई, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहर का तापमान

- अधिकतम 30.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 26.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- आज हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा बकरी ईद का त्योहार
- एनएच-पांच स्थित मंदिर में श्रीमत भागवत कथा का आयोजन: दोपहर दो बजे
- दुकानें खुलेंगी: सुबह 9 बजे
- रेस्टोरेंट और बार तथा माल्स खुलने का समय: सुबह 10 बजे
- बीके अस्पताल में ओपीडी शुरू: सुबह 8 बजे
- प्रयोगशाला में कोरोना जांच शुरू: सुबह 9 बजे

निवेश गुरु

हर व्यक्ति अमीर बनना चाहता है. भविष्य की जरूरतों के लिए लोग छोटी-मोटी बचत तो कर लेते हैं, लेकिन बचत और निवेश का सही तरीका पता नहीं होने की वजह से वे अमीर नहीं बन पाते. अगर आप निवेश में अनुशासन बनाये रखें तो आप भी करोड़पति बन सकते हैं। इक्विटी म्युचुअल फंड में नियमित निवेश कर लंबी अवधि में अपने वित्तीय लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। म्युचुअल फंड से मिलने वाला रिटर्न हालांकि शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है, लेकिन लंबी अवधि में एसआईपी के जरिए किया गया निवेश अच्छा रिटर्न देने।

यूटीलिटी न्यूज

महिला पुरस्कार को आवेदन आमंत्रित

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इन पुरस्कारों के लिए महिलाएं जिला स्तर पर 18 अक्टूबर तक महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में आवेदन दे सकती हैं। अधिक जानकारी के लिए पोर्टलडब्ल्यूसीडीएचआरवाईडॉटजीओवीडॉटइन को देख सकते हैं। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि चंडीगढ़ मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार में इन्दिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के लिए एक लाख 50 हजार रुपये, कल्पना चावला शौर्य व बहन शन्नो देवी पंचायती राज के लिए एक लाख, लाईफ-टाईम अचीवर्स अवार्ड के लिए 51 हजार रुपये प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे।

क्विक न्यूज

हथियार सहित गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना तिगांव की पुलिस टीम ने अवैध हथियार रखने के जुर्म में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रोहित निवासी जसाना के रूप में हुई है। थाना प्रबन्धक ने बताया कि पुलिस टीम ईलाके में गश्त कर रही थी। थानाक्षेत्र में मौजूद पीसीआर ने सूचना दी की बाइक सवार आरोपी अभी-अभी एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीन कर भागा है। पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची वहां पर काफी लोग इकट्ठे थे। वहां पर एक युवक अपनी बाइक लेकर भागने लगा। पुलिस टीम ने मौके पर ही युवक को पकड़ लिया। युवक की तलाशी ली गई तो युवक से एक बटनदार चाकू प्राप्त हुआ। आरोपी द्वारा छीना गया मोबाइल वहीं रोड पर मिल गया जिसे उस व्यक्ति को वापस दे दिया। आरोपी को गिरफ्तार कर थाना में ले गये। आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार की धारों में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

सेक्टर 7-10 रोड : आगे कुआं पीछे खाई, कहां जाए वाहन चालक

मंत्री के कार्यालय के सामने की इस बदहाल सड़क पर जगह-जगह धंसी मिट्टी

राजेश दास। फरीदाबाद

विभिन्न सरकारी विभागों के आपसी तालमेल, लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण विकास ही शहर के विनास का कारण बनता जा रहा है। नगर निगम, हूडा अथवा अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा बिना योजना और लापरवाही से कराए गए विकास कार्य ही लोगों की परेशानी का कारण बन जाते हैं। शहर भर में सड़कें टूटी हुई हैं, सीवर के मेनहॉल खुले पड़े और सड़कों का लेबल नहीं है। जिससे जलभराव में लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। करीब आठ महीने पहले वाईएमसीए चौक से बाइपास रोड तक पीडब्ल्युडी द्वारा सीवर के लिए करीब एक मीटर की पाइप लाइन डाली जा रही थी।

इस सड़क पर बने अवैध कब्जों अथवा अतिक्रमण को बचाने के लिए ठेकेदार द्वारा सड़क खोदकर लाइन डाली गई है। सीवर लाइन डालने के बाद खोदे गए करीब तीन मीटर गहरे गड्ढों को ठेकेदार द्वारा ठीक तरीके से भरा नहीं गया। अब बरसात आते ही पूरी सड़क पर जगह-जगह बुरी तरह मिट्टी धंसने लगी है। यहां तक कि कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय के सामने भी मिट्टी धंस रही है। पायनियर ने 19 जनवरी 2021 के अंक में खबर प्रकाशित कर चेताया था, लेकिन अधिकारियों द्वारा ध्यान दिये जाने से अब जगह जगह वाहन गड्ढों में फंस रहे हैं।

आगे कुआं, पीछे खाई

सेक्टर 7-10 मार्केट की रोड से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए इन दिनों भारी मुसीबत खड़ी हो गई है। करीब दो किलोमीटर लंबी इस सड़क के बीच के हिस्से को कुछ समय पहले आरएमसी का बनाया गया था। जबकि शेष दोनों तरफ की सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। वर्षों पुरानी होने की वजह से यह सड़क बुरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह -जगह गहरे और खतरनाक गड्ढे बन हुए हैं। वैसे तो वाहन चालक इन गड्ढों से बच कर किसी तरह निकल जाते हैं, लेकिन बारिश का पानी भरने पर गड्ढे दिखाई न देने से अक्सर सड़क दुर्घटना अथवा वाहन क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। वहीं अब जगह-जगह सीवर लाइन की मिट्टी धंसने से वाहन चालकों की मुश्किलें दोगुणा ज्यादा बढ़ गई। यदि वे गड्ढों से बचते हैं तो वाहन खाई में फंस जाते हैं। खाई से बचने का प्रयास करने पर गड्ढे में फंसना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस व्यस्त सड़क पर हर रोज आधा दर्जन से ज्यादा वाहन फंस कर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

नियमों की अवहेलना

सेक्टर 7-10 रोड पर पाइप लाइन डालने का काम पीडब्ल्युडी द्वारा सभी नियमों को ताक पर रख कर किया गया है। नियमों के मुताबिक सीवर लाइन अथवा अन्य किसी तरह की खुदाई का काम करने के दौरान यदि सड़क टूटने या अन्य नुकसान होने पर उसकी मरम्मत कराने की जिम्मेदारी खुदाई कराने वाले ठेकेदार की होती है, लेकिन इस ठेकेदार ने बाइपास रोड से मिलन चौक के नजदीक तक खुदाई के दौरान सड़क तोड़ दी थी। इस हिस्से में ज्यादातर जगह पर पाइप लाइन डाली भी जा चुकी है, लेकिन इस हिस्से में ठेकेदार ने सड़क निर्माण कराने की कोई जरूरत महसूस नहीं की। ठेकेदार ने गड्ढों को मिट्टी से भरकर अपना कर्तव्य पूरा कर दिया था। खुदाई के दौरान यहां से काफी मात्रा में मिट्टी चोरी हो चुकी है। मिट्टी के साथ मलवा अथवा कंक्रीट भी भरी जाती है। ताकि जमीन धंसने की समस्या न हो, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा बरसात के बाद वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। यहां रोज करीब आधा दर्जन वाहन गड्ढों में फंस रहे हैं।

पारदर्शिता पर पर्दा

नियमों के मुताबिक कोई भी विकास कार्य करवाने के दौरान कार्यस्थल पर संबंधित विभाग की तरफ से बोर्ड लगाया जाता है। है। जिसमें संबंधित विभाग, काम, ठेकेदार का नाम व नंबर, काम पूरा होने की अवधि और रख रखाव की मियाद लिखी जाती है। ताकि समस्या होने पर शिकायत की जा सके, लेकिन शहर में इस तरह के बोर्ड कहीं भी दिखाई नहीं देते। ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए अधिकारी भी बोर्ड लगवाने का दबाव नहीं डालते। यदि सेक्टर 7-10 रोड पर बोर्ड होता तो लोग अपनी परेशानी बता सकते थे।

बेलगाम अधिकारी व ठेकेदार

भ्रष्टाचार का आरोप लगने और जांच लंबित होने के बावजूद नगर निगम अथवा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों पर सरकार की तरफ से कार्रवाई नहीं की जाती। बल्कि ऐसे अधिकारी प्रमोशन पर प्रमोशन लेते रहते हैं। जिसके कारण अधिकारी लगातार बेलगाम होते जा रहे हैं। सेक्टर 7-10 रोड पर सीवर लाइन की खुदाई और गड्ढों को भरने में बरती जा रही लापरवाही को लेकर पायनियर में करीब सात महीने पहले खबर प्रकाशित कर प्रशासन और सरकार को चेताया था। लेकिन इसके बावजूद किसी ने ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं की। इस सड़क पर प्रदेश के कद्दवर कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा का कार्यालय मौजूद है। उनके कार्यालय के ठीक सामने भी मिट्टी धंस गई है। वहीं कार्यालय के सामने बुरी तरह दलदल बना हुआ है। जिससे लगता है कि अधिकारियों को मंत्री का डर भी नहीं है। उन्हें किसी हादसे का इंतजार है। वहीं दूसरी तरफ यह शहर की व्यस्त सड़कों में शामिल है। आसपास के सेक्टरों में व्यवसायी, उद्योगपति और शहर के गणमान्य लोग रहते हैं। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण सभी को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

प्रॉपर्टी आईडी समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम मुख्यालय में अतिरिक्त कमिश्नर वैशाली शर्मा से फरीदाबाद एस्टेट एजेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने महासचिव गुरमीत सिंह देओल के नेतृत्व में मुलाकात की। फीएवा ने उन्हें प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित समस्याओं के शीघ्र समाधान कराए जाने के संदर्भ में एक मांग पत्र सौंपा।

प्रॉपर्टी आईडी बनाए जाने के लिए आवेदन पत्र के साथ लगाए जाने वाले अनावश्यक दस्तावेजों की मांग और आवेदन के बाद उनका निपटारा पिक एंड चूज के आधार पर न करके प्राथमिकता के आधार पर कराने की मांग की। यूएलबी के पोर्टल से 12 जुलाई से टेक्स कैलकुलेट न होने के कारण जो समस्या मुख्यालय स्तर पर आ रही है, उनका शीघ्र समाधान करवाए जाने की बात रखी। उन्होंने बताया कि सेक्टर 56 व 56ए का वह भूभाग जो नगर निगम लिमिट से बाहर है, लेकिन नगर निगम प्लानिंग विभाग की गलती से उसे एनआईसी द्वारा रिवेन्यू रिकॉर्ड में अर्बन एरिया में चढ़ा दिए जाने से समस्या आ रही है। उसका शीघ्र समाधान करवाने के लिए उन प्लॉटों को नगर निगम द्वारा राजस्व विभाग और एनआईसी के पोर्टल से हटवाने के लिए प्लानिंग विभाग से रिपोर्ट लेकर नगर निगम कमिश्नर महोदया द्वारा मुख्यालय को मेल यथाशीघ्र भेजे जाने का अनुरोध किया है।

फीएवा ने बताया कि यह समस्या पिछले साढ़े 10 महीने से लगातार चली आ रही है। अतिरिक्त निगम कमिश्नर ने उन्हें विश्वास दिलाया है कि वह इस कार्य को व्यक्तिगत स्तर पर रूचि लेते हुए इसके समाधान करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर पुरजोर प्रयास करेंगी। ठोस आश्वासन के बाद प्रतिनिधि मंडल के सदस्य अनिल अरोड़ा, महेंद्र लखानी, रंजीत सिंह और मुकेश चौधरी ने मिलकर उनका धन्यवाद किया।

गर्भवती महिलाओं को पिंक बूथ पर लगाए टीके

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एफआरयू-वन सेक्टर- 31 प्रांगण में गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के लिए एक विशेष बूथ की शुरुआत की गई। जिसको पिंक बूथ नाम दिया गया। पिंक बूथ की शुरुआत केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने की।

लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के टीकाकरण सुविधा को ओर बेहतर बनाने के उद्देश्य से आज पिंक बूथ जैसे कदम महिलाओं से संबंधित स्वास्थ सुविधाओं के क्षेत्र में प्रभावी कदम है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सम्बंधित आवश्यक सुविधाओं का लाभ संबंधित वर्ग तक पहुंचाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा विशेष कार्ययोजना बना कर कार्य किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत कोविड-19 से संबंधित हिदायतों का अनुपालन कर आमजन को जागरूक करना, कोविड टीकाकरण सहित अन्य अनेकों स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आम जन तक पहुंचाना शामिल है।

उन्होंने संबंधित वर्ग से अपील करते हुए कहा कि वे इन योजनाओं के संबंध में जानकारी हासिल कर योजनाओं का भरपूर लाभ लें। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए बनाए गए पिंक बूथ की शुरुआत किए जाने पर

स्वास्थ विभाग के अधिकारियों व उपस्थित लोगों को बधाई देते हुए कहा कि निश्चित तौर पर यह पिंक बूथ महिलाओं के सम्मान, टीकाकरण, समय की बचत की दृष्टिगत प्रेरणादाई स्वास्थ्य सुविधा के रूप में अपनी पहचान बना पाने में सफल हो पाएगा। एसएमओ डॉ ज्योति शर्मा ने बताया कि गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के लिए अलग से सुविधा उपलब्ध करवाते हुए फरीदाबाद जिले में एसआरयू- वन सेक्टर- 31 में यह सबसे पहली शुरुआत है।

एनटीपीसी में एक्सईएन चयनित हुई जेसी बोस की पूर्व छात्रा

विश्वविद्यालय की बीटेक की छात्रा रही है शालू चंदेला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने विवि की बीटेक छात्रा रही शालू चंदेला को एनटीपीसी में कार्यकारी अभियंता के रूप में चयनित होने पर बधाई तथा सम्मानित किया।

फरीदाबाद के गांव भतौला निवासी शालू चंदेला ने विवि से इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल में बीटेक किया है और उसका चयन एनटीपीसी की विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) इकाई में हुआ है। देशभर में एनटीपीसी द्वारा चयनित 50 महिला उम्मीदवारों में से शालू चंदेला हरियाणा से एकमात्र चयनित उम्मीदवार हैं। शालू ने अपनी उपलब्धि के लिए शिक्षकों के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए उनका आभार जताया। शालू चंदेला को शुभकामनाएं देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विवि के विद्यार्थी हमारे असली ब्रांड एंबेसडर हैं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करके विवि को गौरवान्वित किया है। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की चेयरपर्सन प्रो. नीलम तुर्क, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अन्य फैकल्टी सदस्य प्रो. मुनीश वशिष्ठ, प्रो. प्रदीप डिमरी, डॉ. शैलजा जैन, डॉ. रश्मि चावला और संगीता ढल भी उपस्थित थे।

कोरोना और मौसमी बीमारियों से बचने के लिए सावधानी जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बारिश का सीजन भले ही तपिश भरी गर्मी से राहत दिलाने में कारगार हो कि, लेकिन सीजन में संक्रामक बीमारियों के फैलने की संभावना तेज हो जाती है। बीमारियों का फैलना तेजी से शुरू होता हैं। इसलिए सावधानी बरतने की जरूरत है।

अन्यथा कोरोना का प्रकोप भी बढ़ सकता है। यह बातें मेट्रो अस्पताल के पेट रोग विशेषज्ञ (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट) डॉ. विशाल खुराना ने कही। उन्होंने बताया कि मानसून में बारिश शुरू होने के साथ ही लोगों को भीषण गर्मी की मार से जहां एक तरफ राहत मिली हैं। दूसरी तरफ उमस के चलते मौसमी बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में अब कोरोना काल में ज्यादा एहतियात बरतने की जरूरत है। क्योंकि, ओपीडी में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बारिश में अधिक भीग जाने पर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने लगती है और बीमारियां तेजी से प्रहार करने लगती हैं। बारिश के मौसम में तापमान में उतार-चढ़ाव होने से बैक्टीरिया का प्रभाव व्यक्ति के स्वास्थ्य पर पड़ता है और वह सर्दी या फ्लू का शिकार हो जाता हैं। इसलिए बारिश के मौसम में अपने शरीर को सुरक्षित करने के लिए अच्छे पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो और बीमारियों से लड़ने में सफल रहे।

डॉ. विशाल।

बारिश में फैलने वाले रोग : डॉ. विशाल ने बताया कि मलेरिया, डेंगू, हैजा, टाइफोइड, हेपेटाइटिस ए बारिश में होने वाले प्रमुख रोग है। जहां मलेरिया बारिश के पानी से जगह जगह भरने पर उसमें मच्छरों की प्रजनन क्रिया होती है। इन भरे पानी को साफ करने से मलेरिया के खतरे को रोका जा सकता हैं। वहीं डेंगू बुखार बहुत ही जानलेवा बुखार माना जाता है। यह बुखार एडीज मच्छर के काटने से फैलती है। इस वजह से व्यक्ति के घुटने में दर्द होने लगता है। इस बीमारी से बचने के लिए मच्छरों को शरीर पर काटने से बचाए। इसके लिए मच्छरदानी व पूरी बाह के कपड़े पहने। हैजा एक जल जनित संक्रमण है जो शरीर में कलरा फैलाता है। हैजा मुख्य रूप से पाचन संबंधित समस्या उत्पन्न करता है। इस वजह से दस्त व डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है।

बारिश के मौसम में हमेशा हल्का गर्म पानी पीना चाहिए। जबकि टाइफाइड दूषित भोजन व पानी से होता है। इस बीमारी में साल्मोनेला टाइफिम्यूरियम जीवाणु होते है जो संक्रमण का कारण बनते है। इसलिए अपने घर के आसपास स्वच्छता बनाएं और गंदगी जमा न होने दे। बीमार पड़ने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। उधर हेपेटाइटिस ए संक्रमण दूषित पानी व भोजन के कारण होता है। यह बीमारी लीवर को अधिक प्रभावित करती है। हेपेटाइटिस ए के लक्षण में बुखार, उल्टी, शरीर पर दाने नजर आते हैं।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

उजालों से भी ज़्यादा है चमक कैसे अँधेरे हैं
वसन उजले बहुत ज़्यादा यहाँ पहने अँधेरे हैं
खुला जब राज तो फिर आज ये सच सामने आया
चमकती दुनिया के पीछे बहुत गहरे अँधेरे हैं

भीख मंगवाने व बाल श्रम कराने वाले पर कसा शिकंजा

कविता। फरीदाबाद

जिले में भीख मांगने और बाल मजदूरी करने वाले बच्चों को लेकर पायनियर में खबर प्रकाशित की थी। खबर 'बच्चों को भीख मांगना सीखा रहे अभिभावक, पब्लिक दे रही बढ़ावा' को लोगों के द्वारा सोशल मीडिया पर खूब वायरल किया गया था। जिसमें बताया गया था कि शहर में मौजूद हर चौक चौराहे पर लगी रेड लाइट पर आजकल भीख मांगने वाले बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस कार्य को जहां बच्चों के अभिभावक बढ़ावा दे रहे है।

दूसरी तरफ आम पब्लिक भी बच्चों को भीख देकर उनकी बढ़ती संख्या को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। स्टेट क्राइम ब्रांच और चाइल्ड हेल्प लाईन की तरफ से सख्ती बरती गई और लगातार शहर में मौजूद ढाबों और दुकानों पर जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत पिछले दिनों स्टेट क्राइम ब्रांच की तरफ से आठ बच्चों को बाल श्रम मुक्त करवाया और पांच बच्चों को भींख मांगते हुए पकड़ा।

मंगलवार का मामला

20 जुलाई को स्टेट क्राइम ब्रांच से एएसआई शीतल और चाइल्ड हेल्प लाईन के सदस्यों द्वारा ओल्ड चौक पर भीख मांगते हुए पांच बच्चों को रेस्क्यू किया। चाइल्ड हेल्प लाइन के रविन्द्र ने बताया कि बच्चों का मेडिकल करा कर बाल कल्याण समिति में पेश किया गया। बच्चों के माता पिता की काउंसलिंग की गई। उन्हें समझया कि बच्चों से भीख मंगवाना अपराध है। सीमा ने बताया कि मेरे पति को दृष्ठिहीन हैं, इसलिए वह भीख मांगती है। बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चो के परिजनों को सरकारी सुविधाओं के बारे में बताया गया। परिजनों ने आश्वासन दिया कि वे आगे से बच्चों से भीख नहीं मांगने देंगे और उनको शिक्षा से जोड़ेंगे।

पायनियर इम्पैक्ट

पांच बच्चों को कराया मुक्त

थाना कोतवाली क्षेत्र के एनएच एक में विभिन्न दुकानों पर मजदूरी कर रहे पांच बच्चों को जिला बाल संरक्षण विभाग की टीम ने पुलिस की मदद से मुक्त करवाया। इसकी सूचना किसी ने चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 पर दी थी। इन बच्चों को दुकानदारों द्वारा नाम मात्र का वेतन दिया जा रहा था। वहीं इनसे दस से 12 घंटे काम करवाया जा रहा था। जिला बाल संरक्षण विभाग की संयोजक सुनीता ने बताया कि 1098 पर फोन कर सूचना दी थी कि थाना कोतवाली क्षेत्र की मार्केट में कुछ बच्चों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने अपने अधिकारियों को सूचना देने के बाद पुलिस को सूचित कर दी।

थाना कोतवाली पुलिस ने एएसआई शीतल और अन्य पुलिस कर्मियों को शामिल कर टीम गठित कर दी। जिसके बाद टीम ने विभिन्न दुकानों में छापेमारी कर पांच बच्चों को मुक्त कराया।

थैलीसीमिक बच्चों को नि:शुल्क उपलब्ध कराई दवाइयां

फरीदाबाद। सेक्टर-आठ स्थित सर्वोदया हॉस्पिटल में फाउंडेशन अगेंस्ट थैलासीमिया द्वारा रोटरी क्लब ऑफ़ फरीदाबाद हैरीटेज के सहयोग से थैलासीमिया ग्रस्त बच्चो को निशुल्क दवाईया उपलब्ध कराई गई।

संस्था पिछले छब्बीस सालो से थैलासीमिया ग्रस्त बच्चो को निशुल्क दवाईया तो दे ही रही है उसके लिए सर्वोदया हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ राकेश गुप्ता ने संस्था के पदाधिकारियों को बधाई दी। साथ ही साथ उन्होंने आश्वाशन दिया कि बच्चों को हॉस्पिटल की तरफ से दी जा रही सुविधाओं को और आगे बढ़ाया जायेगा। संस्था के प्रधान हरीश रतरा ने बताया की आज से करीब पांच साल पहले जब बच्चो को रक्त के लिए भटकना पड़ता था उस समय भी सर्वोदया हॉस्पिटल ने आगे बढ़कर संस्था का साथ दिया व बहुत ही नाज़ुक समय में बच्चो को रक्त उपलब्ध कराया वो दौर एक बहुत ही मुश्किल दौर था। संस्था के महासचिव रविन्द्र डुडेजा ने बताया की आज उन्हीं बच्चों को रक्त एक फोन काल पर ही मिल जाता है।

बकरा ईद: शहरों में अब कम होने लगी बकरों की बलि देने की प्रथा

कविता। फरीदाबाद

ईद उल अजहा पर बीते वर्ष कोरोना के कारण लोगों ने घरों में ही रहकर ईद मनाई थी, लेकिन इस बार भी बकरा ईद पर बलि देने का उत्साह कम देखने को मिल रहा है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बताया कि बदलती जीवनशैली के कारण आज बकरों की बलि का उत्साह कम हो गया है। बकरों को एक साल तक पालना मुश्किल हो गया है। बकरे को पालने के लिए लगने वाला चारा महंगा होने से लोग बलि देने के बजाय पैसे देकर काम करा रहे हैं।

न चाहिए बलि का बकरा : बलि देने के अब घरों में न तो स्थान है और न ही बलि देने के लिए बकरे को पालने का स्थान है। वहीं चारा मंहगा हो गया है। वहीं यदि बाहर बकरा मंगवाया जाए, तो ट्रांसपोर्टेशन महंगा हो गया है। कुछ लोगों ने बताया कि एक बकरे को एक साल पालकर खूब खिलाया जाता है। उसे चोट न लगे, इसका भी ध्यान रखा जाता है। शहर में अब इसके लिए न तो किसी के पास समय है और न ही गंदगी को फेंकने का स्थान।

60 हजार की ऊंची बोली पर बिक गया शाहरूख

होते हैं तीन हिस्से : ईद उल अजहा पर बकरे की बलि के तीन हिस्से होते हैं। पहला हिस्सा बलि देने वाले हलाल का, दूसरा हिस्सा परिचितों और परिवार का और तीसरा हिस्सा गरीबों में बांटा जाता है। अब शहरों में यह सब संभव नहीं है। ऐसे में आज लोग बलि के बदले ग्रामीण इलाकों में पैसे दे देते है, ताकि यह कार्य वहां करके गरीबों में बांटा जा सके।

नहीं दिखी रौनक : प्रतिवर्ष ईद की खरीदारी के लिए बाजारों में भीड़ लगी रहती थी। लोगों नए कपड़े-जूते व अन्य सामान की खरीदारी करते नजर आते थे। लेकिन इस बार ओल्ड फरीदाबाद, एनआईटी नंबर-1, एसजीएम नगर, सराय ख्वाजा, डबुआ कॉलोनी व बल्लभगढ़ की बाजारों में खरीदार नाममात्र ही नजर आए। कुछ मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि ईद का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जाता है। लेकिन 50 से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगने के नियम से ईद इस बार फीकी रह सकती है।

60 हजार में बिका: बराही तालाब स्थित बकरा बिक्रेता रहमान खान ने बताया कि इस बार बकरों की संख्या बहुत कम है। जिनकी कीमत 10 से 35 हजार रुपये है। बकरा विक्रता रहीम ने बताया कि इस बार सबसे महंगा बकरा शाहरूख 60 हजार रुपये में ईद से एक दिन पहले ही बिक गया। कुछ समय पहले तक एक से दो लाख तक के बकरे बिका करते थे।

आईएमटी में 36 घंटे की बिजली कटौती से परेशान उद्योगपतियों की नारेबाजी

एक्सईएन ने दिया आश्वासन, अब कमेटी करेगी समाधान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आईएमटी के मुख्य द्वार पर बिजली विभाग के खिलाफ आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नेतृत्व में सैकड़ों उद्योगपतियों ने प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। उसके बाद उद्योगपति पैदल मार्च करते हुए व नारेबाजी करते हुए बिजली विभाग की एक्सईएन कार्यालय पहुंचे। जहां कार्यालय के बाहर भी विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

आईएमटी के उद्योगपतियों का आरोप था कि बिजली विभाग के अधिकारी न तो किसी का फोन उठाते हैं और न ही समस्या का समाधान करते हैं। पिछले 36 घंटे से आईएमटी में बिजली गुल है, लेकिन इसके बावजूद अधिकारियों के पास कोई समाधान नहीं है। इस विरोध प्रदर्शन में उद्योगपति वीपी गोयल, डीपी दलाल, तेज चौधरी, डीपी यादव, महेंद्र अरोड़ा, राजेश महेंदुरु, नितिन बरेजा, आईसी जैन, अमित जुनेजा, असलम सैफी, महेश काला, अजय एबरोल सहित अनेक उद्योगपति मौजूद थे।

जानकारी के मुताबिक आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान प्रमोद राणा ने कहा कि उद्योगपति सरकार को राजस्व भी देता है और रोजगार में भी मदद करता है। इसके बावजूद उद्योगों की सुध लेने वाला कोई नहीं है जोकि चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि उद्योपगतियों को केवल सोने का अंडा देने वाली मुर्गी समझा जाता है। उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रमोद राणा ने यह भी कहा कि जल्द ही सारे मामले से केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर को अवगत कराया जाएगा ताकि उद्योगपतियों को काम करने के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि अब वो जमाना नहीं है जब सप्ताहिक या मासिक ऑर्डर मिलते हों। अब प्रतिदिन डिस्पैच करनी होती है। ऐसे में बिजली नहीं मिलेगी तो पूरा उद्योग व्यापार चौपट हो जाएगा। उन्होंने शासन व प्रशासन से अपील की है कि उद्योगपतियों के संकट का समाधान करने में सहायता करें।

रोजाना शिकायत

आईएमटी के उद्योगपतियों ने मीडिया को व्हट्अप ग्रुप भी दिखाया जोकि बिजली विभाग के अधिकारियों व आईएमटी के उद्योगपतियों का संयुक्त रूप से बना हुआ ग्रुप है। उस ग्रुप को दिखाते हुए उद्योगपतियों ने कहा कि कोई दिन ऐसा नहीं होता जिस दिन बिजली के लंबे-लंबे कट नहीं होते हैं लेकिन पिछले 36 घंटे में तो बिजली विभाग ने सारी सीमाएं ही तोड़ दी हैं।

एक्सईएन ने बनाई कमेटी

विरोध प्रदर्शन करने के बाद उद्योगपति बिजली विभाग की एक्सईएन से मिले और तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान एक्सईएन ने विभाग व अधिकारियों की तरफ से कई बार उद्योगपतियों से मीडिया की मौजूदगी में माफी मांगी और भविष्य में सुधार का आश्वासन दिया। इसके साथ-साथ बिजली से संबंधित सभी समस्याओं के निदान को लेकर एक कमेटी बनाई गई। जिसमें एक्सईएन, एसडीओ, जेई व आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान, महासचिव व बिजली विभाग के चेयरमैन को शामिल किया गया है। यह कमेटी बुधवार को सभी मुद्दों पर चर्चा करके समस्याओ के समाधान की रूपरेखा बनाएगी। फिलहाल उद्योगपति शांत हैं लेकिन उनका कहना है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो अगला प्रदर्शन 50 हजार लोगों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर किया जाएगा।

राहत : बीके अस्पताल को मिलीं 106 स्टाफ नर्सें

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में 15 वर्षो से स्टाफ नर्सो की भारी कमी थी। जिससे मरीजों को भारी परेशानियां उठानी पड़ती थी। अब यह कमी मरीजों को नहीं खलेगी, क्योंकि बीके अस्पताल में 106 स्टाफ नर्स छायंसा स्थित श्री अटल बिहारी वाजपई मेडिकल कॉलेज से भेज दी गई। वहां मरीजों की कम संख्या के कारण स्टाफ को यहां भेज दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक बीके अस्पताल में 90 से 100 स्टाफ नर्सो की पोस्टे है, लेकिन अस्पताल में 20 ही स्टाफ नर्से है। जिसमें कुछ मेडिकल लीव पर तो कुछ मैटेरनेटी लीव पर रहती है। ऐसे में काफी समय तक तो 12 से 15 स्टाफ ही यहां आने वाले दो सौ से अधिक भर्ती होने वाले मरीजों के लिए परेशानी का सबब बनता है।

ऐसे में एक या दो वार्ड में मात्र एक स्टाफ नर्स को काम करना पड़ता था। दो से तीन वार्ड अकेले संभाल पाना असभंव था, इसके बावजूद वह लगातार काम संभाल रहे थे, लेकिन अब उन्हें भी राहत मिलेगी, क्योंकि यहां 106 स्टाफ नर्से ओर आ गई है, जो पुराने स्टाफ के साथ मिलकर यहां काम सिखेंगी और करेंगी।

मिल गई राहत

अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने बताया कि छांयसा मेडिकल कॉलेज के डीन का वह धन्यवाद करती है कि उन्होंने यहां स्टाफ भेजा। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए एफिलेटिड कर दिया गया था। सिविल अस्पताल में वहां का स्टाफ आकर ट्रेनिंग ले सकता है। वह मेडिकल कॉलेज कोरोना काल में शुरू किया गया, लेकिन फिलहाल वहां काम कम है। जिसे देखते हुए मंगलवार को वहां से 106 स्टाफ नर्सो को यहां काम के लिए भेज दिया गया। यह स्टाफ नर्से यहां काम में अन्य स्टाफ का हाथ बटायेंगी और यहां आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने बताया कि कोरोना काल में पांच लैब टैक्नीशियन भी मेडिकल कॉलेज से यहां लिए गए थे।

कोरोना : एक पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 99754

फरीदाबाद। जिला में मंगलवार को कोरोना का एक मामला सामने आया। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 99754 पर पहुंच गया। वहीं जिले में फिलहाल 17 एक्टिव केस है। जिसमें 14 मरीज होम आईसोलेट है। जबकि तीन मरीज अस्पतालों में भर्ती है। जिसमें से एक मरीज ऑक्सीजन पर है। इसमें एक और अच्छी खबर यह भी है कि जिला में तीन लोग कोरोना को हराकर स्वस्थ होकर अपने घरों को लौटे हैं।

वहीं जिला में रिकवरी रेट भी 99.27 प्रतिशत पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार फरीदाबाद जिला में अब तक 895158 लोगों को अब तक सर्वेलांस पर रखा गया है। जिन्होंने 28 दिनों का सर्वेलांस पूरा कर लिया है। उनकी संख्या 895089 हो गई है। वहीं पिछले 24 घंटे में 3537 लोगों टेस्ट किए गए।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 979740
अब तक पॉजिटिव	: 99754
अब तक नेगेटिव	: 879499
रिपोर्ट आनी शेष	: 487
आक्सीजन पर है	: 1
अब तक मौत	: 716
अब तक ठीक	: 99021

मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री पर वेबिनार

फरीदाबाद। सेक्टर-आठ राजकीय महिला बहुतकनीकी फरीदाबाद की इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और कंप्यूटर इंजीनियरिंग की सभी छात्राओं और स्टाफ मेंबर्स के लिए यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत कोफेडेरसन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा एक वेबीनार का आयोजन किया। जिसका शीर्षक था इंडस्ट्री स्किल एंड करियर ऑपर्च्युनिटी फॉर वूमेन इन मैन्युफैक्चरिंग। जिसमें यूएनडीपी की स्वयंप्रभा दास ने मैन्युफैक्चरिंग करियर के बारे में संक्षेप रूप में जानकारी दी।

पैनासोनिक इंडस्ट्री की कॉरपोरेट अफेयर्स की हैड ऋतु घोष एवं एचआर एंड टैलेंट मैनेजमेंट की बिजनेस हेड पीयू गुप्ता तथा इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर स्किल काउंसिल की प्लेसमेंट एंड अप्रेंटिसशिप हेड करिश्मा अग्रवाल ने अपने अपने वक्तव्य प्रकट किए। प्राधानाचार्या मीनू वर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में महिलाओं के तकनीकी कौशल विकास पर बल देते हुए कहा कि हमारा संस्थान छात्राओं के तकनीकी विकास में हमेशा अग्रणी रहा है।

मस्जिद न जाकर घर पर ही अदा करें नमाज: सीपी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने सभी डीसीपी, एसीपी, सभी थाना प्रबंधक, चौकी इंचार्ज, सीआईए यूनिट तथा ट्रैफिक पुलिस को बकरीद के पर्व पर कोरोना नियमों का पालन एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने और सोशल मीडिया पर नजर रखने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कोरोना काल में सरकार द्वारा लोगों को इस महामारी के संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए धार्मिक स्थानों पर भीड़ इकट्ठे करने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। पुलिस कमिश्नर ने नागरिकों को बकरीद के अवसर पर अपने घर पर रहकर ही नमाज अदा करने तथा भीड़ वाले स्थानों पर जाने से बचने की हिदायत दी है ताकि उन के माध्यम से कोरोना संक्रमण उनके परिवार तक न फैल सके। कोरोना गाइडलाइंस का उल्लंघन न हो इसके लिए पुलिस आयुक्त ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को दिशा निर्देश जारी किए हैं। ईद के पर्व के चलते फरीदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में आने वाले धार्मिक स्थलों (मस्जिद) पर पुलिस तैनात रहेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य में भी कोरोनावायरस के चलते सभी धार्मिक स्थल और राजनीतिक कार्यक्रम आदि में भीड़ इकट्ठी होने के लिए मनाही है।

थाना व चौकी प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे कि धार्मिक स्थलों पर भीड़ इकट्ठी न हो इसके लिए पुलिसकर्मी लगातार अपने थानाक्षेत्र में पड़ने वाले धार्मिक स्थलों के आसपास लगातार गश्त करेंगे। बकरीद के साथ-साथ बारिश के मौसम के चलते यातायात प्रबंधन में अनेकों प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं इसलिए सभी यातायात प्रबंधक को निर्देशित किया गया है कि ज्यादा जाम लगने वाले स्थानों को चिह्नित करके वहां पर यातायात प्रबंधन को दुरुस्त करके वाहनों के आवागमन को सुचारू रूप से चलाना सुनिश्चित किया जाए। सिंह ने फरीदाबाद जिले में रह रहे लोगों से अपील की है घरों में रहकर हंसी खुशी अपने परिवार के साथ ईद मनाए और प्रबुद्ध नागरिक होने का परिचय दें।

राज्य शिक्षक अवार्ड 2021 के लिए आवेदन आमंत्रित : ऋतु चौधरी

फरीदाबाद। शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान देने वाले योग्य शिक्षकों से राज्य शिक्षक पुरस्कार-2021 के लिए आवेदन प्रक्रिया आज से आरंभ कर दी है। योजना के तहत राज्य स्तर पर सेकेंडरी शिक्षा में 20 पुरुष व 20 महिलाएं एवं प्राथमिक शिक्षा के तहत 25 पुरुष व 25 महिला शिक्षकों को इस पुरस्कार से नवाजा जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी ने बताया कि हरियाणा के सेकेंडरी शिक्षा विभाग ने राज्य शिक्षक पुरस्कार-2021 के लिए योग्य शिक्षकों से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 19 जुलाई से आवेदन आमंत्रित करने शुरू कर दिए है। आवेदनकर्ता शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा जारी इस लिंक 'http://vy.v~w.v~.v}}/Stateawardw®wv' पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते है। उपरोक्त लिंक पर स्वयं नामांकन करने के लिए आवेदक-शिक्षक का पासवर्ड एवं ओटीपी उसके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ही प्राप्त होगा। आवेदनकर्ता शिक्षक अपना पूरा विवरण तीन एमबी की पीडीएफ फाइल के साथ लिंक पर अपलोड कर सकता है।

नवंबर तक मिलेगा मुफ्त राशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की समयावधि को बढ़ा दिया गया है। कोरोना संकट के बीच सरकार ने गरीब परिवारों को बड़ी राहत दी है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत फ्री राशन अब नवंबर 2021 तक मिलता रहेगा। योजना के तहत फ्री राशन मिलने की अवधि को 5 महीने तक बढ़ा दिया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत गरीब परिवारों को 5 किलो मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। राशन कार्ड पर मिलने वाले तय कोटे के अतिरिक्त यह 5 किलो अनाज मुफ्त में दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत ए ए वाई (गुलाबी कार्ड) बीपीएल (पीला कार्ड) व ओ पी एच (खाकी कार्ड) धारकों को आटा, बाजरा, चीनी, नमक, सरसों तेल उनकी पात्रता के अनुसार उपलब्ध करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत उपरोक्त श्रेणी के कार्ड धारकों को 5 किलोग्राम प्रति सदस्य गेहूं प्रति मास निशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बीपीएलए, वाईओपीएच कार्ड धारकों को निर्धारित मात्रा व दर के हिसाब से राशन उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रुपये 5 प्रति किलोग्राम के हिसाब से 25 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड आटा, एक रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से 10 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड बाजरा, 13.50 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से एक किलोग्राम प्रति राशन कार्ड चीनी, 4.50 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से एक किलोग्राम प्रति राशन कार्ड नमक उपलब्ध करवाया जा रहा है। उपरोक्त श्रेणी के पात्र लोगों को प्रति राशन कार्ड 2 लीटर सरसों का तेल भी उपलब्ध करवाया जाता है। सरसों के तेल की कीमत 250 रुपये प्रति कार्ड धारक उनके खाते में जमा करवाई जाती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 5 किलोग्राम प्रति सदस्य गेहूं मुफ्त प्रदान किया जाता है।

उपायुक्त ने बताया कि पीला कार्ड धारक पात्र को 5 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से 3 किलोग्राम प्रति सदस्य आटा, एक रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से 2 किलोग्राम प्रति सदस्य बाजरा, 13 . 50 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से 1 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड चीनी, 4.50 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से, 1 किलोग्राम प्रति राशन कार्ड नमक उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसी प्रकार से प्रति राशनकार्ड 2 लीटर सरसों का तेल उपलब्ध करवाया जाता है।

महिला बने देहरादून की प्रभारी

फरीदाबाद। देवभूमि उत्तराखंड में चुनाव को लेकर कांग्रेस सरकार ने कमर कस ली है। उत्तराखंड में हर विधानसभा क्षेत्र में देश के सभी नेताओं को कांग्रेस की गतिविधियों से लोगो को अवगत कराया जा रहा है। इसी कड़ी में सूर्य कांत दस्माना कैंट विधानसभा, राजकुमार पूर्व विधायक राजपुर विधानसभा, प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस राजपुर विधानसभा क्षेत्र में कमलेश रमन, मंसूरी विधानसभा गोदावरी थापा ने फरीदाबाद से कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष सुनीता फागना,गजना लम्बा, सोनू चौधरी का 10 विधानसभा में महिलाओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया।

कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष सुनीता फागना, गजना लम्बा, सोनू चौधरी को देहरादून का प्रभारी बनाया गया है। जिस को लेकर कांग्रेस के शासनकाल में लोगों को मिल रही सभी सुविधाओं के बारे में अवगत करा रही है।

चेयरमैन एफएफआरसी ने नहीं कराया स्कूलों का ऑडिट: मंच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने कहा है कि चेयरमैन फीस एंड फंडस रेगुलेटरी कमेटी एफएफआरसी कम मंडल कमिश्नर फरीदाबाद ने पिछले चार साल से नियम होते हुए भी मनमानी फीस वृद्धि कर रहे प्राइवेट स्कूलों का ऑडिट नहीं कराया है। जबकि सरकारी पैसे से एक ऑडिटर इस काम के लिए नियुक्त किया हुआ है। मंच ने इसकी शिकायत अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा डॉ महावीर सिंह से की है।

मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा व जिला सचिव डॉ मनोज शर्मा ने कहा है कि मंच ने आरटीआई के तहत पता लगाया है कि चेयरमैन एफएफआरसी फरीदाबाद का गठन 20 फरवरी 2017 को किया गया था। इसके एक साल बाद 21 फरवरी 2018 को एफएफआरसी कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अतिरिक्त उपायुक्त को सचिव व जिला शिक्षा अधिकारी को सदस्य व एसपीआईओ मनोनीत किया गया और 20 फरवरी 2019 को प्राइवेट स्कूलों का ऑडिट कराने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट की नियुक्ति की गई।

मंच का आरोप है कि फरवरी 2019 से लेकर आज तक एक भी स्कूल का ऑडिट नहीं किया गया है जबकि चेयरमैन एफएफआरसी को यह अधिकार दिया गया है कि वह प्राइवेट स्कूलों की शिकायत मिलने पर भी और प्रत्येक वर्ष भी प्रत्येक कैटेगरी के स्कूलों का 5 प्रतिशत के आधार पर ड्रा ऑफ लॉट्स निकालकर ऑडिट कराए। उनके खातों की जांच करे। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि मंच की ओर से कई बार चेयरमैन एफएफआरसी कम मंडल कमिश्नर फरीदाबाद संजय जून को कई पत्र भेजकर मनमानी कर रहे प्राइवेट स्कूलों का ऑडिट कराने के लिए कहा गया।

संक्षिप्त समाचार

मौसी के घर से वापस लौटे भगवान जगन्नाथ

फरीदाबाद। नौ दिनों तक मौसी के घर रहने के बाद महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की मंगलवार को घर वापसी हो गई। श्रद्धालु बाजे-गाजे व भजन-कीर्तन के साथ महाप्रभु को रथ में लेकर उनके घर पहुंचे। वापसी के समय रथ को खींचने लोगों में खासा उत्साह मंदिर परिसर में देखने को मिला। देर शाम को सेक्टर-15ए स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में ही यात्रा सम्पन्न हुई। यहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की प्रतिमा मंदिर में स्थापित कर विशेष पूजा-अर्चना हुई। जगन्नाथ मंदिर परिसर में ही नौ दिन पहले महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा के साथ मंदिर परिसर में ही बने अपने मौसी के घर पहुंचे थे। मंदिर के प्रधान पीकेएमके दास ने बताया कि मंदिर परिसर में ही परम्परागत तरीके से मौसी का घर बनाया था। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं द्वारा महाप्रभु सहित बलभद्र व सुभद्रा की पूजा अर्चना की जा रही थी। नौ दिनों बाद परम्परागत ढंग से महाप्रभु की वापसी हुई। दोपहर बाद शाम को भगवान की प्रतिमा को फूलों से सजे रथ पर स्थापित कर रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा बाजे-गाजे व भजन कीर्तन के बीच निकली। मंदिर परिसर में महाप्रभु का आरती कर स्वागत किया गया। इसके बाद मंदिर में प्रतिमा स्थापित कर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विशेष पूजा अर्चना की गई।

एनएसएस वालंटियर्स ने गांवों में किया पौधारोपण

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों में दो दिवसीय पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। जिले के गांव राजपुर कलां, ताजूपुर और सहरावाक में आयोजित दो दिवसीय पौधरोपण अभियान के दौरान लगभग 60 एनएसएस वालंटियर्स ने 500 पौधे लगाये। पौधारोपण अभियान की अगुवाई एनएसएस राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हरीश ने की और वालंटियर्स को समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वालंटियर्स के साथ अपने अनुभव भी साझा किये। पौधरोपण अभियान के दौरान ग्रामीणों ने एनएसएस वालंटियर्स के प्रयासों की सराहना की। पौधरोपण अभियान एनएसएस समन्वयक डॉ प्रदीप डिमरी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ उमेश, डॉ बिंदू मंगला और नितिन पवार की देखरेख में चलाया गया।

समस्याएं जानने को बिजली कर्मचारियों ने की बैठक

फरीदाबाद। हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों ने बल्लभगढ़ के सेन्ट्रल स्टोर सेक्टर-25 पर कर्मचारियों की ग्रीवेंसेज जानने के लिए एक जरूरी बैठक की। बैठक में उपस्तिथ प्रदेश महासचिव सुनील खटाना ने कहा कि हरियाणा सरकार ने सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत अधिसूचित सरकारी सेवाओं की निर्धारित समय सीमा में डिलीवरी न कर पाने पर आयोग की सचिव मीनाक्षी राज द्वारा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक की पेशी के दौरान उन पर जुर्माना लगाया जाना जो कि दुर्भाग्यवश सरासर गलत है। एचएसईबी वर्कर यूनियन ने अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर की है। प्रदेश महासचिव सुनील खटाना ने सरकार द्वारा राइट टू सर्विस एक्ट को लागू करने से पहले विभाग में पड़े खाली पदों पर स्थाई भर्ती करने व कर्मचारियों को विभागीय सेवाओं के लिए समुचित औजार व सुरक्षा के उपकरण उपलब्ध कराने एवं वर्क टू रूल के हिसाब से कार्य करने की बात कही। आवश्यक बैठक के इस अवसर पर कर्मचारी नेताओं में सन्तराम लाम्बा, लेखराज चौधरी, कर्मवीर यादव, सुनील कुमार, आनन्द चंदीला, पुष्कर सिंह, सोनू गोला, विपिन सिंह, पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

जल शक्ति को जन-जन का अभियान बनाएं: मान

फरीदाबाद। जल शक्ति अभियान योजना को अधिकारी गंभीरता से लेकर इस सम्बंध में अपने से जुड़े कार्य दायित्वो का निर्वाह पूर्ण निष्ठा ईमानदारी से करें। यह दिशा-निर्देश अतिरिक्त उपायुक्त सतवीर मान ने जल शक्ति अभियान योजना के अंतर्गत आयोजित समीक्षात्मक बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि जल शक्ति अभियान योजना सरकार की अत्यंत महत्वकांशी योजना है और इस संबंध में किसी भी प्रकार की कोई कोताही अधिकारी द्वारा ना बरती जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे अपने से जुड़े कार्य दायित्व का निर्वाह हेतु युद्ध स्तर पर कार्य करें और सम्बंधित रिपोर्ट को समय रहते उन्हे अवगत कराते रहे ताकि सरकार को रिपोर्ट समय रहते भिजवाई जा सके ओर इस संबंध में आने वाली संबंधित परेशानियों से अवगत कराएं जिससे कि समस्याओं का समाधान करवा कर जनहित में योजना को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। उन्होंने योजना के प्रभावी रूप से क्रियान्यवयन के सभी उपायों को अपनाने और इसका अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने वाले भी अधिकारियों को निर्देश दिए। जिसमें नुक्कड़ नाटक, जिग्गल, वॉल पेंटिंग, स्लोगन, रेडियो इंटरव्यू जैसे प्रचार-प्रसार के माध्यमों को अपनाने बारे भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने नगर निगम, पंचायत, वन, शिक्षा सहित संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे इस संबंध में कार्य योजना बनाकर जल शक्ति अभियान को सफल बनाने में अपना सफल योगदान दें।

डीसी दफ्तर पर दिया कर्मचारियों ने धरना, सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। गोल्ड फिल्ड मेडिकल कॉलेज छायंसा बंद होने से नौकरी से बाहर हुए कर्मचारियों ने अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल कॉलेज में एडजस्ट करने की मांग को लेकर बुधवार को डीसी आफिस पर धरना दिया। धरने की अध्यक्षता राम प्रकाश सरदाना ने की। धरने के बाद सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री, जिला प्रधान अशोक कुमार, सचिव बलबीर सिंह बालगुहेर के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने डीसी यशपाल यादव से मुलाकात की और समायोजन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा और भूखमरी के कागार पर पहुंच चुके बर्खास्त कर्मियों को अटल बिहारी वाजपेई राजकीय मेडिकल कॉलेज में एडजस्ट कराने की मांग की।

पुराने गुरुग्राम शहर में जलभराव पर मेयर के चढ़े तेवर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भविष्य में इस प्रकार की न हो समस्या अधिकारी गंभीरता से करें कार्य

लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में मेयर की अध्यक्षता में निगम पार्षदों एवं अधिकारियों के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक

मॉनसून की बरसात में गुरुग्राम में विशेषकर पुराने गुरुग्राम में जलभराव को लेकर मेयर के तेवर चढ़ गए हैं। उन्होंने मंगलवार को यहां पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक बुलाकर अधिकारियों को रडार पर लिया। उन्होंने इस जलभराव पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह से जलभराव की पुनरावृति ना हो। इसका विशेष ध्यान रखा जाए। और बेहतर प्रबंध किए जाएं।

मेयर मधु आजाद ने यहां निगम पार्षदों व अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि हम सभी की गुरुग्राम की जनता के प्रति जवाबदेही है। अगर जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तो तारीफ भी नगर निगम की होगी और अगर व्यवस्था खराब होगी तो जिम्मेदारी भी नगर निगम की ही होगी। हम सभी नगर निगम परिवार के सदस्य हैं और जनता को बेहतर मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाना हमारी जिम्मेदारी है। सभी निगम पार्षद एवं अधिकारीगण एक साथ मिलकर कार्य करें। अधिकारी जब भी किसी वार्ड में जाएं, संबंधित निगम पार्षद को इसकी सूचना अवश्य दें। उन्होंने कहा कि निगम पार्षद को उसके वार्ड की भौगोलिक स्थिति के बारे में अधिक जानकारी होती है। इसलिए अधिकारियों को चाहिए कि वे निगम पार्षद के साथ मिलकर योजना तैयार करें।

गुरुग्राम में जलभराव को लेकर अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक करतीं मेयर मधु आजाद।

सोमवार की कमियों से सबक ले करें काम

मेयर मधु आजाद ने कहा कि सोमवार को हुए जलभराव से सबक लेकर कमियों को दूर करके भविष्य में जलभराव की समस्या ना हो, इसके पुख्ता प्रबंध करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जो अधिकारी व कर्मचारी काम के प्रति गंभीरता नहीं दिखाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई बारे मुख्यमंत्री सहित उच्च अधिकारियों के समक्ष कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। मेयर ने कहा कि जब भी किसी वार्ड या डिवीजन से जेई, एसडीओ या एक्सईएन का तबादला दूसरे वार्ड या डिवीजन में किया जाए, उससे पूर्व संबंधित निगम पार्षद से सलाह अवश्य ली जाए।

निगमायुक्त ने भविष्य में ऐसा न होने का दिया आश्वासन

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा ने सभी निगम पार्षदों द्वारा रखे गए मुद्दों को सुना। उन्हें आश्वस्त किया कि सभी अधिकारी एवं पार्षद एक टीम की तरह कार्य करते हुए जनता को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सोमवार को हुई जलभराव की समस्या के दौरान जो भी कमियां रही, उन्हें निगम पार्षदों के साथ मिलकर दूर किया जाएगा। अगली बरसात में ऐसी समस्या ना हो, इसके पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। निगमायुक्त ने सभी संयुक्त आयुक्तों से कहा कि वे निगम पार्षदों व इंजीनियरों के साथ प्वाईंज वाईज ग्राऊंड विजिट करें तथा कार्रवाई करें।

केन्द्र की योजना को नजर अंदाज कर रहीं बैंक : पीआर गोदारा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद कार्यालय में मंगलवार को हुई पीएम स्वानिधि योजना के तहत बैठक।

बैंक शाखा प्रबंधक स्ट्रीट वेंडर्स को पीएम स्वानिधि के तहत दिए जाने वाले 10-10 हजार रुपये के ऋण शीघ्रता से जारी करें। स्ट्रीट वेंडर्स अक्टूबर 2020 से बैंक शाखाओं के चक्कर लगा रहे हैं।

केन्द्र सरकार की पीएम स्वानिधि योजना बैंक शाखाएं पूरी तरह से निष्क्रियता बरत रही हैं। जिसका खुलासा मंगलवार को नगर परिषद में हुई स्ट्रीट वेंडर्स की बैठक में हुआ। अक्टूबर 2020 से बैंक शाखाओं के चक्कर लगाते-लगाते रेहड़ी मजदूर ऋण लेने के लिए थक गए हैं। बैठक में पहुंचे लीड जिला प्रबंधक प्रहलाद राय गोदारा ने बैंक शाखा प्रबंधकों को कड़ी चेतावनी देते हुए रेहड़ी मालिकों को जल्द से जल्द ऋण देने को कहा।

बैठक में मौजूद करीब 100 रेहड़ी मालिकों ने अपनी आपबीती अधिकारियों को सुनाई। बैठक में मौजूद गोदारा समेत नगर परिषद के सचिव सुमित कुमार व अन्यों ने बैंक शाखाओं द्वारा किए जा रहे व्यवहार पर रोष व्यक्त किया। रेहड़ी मालिकों का दर्द सुनने के बाद परिषद सचिव ने बैंक शाखाओं से आए अधिकारियों से तुरन्त समय निर्धारित कराया। 15 अगस्त से पहले-पहले रेहड़ी मालिकों को पीएम स्वानिधि योजना का लाभ देने आश्वासन दिया। बैठक के बाद एलडीएम प्रहलाद राय गोदारा ने बताया कि बैंक प्रबंधकों को रवैया रेहड़ी मालिकों के साथ अच्छा नहीं रहा है। जिसके कारण केन्द्र सरकार की योजना अब तक सिरे नहीं चढ़ सकी है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2020 में नगर परिषद सीमा क्षेत्र में रेहड़ी लगाने वाले करीब 180 मजदूरों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए चुना था, लेकिन बीते 10 माह में करीब 45 रेहड़ी मालिकों को योजना का लाभ मिला है।

150 के करीब रेहड़ी मालिक योजना का लाभ लेने के लिए बैंक शाखाओं के चक्कर लगा रहे हैं। बैठक में तीन बैंक शाखाओं के अधिकारी नहीं पहुंचे। जिनके खिलाफ कार्रवाई की जाने का आश्वासन भी दिया है।

दिन दहाड़े मकान का ताला तोड़ नकदी और जेवरात चोरी

सोहना। भोंडसी की स्नेह विहार कॉलोनी में बंद मकान का ताला तोड़ दिन दहाड़े नकदी और लाखों रुपये के जेवरात चोरी हो गए। मकान मालिक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था। मूलरूप से राजस्थान निवासी मुकेश पुत्र लीलाराम ने भोंडसी थाने में चोरी का मामला दर्ज कराया है। मुकेश ने पुलिस को बताया कि 17 जुलाई को ढाई बजे दिन में मकान बंद करके शादी में गया था।

मकान बंद करने के बाद चाबी पड़ोसी को देकर गया था। सायं छह बजे पड़ोसी ने उसे फोन करके बताया कि मकान का बाहर से लगा ताला टूटा हुआ है। वह तुरन्त शादी समारोह को छोड़ वापस घर पहुंचा। घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा हुआ था। अलमारियों के दरवाजे भी खुले थे। तलाश करने पर उसके घर में रखे 38 हजार रुपये की नकदी समेत करीब डेढ़ लाख रुपये के जेवरात गायब मिले। भोंडसी पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद चोरी करने वालों की खोज शुरू कर दी है।

बालूदा समेत 40 गांवों में वितरित किए 12 हजार पौधे

गुरुग्राम के गांव बालूदा में ग्रामीणों को पौधे वितरित करते विंडसर कंपनी के अधिकारी।

गुरुग्राम। विंडसर कंपनी की ओर से जिले के गांव बालूदा समेत 40 गांवों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करीब 12 हजार पौधे वितरित किए गए।

इस मौके पर कंपनी की ओर से मौजूद वायु सेना के फ्लाइट लेफ्टिनेंट दयानंद यादव ने बताया कि 350 पौधे पहले दिए गए थे। आम,अनार, अमरूद, जामुन, चीकू, किन्नू, नीम आदि के पौधे ग्रामीणों को वितरित किए गए। दयानंद यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। पेड़ हमें कीमती ऑक्सीजन निशुल्क देते हैं। कोरोना महामारी में पैसे देकर भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। जिसे मिली, उसे खूब जद्दोजहद करनी पड़ी। इसलिए हमें इस समय से सबक लेना चाहिए। अधिक से अधिक पेड़, पौधे लगाकर हमें पर्यावरण की रक्षा करनी है। हरियाली को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि विंडसर कंपनी का यही प्रयास है कि किसी न किसी माध्यम से हरियाली को बढ़ावा दिया जाए। बालूदा गांव समेत 40 गांवों में 12 हजार पौधों का वितरण किया गया है। जरूरत पड़ने पर और भी पौधे दिए जाएंगे। उन्होंने सभी ग्रामीणों से आग्रह किया है कि हर एक पौधे का रोपण करके उनकी देखभाल करें। उनका पोषण करें।

आजादी के अमृत महोत्सव में वीरों की लोकगाथाओं को किया जाएगा एकत्रित

गुरुग्राम में अमृत महोत्सव को लेकर बैठक लेते एडीसी विश्राम कुमार मीणा।

गुरुग्राम। आजादी के महोत्सव के आयोजन को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने मंगलवार को अपने कार्यालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में बताया कि भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ 15 अगस्त 2021 से शुरू होने जा रही है। वर्षगांठ को मनाने के लिए स्वतंत्रता दिवस से 75 सप्ताह पहले ही आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि अमृत महोत्सव में इतिहास के जाने -अनजाने वीरों की लोककथाएं, कहानियों, इवेंट्स पर ध्यान केन्द्रित करते हुए इन्हें स्मरणोत्सव के तौर पर एकत्रित किया जाएगा। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशानुसार जिला डिजीटल रिपोजिटरी तैयार की जाएगी। इसमें स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले वीरों की पहचान कर उनकी उपलब्धियों संबंधी दस्तावेजो को संग्रहित किया जाएगा।

उन्होंने बैठक में उपस्थित उप जिला शिक्षा अधिकारी सरोज दहिया को निर्देश देते हुए कहा कि वे इस कार्य के लिए विद्यालयों व महाविद्यालयों इतिहास के लेक्चरर आदि से भी संपर्क कर सकते हैं।

परिषद का सरकारी विभागों के बाद सोसायटियों को नोटिस

एन रोहिल्ला। सोहना

नगर परिषद विभाग बकाया प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली करने में जुट गया है। परिषद ने पहले सरकारी विभागों के बाद अब नामचीन बिल्डर व सोसाइटी को प्रॉपर्टी टेक्स जमा कराने के लिए नोटिस देना शुरू कर दिया है। जिन पर करीब 34 लाख रुपये का प्रॉपर्टी टेक्स बकाया है।

नगर परिषद ने अपने खजाने को भरने के लिए प्रॉपर्टी टेक्स की वसूली करना शुरु किया है। जिसकी कवायद शुरू करते हुए पहले चरण में सरकारी विभागों को प्रॉपर्टी टेक्स जमा कराने के लिए नोटिस जारी किए थे। जिन पर करीब 80 लाख रुपये का प्रॉपर्टी टेक्स बकाया है। अब परिषद ने दूसरे चरण में नामचीन बिल्डर व सोसायटियों को चुना है। जिन पर करीब 34 लाख रुपये का बकाया है।

नगर परिषद सोहना कार्यालय की फोटो।

वर्ष 2021-22 का प्रॉपर्टी टेक्स जमा कराने सरकार के आदेशानुसार 10 फीसदी की छूट दी जाएगी। यह छूट 30 सितम्बर तक ही रहेगी।

किस पर कितना प्रॉपर्टी टेक्स

परिषद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेंट्रल पार्क पर लाख 93 हजार रुपये, स्टर्नल बिल्डकॉन एक लाख 6 हजार 960 रुपये, रंभा कंस्ट्रक्शन 58 हजार 624 रुपये, रंधावा कंस्ट्रक्शन 66 हजार 308 रुपये, अरेटे 28 हजार 102 रुपये, एमकेएस कंट्री 2 लाख 32 हजार 320 रुपये, आशियाना 24 हजार 805 रुपये, वर्धमान डेवलपर एक लाख 38 हजार 424 रुपये, भारत पेट्रोल पंप 80 हजार 640 रुपये, एससीजे वर्ल्ड अकेडमी 11 लाख 50 हजार रुपये, जीडी गोयनका वर्ल्ड स्कूल दो लाख 75 हजार रुपये, जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी दो लाख 75 हजार रुपये, केडीएम स्कूल 6 लाख 72 हजार रुपये, अपोलो टायर 76 हजार 738 रुपये प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है।

क्या कहते हैं अधिकारी

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी सन्दीप मलिक बताते हैं कि विभाग प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली नोटिस देना शुरू कर दिया है। नोटिस मिलने के बाद यदि सोसायटियां प्रॉपर्टी टेक्स जमा नहीं करती है। उनके संपत्ति को सील किया जाएगा।

तेज रफ्तार इको कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

पलवल। शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीयूष सिटी के समीप तेज रफ्तार ईको कार की टक्कर से बाइक सवार 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर कार के अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच अधिकारी उपदेश के अनुसार अहरवां गांव निवासी राजकुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि 19 जुलाई की सुबह वह अपने चचेरे भाई रविंद्र कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर किसी काम से पलवल आ रहा था। रास्ते में पीयूष सिटी के पास तेज रफ्तार से आई ईको कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रविंद्र गंभीर रुप से घायल हो गया। पीड़ित ने अपने भाई को उपचार के लिए लेकर सिविल अस्पताल पहुंचा। जहां चिकित्सकों ने रविंद्र को मृत घोषित कर दिया।

जिंदगी देखो कैसे नाच नचा रही है, नित नए रूप में सामने आ रही है...

महिला काव्य मंच गुरुग्राम इकाई ने की डिजिटल काव्य गोष्ठी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महिला काव्य मंच गुरुग्राम इकाई ने मकाम की राष्ट्रीय संरक्षक तथा मार्गदर्शक नियति गुप्ता के सानिध्य तथा गुरुग्राम इकाई की अध्यक्ष दीपशिखा श्रीवास्तव दीप की अध्यक्षता में डिजिटल काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी का शुभारम्भ मकाम की राष्ट्रीय सचिव शारदा मित्तल द्वारा मां सरस्वती की आराधना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महिला काव्य मंच की राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. विनय गौड़, अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की राष्ट्रीय संरक्षक वीणा अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरियाणा राज्य इन्दु राज निगम उपस्थित रहे। गुरुग्राम इकाई की उपाध्यक्षा रश्मि चिकारा ने गोष्ठी का संचालन किया।

काव्य पाठ में नियति गुप्ता ने सुनाया-जिंदगी देखो कैसे नाच नचा रही है, नित नए रूप में सामने आ रही है। डॉ. विनय गौड़ ने सुनाया-बातें तो तुम्हारा ही विचार हैं, बातों का अपना ही संसार है। बातों से खेले नहीं ,बिन सोचे बोले नहीं, बातों को भी मान दे, बोलों को सम्मान दें। वीणा अग्रवाल ने सुनाया-आने लगी मुझे याद पिया की-रह-रहकर हर बात, कैसे कहूं सखि आज-सजन बिन फीकी ये बरसात।

काव्य गोष्ठी में उपस्थित कवि।

शारदा मित्तल ने सुनाया-गौरी के कटते नहीं साजन बिन दिन रैन, बिन बारिश चातक भला कैसे पावे चैन। दीपशिखा श्रीवास्तव दीप ने सुनाया-बातों की सियासत से क्या फायदा, जुबां की हिफाजत आज जरूरी है ज्यादा। रश्मि चिकारा ने सुनाया-तेरे और मेरे इश्क़ की कहानी तो पुरानी है, मैं बहता दर्द का दरिया तू भी तो दीवानी है। अंजू सिंह ने सुनाया-ताउम्र यही सोचा की जमाना क्या सोचेगा, बदस्तूर यूं ही जीती जा रही हूं मैं। आभा कुलश्रेष्ठ ने सुनाया-तुम्हारे जाने के बाद, मां, आज पहली बार रख रही हूं कदम, अपने बचपन के घर में, तुम्हारे जाने के बाद। इन्दु राज निगम ने सुनाया-एक बेटी कर रही ये प्रार्थना, जन्म से पहले मुझे मत मारना। शालिनी रस्तोगी ने सुनाया-माना सहना अच्छा है लेकिन कुछ कह जाना बेहतर है। सविता स्याल ने सुनाया-मैं गृहिणी का तकिया हूं हम दोनों एक दूसरे से बेइंतहा प्यार करते हैं।

सुजीत कुमार ने सुनाया-एक ऐसी भी गजल है कि जो लिक्खी ही नहीं, दिल में रक्खा है सिर्फ तुमको सुनाने के लिए। डॉ. कृष्णा जैमिनी ने सुनाया-गीतों के गांव में, फूलों की छांव में। रहने को मन मेरा ललचाता है। राजेन्द्र निगम राज ने सुनाया-शाम का धुंधलका है, धीरे-धीरे आना तुम, आंधियों सुनो मेरा, दीप न बुझाना तुम। इनके अलावा एकता कोचर, नीरज मल्होत्रा, चांदनी केशरवानी, डा. ऋतम्भरा मिश्रा, कुसुम यादव, डा. स्मिता मिश्रा ने भी रचनाएं पढ़ी।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष प्रांशु द्विवेदी और क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखविंदर का स्वागत

जेवर टोल प्लाजा पर भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु द्विवेदी व क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखविंदर सोम का स्वागत करते भाजपा युवा नेता मंजीत सिंह व अन्य।

नोएडा। जेवर टोल प्लाजा पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष प्रांशु द्विवेदी व क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजयुमो सुखविंदर सोम का बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। मंगलवार को प्रांशु द्वेवेदी पहली बार जेवर पहुंचे थे।

प्रांशु दिवेदी के स्वागत के लिए तमाम कार्यकर्ता जेवर टोल पर मौजूद थे। इनमें प्रमुख रूप से जेवर विधानसभा से बीजेपी के युवा नेता मंजीत सिंह, बीजेपी आईटी विभाग के जिला संयोजक चंद्रमणि भारद्वाज, हर्ष शर्मा, अशोक शर्मा, सुरेश चंद शर्मा, अन्नू पण्डित, मदन प्रधान, विकास चौधरी समेत युवा मोर्चा व पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने युवा प्रदेश अध्यक्ष का फूल माला डालकर स्वागत किया। युवा नेता मंजीत सिंह ने प्रांशु द्विवेदी व सुखविंदर सोम को माला पहनाकर शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत बनाने में दोनों नेताओं का अहम योगदान है। युवाओं के ये नेता मार्गदर्शक हैं। उन्होंने जिला पंचायत सदस्य और ब्लॉक प्रमुख की अभूतपूर्व जीत पर कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जेवर में बनने जा रहा एयरपोर्ट जेवर को नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

घर में बैठकर शराब बेचने वाले को पुलिस ने दबोचा

सोहना। सोहना सिटी थाना पुलिस ने घर के बाहर बैठकर अवैध शराब बेचने वाले को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से तलाशी के दौरान देशी शराब के 56 पव्वे मिले। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। चौकी प्रभारी एसआई अशोक कुमार ने बताया कि उनकी टीम नंगली मोड़ पर गश्त कर रही थी। तभी एएसआई सतपाल को सूचना मिली कि प्रदीप पुत्र प्रेमसिंह सैनी अवैध रूप से शराब बेचता है। वह अपने घर में ही रखकर बेचता है। पुलिस ने सूचना मिलने पर तुरन्त छापामारी करते हुए प्रदीप सैनी को घर के बाहर शराब बेचता हुआ पकड़ लिया। घर के अंदर ली गई तलाशी के दौरान देशी शराब के 56 पव्वे मिले। चौकी प्रभारी ने बताया कि आरोपी प्रदीप सैनी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जिसे बाद में कच्ची जमानत पर छोड़ दिया।

दहेज प्रताड़ना में पांच नामजद आरोपियों पर केस दर्ज

पलवल। दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला प्रकाश में आया है। शहर थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर ससुराल पक्ष के पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच अधिकारी शेर सिंह के अनुसार कानूनगो मोहल्ला निवासी मधू ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी शादी सिरमथला गांव (सोहना) निवासी दीपक के साथ हुई थी। शादी में मायके पक्ष ने यथा संभव दान-दहेज भी दिया था, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग उस दहेज से संतुष्ट नहीं हुए और शादी के बाद से ही अधिक दहेज लाने के लिए प्रताड़ित करने लगे। दहेज लाने में असमर्थता जताने पर पीड़िता को पति, ससुर प्रीतम, सास गीता, ननंद सिमरन व ज्योति ने घर से निकाल दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बैंक खाता हैक कर निकाले 42 हजार रुपये

पलवल। शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बैंक अकाउंट को हैक कर 42 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच अधिकारी शेर सिंह के अनुसार खैरकलां मोहल्ला निवासी रोहित चौहान ने शिकायत दर्ज कराई है कि गत 27 फरवरी वर्ष 2021 को उसके पास फोन आया और कहा कि में तुम्हारा दोस्त बोल रहा हूं। इसी प्रकार पीड़ित के नंबर पर तीन-चार बार फोन पे किया गया और व्हाट्सअप कॉल भी आई। इसी दौरान धोखाधड़ी से पीड़िता का खाता हैक कर 42 हजार रुपये काट लिए गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक बालिग व एक नाबालिग लड़की लापता

पलवल। अलग-अलग थाना क्षेत्र से एक बालिग व एक नाबालिग लड़की रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गई। पुलिस ने पीड़ित परिजनों की शिकायतों पर गुमशुदगी के मामले दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी 19 वर्षीय बेटी 11 जुलाई की दोपहर तीन बजे बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। इसी प्रकार एक पीड़िता महिला ने चांदहट थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी 14 वर्षीय बेटी गत 18-19 की रात को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसको काफी तलाश किया गया लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पत्रकार संजीव आहूजा को मातृ शोक

गुरुग्राम। पत्रकार संजीव कुमार आहूजा की माता कृष्णा आहूजा का निधन हो गया है। वे 79 वर्ष की थी। पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी। शक्ति नगर निवासी कृष्णा आहूजा विख्यात शिक्षाविद रही हैं। शिक्षा विभाग हरियाणा से प्रिंसिपल के पद से रिटायर हुई थीं। वे अपने पीछे तीन पुत्रों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। कृष्णा आहूजा का उठाला 22 जुलाई को मॉडल टाउन में स्थित कृष्ण मंदिर में शाम तीन से चार बजे तक आयोजित किया जाएगा। गुरुग्राम, दिल्ली व एनसीआर के सभी पत्रकारों, नेताओं, उद्योगपतियों और समाजसेवियों समेत सभी वर्गों के जाने-माने व्यक्तियों ने कृष्णा आहूजा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सभी ने शोक-संतप्त परिवार के लिए अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

पद्मश्री सुनील डबास ने 'दी करियर इन स्पोर्ट्स' पर दिए टिप्स

गुरुग्राम। करियर इन स्पोर्ट्स विषय को लेकर सुशांत विश्वविद्यालय में वेबिनार का आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न खेल स्पर्धाओं एवं उद्योगों से जुड़े ख्याति प्राप्त लोगों ने अपने विचार रखे। वेबिनार में पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित सुनील डबास, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के लीगल एडवाइजर विदुषपत सिंघानिया, स्पोर्ट्स स्किल काउंसिल इंडिया के अतिरिक्त निदेशक सुजीत पानीग्रही ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. रंजीत मोहंती, कॉर्डिनेटर दीपक मिगलानी एवं अमित सिंह, मॉडरेटर लॉरेंट गिराड रहे। पद्मश्री सुनील डबास ने कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए एकाग्रता जरूरी है। उस काम के प्रति लगन रखें। सकारात्मकता रखें। यह बहुत जरूरी है। तभी किसी काम में सफलता मिल सकती है। उन्होंने कहा कि खेलों में भविष्य है। बशर्ते हर खिलाड़ी पूरी शिद्दत के साथ और जुनून से खेल खेले। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे खेलों में अच्छी और शुद्ध भावना के साथ भाग लें। विदुषपत सिंघानिया और सुजीत पानीग्रही ने कहा कि स्पोर्ट्स में बहुत फ्यूचर है। सरकार भी खिलाड़ियों को अनेक सुविधाएं दे रही है। खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए।

जमीन बेचने के नाम पर धोखाधड़ी, पांच पर केस दर्ज

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेची हुई जमीन की रजिस्ट्री किसी दूसरे व्यक्ति के नाम कर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच अधिकारी गंगावीर के अनुसार ग्रीन फिल्ड कॉलोनी (फरीदाबाद) निवासी सत्यनारायण ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका गांव आलापुर निवासी रिंकू, खेमचंद, मांदकोल गांव निवासी मदन लाल व नेतराम से 20 दिसंबर वर्ष 2020 को सात बीघा जमीन का सौदा 70 लाख रुपये में तय हुआ था। 24 दिसंबर को पीड़ित ने दस लाख रुपये लोगों को दे दिए। 12 जनवरी वर्ष 2021 को लोगों ने तहसील से एनओसी लेकर जमीन को लोन मुक्त करा लिया। पीड़ित ने रजिस्ट्री कराने की बात कही तो लोगों ने रजिस्ट्री नहीं कराई। बाद में पीड़ित को पता चला कि उक्त लोगों ने जमीन की रजिस्ट्री सहारनपुर गांव (फरीदाबाद) निवासी तेज प्रकाश के नाम कर दी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुरानी रंजिश में परिवार पर हमला, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। कई बार छोटी-मोटी बात से शुरू हुआ झगड़ा कब आपसी रंजिश में तब्दील हो जाता है इसका अंदाजा तब लगता है जब एक पक्ष गंभीर रूप से घायल हो जाता है और दूसरा पक्ष सलाखों के पीछे पहुंच जाता है। ऐसे ही एक घटना फरीदाबाद के गांव डीग की है जहां पर नाली सफाई को लेकर शुरू हुआ झगड़ा दो परिवारों के बीच में रंजीश का कारण बन गया। वर्ष 2019 में डीग गांव के सुरेश और नंदकिशोर के परिवार के बीच नाली सफाई कि किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया जिसमें नंदकिशोर ने अपने 9 साथियों के साथ मिलकर सुरेश व उसके परिजनों पर हमला कर दिया तथा उन्हें गंभीर चोटें पहुंचाई। इस मामले को लेकर पीड़ित पक्ष पुलिस के पास पहुंचा जहां पर नंदकिशोर व उसके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट व लड़ाई-झगड़े की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

ईद-उल-अजहा की तैयारियों में जुटे लोग, बाजारों में दिखी भीड़

दुकानदारों के चेहरे पर भी कुछ रौनक देखने को मिल रही है

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

बकरा ईद के त्योहार पर बाजार में एक दुकान पर खरीदारी करते लोग।

मुसलमानों के बड़े त्योहार ईद उल अजहा की तैयारियां जोरों पर हैं। बुधवार को देशभर में बकरीद मनाई जाएगी। सबसे खास बात यह है बकरीद के त्योहार पर हिंदू-मुस्लिम एकता की झलक भी हरियाणा के मेवात जिले में दिखाई पड़ती है।

शहरों में अधिकतर दुकानदार हिंदू समाज से संबंध रखते हैं, तो खरीदार मुस्लिम समाज के लोग हैं। हिंदू समाज के लोग दीपावली और होली पर्व पर मुसलमानों के घर मिठाइयां भेजते हैं, तो मुसलमान भी बकरीद व ईद के पर्व पर सेवइयां और खीर आदि लजीज व्यंजन हिंदू समाज के अपने दोस्तों के घर या पड़ोसियों के घर भेजते हैं। इसीलिए यह इलाका देशभर में अमन व भाईचारे के लिए अपनी एक अलग पहचान रखता है। बाजारों में भीड़ उमड़ रही है, लोग चावल, चीनी, काजू, बादाम, कपड़े, जूते आदि जरूरी सामान खरीद रहे हैं। वैसे इस बार भी कोरोना का खतरा भले ही कम हुआ हो, लेकिन तीसरी लहर देखते हुए अभी खतरा पूरी तरह से टला नहीं है। बाजारों में भी सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क की तैयारी का पालन उस ढंग से भीड़ नहीं कर रही है, जिस ढंग से करना चाहिए।

सबसे खास बात यह है रसोई गैस, डीजल, पेट्रोल, तेल आदि के लगातार बढ़ रहे दामों के अलावा अन्य सामान पर भी महंगाई की मार इस बार लोगों को झेलनी पड़ रही है। कोरोना काल में रोजगार चले जाने की सूरत में खरीदार इस बार उतनी खरीदारी नहीं कर पा रहा है, बीते सालों में बाजार में ईद व बकराईद पर पैर रखने की जगह नहीं होती थी, लेकिन इस बार भीड़ में कमी देखने को जरूर मिल रही है। इसके बावजूद महंगाई की परवाह किए बिना लोग अपनी हैसियत के हिसाब से जमकर खरीदारी कर रहे हैं। जिससे दुकानदारों के चेहरे पर भी कुछ रौनक देखने को मिल रही है।

बकरीद को लेकर जिले में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

नूंह। जिलाधीश शक्ति सिंह ने जिला में मुस्लिम समुदाय द्वारा बकरीद के त्योहार पर प्रति वर्ष की भांति धूमधाम से मनाने के लिए सुरक्षा एवं कानून व्यस्था को ध्यान में रखते हुए आठ ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ सुरक्षा कर्मी तैनात किए हैं। जिलाधीश शक्ति सिंह ने बताया कि प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए 21 जुलाई को जिला में बकरीद मनाए जाने के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में एक ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि उपमंडल मजिस्ट्रेट अपने-अपने उप-मंडल में ओवर आल इंचार्ज होंगे।

जबकि खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी तावडू को थाना रोजकामेव, नायब तहसीलदार नूंह थाना शहर नूंह और थाना सदर नूंह के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। इसी प्रकार तहसीलदार तावडू को थाना तावडू शहर व सदर, तहसीलदार फिरोजपुर-झिरका को थाना फिरोजपुर-झिरका, नायब तहसीलदार पुन्हाना को थाना पुन्हाना, नायब तहसीलदार नगीना को नगीना, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नगीना को बिछौर, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी पिनगवां को थाना पिनगवां के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

गोहत्या को लेकर हिंदू समाज के लोगों ने की डीसी, एसपी से मुलाकात

डीसी और एसपी से की मुलाकात करने के बाद गो रक्षा दल के संगठन से जुड़े लोग।

मेवात। गोरक्षा दल से जुड़े आचार्य योगेंद्र की अगवाई में हिंदू समाज के लोगों ने मंगलवार को लघु सचिवालय नूंह पहुंचकर शक्ति सिंह उपायुक्त एवं नरेंद्र सिंह बिजारनिया पुलिस कप्तान से मुलाकात कर ईद उल अजहा के पर्व पर गोहत्या न होने देने की अपील की है।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान आचार्य योगेंद्र आदि हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों ने कहा कि ईद उल अजहा के पर्व पर मिठाइयां बांटकर गले मिलकर खुशी-खुशी मनाएं। साथ ही किसी जीव खासकर गाय की हत्या न करें। उन्होंने कहा कि कुरान पाक में कहीं नहीं लिखा कि ईद उल अजहा पर गाय या अन्य किसी जीव की कुर्बानी की जाए। उन्होंने कहा कि मेवात में कुछ मुट्ठी भर लोग हैं, जो चंद रुपये के लालच में आपसी सौहार्द खराब करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सौहार्दपूर्ण तरीके से त्योहार मनाना चाहिए। हिंदू समाज के लोगों ने कहा कि मेवात में हिंदू, मुस्लिम भाईचारा बेहतर है, लेकिन कुछ लोग गोहत्या आदि गलत काम करके खराब करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में गाय की हत्या करने पर गोवध अधिनियम के तहत सख्त कानून बना हुआ है। संत समाज का कहना है कि उन्होंने डीसी तथा एसपी से मेवात में गोहत्या नहीं होने देने की अपील की है। जिस पर दोनों अलग-अलग अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि गांव के सरपंच में मौजूद लोगों से बात कर गोहत्या नहीं होने दी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर इसके बावजूद गोहत्या करने वाले लोग नहीं माने तो कानूनी दायरे में रहकर उनका विरोध किया जाएगा। संत समाज व हिंदू समाज के लोगों ने कहा कि मेवात पवित्र धरती है। यह बृज की भूमि में आती है। इसलिए इस धरती से गोहत्या नहीं होनी चाहिए। कुल मिलाकर बकरीद के त्योहार को लेकर पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

संक्षिप्त समाचार

जिला उपायुक्त ने जिला वासियों को दी ईद उल अजहा की बधाई

नूंह। जिला उपायुक्त शक्ति सिंह ने जिला के लोगों को ईद उल अजहा की बधाई दी । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी लोग घर में रहकर ही ईद का त्योहार मनाएं और बाजारों में अधिक भीड़ न करें। उन्होंने कहा कि देश में कोरोना महामारी की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए हम सबको कोरोना से बचने के लिए सभी उपाय अपनाने होंगे। उन्होंने जिला के लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सब जिला के लोगों की जागरुकता का ही परिणाम है कि हम सभी मिलकर जिला को कोरोना की दूसरी लहर से बचाने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के कई हिस्सों से कोरोना संक्रमण के केस आने की लगातार खबरें आ रही हैं इसलिए हमें अभी और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी लोग वैक्सीनेशन करवाएं और स्वयं को और अपने परिवार को सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि घर से बाहर निकलने पर मास्क का प्रयोग करें और लगातार बार बार अपने हाथों को साबुन से धोते रहें।

गांव बेरी में फार्म हाउस मालिक को मिली जान से मारने की धमकी

तावडू। उपमंडल के गांव बेरी में एक फार्म हाउस मालिक को जान से मारने की धमकी देने व अभद्रता करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपीयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा। एयर वाइस मार्शल राकेश यादव निवासी डी 24 ए इनकलेव न्यू सराय नई दिल्ली ने बताया कि गांव बेरी तहसील तावडू में उसका एक कृषि फार्म है। फार्म हाउस की देखरेख व जमीन की काश्त के लिए उसने इसराइल निवासी गांव बेरी थाना तावडू को रखा हुआ था। आरोपी ने ईमानदारी से कार्य नहीं किया। इस वजह से नौ मई को उसे हटा दिया। उस दौरान आरोपी के पास खेती व बिजली बिल आदि लेन देन का करीब एक लाख 24 हजार 7 सो हजार रुपये का हिसाब बकाया था। जिन्हें आरोपी ने कुछ दिन बाद लौटाने के लिए कहा, कुछ दिन बाद जब आरोपी से रुपये देने के लिए कहा गया तो वह आनाकानी करने लगा और रूपये मांगने पर अंजाम भुगतने की धमकी देने लगा। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने उसके फार्म हाउस में गत 18 जुलाई को जबरन कब्जा करने की नियत से लकड़ियां डाल दी। फार्म हाउस की देखरेख कर रहे समसू निवासी जाफराबाद ने जब एतराज किया तो आरोपी इसराइल, मुसताक व सुलेमान ने उन्हें जान से मारने व अंजाम भुगतने की धमकी दी। पीड़ित राकेश यादव ने बताया कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। मोहम्मदपुर पुलिस चौकी इंचार्ज राकेश का कहना है कि मामले में पीड़ित के बयान पर आरोपी इसराइल, मुस्ताक व सुलेमान तीन नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर कार सवार दंपति से लूट

तावडू। क्षेत्र की सीमा से गुजर रहे गांव कलवाड़ी के नजदीक केएमपी सड़क मार्ग पर हथियार तानकर एक दंपति के साथ पांच अज्ञात बदमाश द्वारा लूट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अजय सिंह पुत्र चौ. जवाहर सिंह निवासी हाउस नंबर 328 यूटीआई हिसार ने बताया कि 20 जुलाई को रात के समय अपनी पत्नी विजेता के साथ कार द्वारा सागर मध्य प्रदेश से अपने घर हिसार जा रहा था। पीड़ित के मुताबिक जब वह केएमपी रोड पर कलवाडी गांव के समीप पहुंचे तो सड़क के बाई तरफ से एक व्यक्ति ने उनकी चलती गाड़ी में पत्थर फेंक कर मारा जिससे बहुत तेज आवाज आई। उन्हें लगा कि गाड़ी का टायर फट गया है। जिसके बाद गाड़ी रोकी तो सड़क के बाई तरफ से पांच नौजवान लड़के आए और एक ने उनके ऊपर देशी कट्टा तान कर कहा जो भी सामान है उन्हें देदे नहीं तो गोली मार देंगे। आरोप है कि इसके बाद दो लड़के गाड़ी के अन्दर घुस गये जिन्होंने उनका मोबाइल और पर्स छिन लिया। पर्स में चार एटीएम कार्ड, एक क्रेडिट कार्ड व एक हजार रुपये नगद थे। वहीं उनकी पत्नि विजेता का मोबाइल छीन लिया व उसका पासवर्ड भी ले लिया। इसके बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। पीड़ित अजय ने बताया कि सामने आने पर वह बदमाशों की पहचान कर सकता है। तावडू सदर थाना प्रभारी चंद्रभान सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले में पीड़ित की शिकायत पर पांच बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुटी है। जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर गिरफ्तार किया जाएगा।

जेसी बोस में 30 से पांच दिवसीय तकनीकी-डिजिटल उत्सव

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा 30 जुलाई से 5 अगस्त तक वार्षिक तकनीकी-डिजिटल उत्सव डिजी-फिएस्टा 2021: द एसेन्स ऑफ वर्चुअल वर्ल्ड का आनलाइन आयोजन किया जायेगा। इस फेस्टिवल का आयोजन विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल अफेयर्स सेल द्वारा किया जा रहा है। कुलपति प्रो दिनेश कुमार तथा कुलसचिव डॉ सुनील कुमार गर्ग ने डिजिटल फेस्ट की घोषणा पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह दिलचस्प आयोजन विद्यार्थियों के लिए उत्साहजनक वातावरण प्रदान करते है, जिसमें वे विभिन्न प्रकार के कौशल का निर्माण कर सकते हैं। विश्वविद्यालय हमेशा इस तरह के आयोजनों को प्रोत्साहित करता है। यूनिवर्सिटी कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल अफेयर्स की निदेशक डॉ. नीलम दुहन ने बताया कि डिजी-फिएस्टा का उद्देश्य देश की युवा प्रतिभाओं को एक मंच पर लाना है ताकि वे डिजिटल रूप से सोच सकें और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन कर सकें। विगत वर्ष देश भर के 10 से अधिक राज्यों से डिजी-फिएस्टा में 96 प्रतिभागी संस्थानों ने हिस्सा लिया था और विभिन्न प्रतियोगिताओं में 1500 से अधिक प्रविष्टियों प्राप्त हुई थी। इस बार डिजी-फिएस्टा 2021 में एक लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार मुख्य आकर्षण हैं।

जिले में अब तक एक लाख 26 हजार से अधिक लोगों का हुआ वैक्सीनेशन

नूंह। उपायुक्त शक्ति सिंह ने बताया कि जिले में वैक्सीनेशन के कार्य में तेजी आई है। उन्होंने बताया लोग अब काफी संख्या अपनी बारी आने पर वैक्सीनेशन करा रहे है। उन्होंने बताया कि कोविड टीकाकरण के निमित्त जन आंदोलन चलाया जाएगा।

जिला नूंह के सब सेंटर एरिया पर यह टीकाकरण किया जाना निश्चित हुआ है। उपायुक्त ने बताया कि जिले में आज 18 वर्ष या उसके अधिक आयु के 1640 व्यक्तियों को तथा एक लाख 30 हजार 513 लोगों को अब तक वैक्सीनेशन हो चुका है। उन्होंने बताया कि जिले में वैक्सीनेशन के लिए ष्भ्2द्यठ्ठ.द्दश1.द्यठ्ठ पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं, %पंजीकरण हेतु लाभार्थियों को अपने साथ आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर लाना अनिवार्य है। इच्छुक व्यक्ति ऑनलाइन अपने स्थान से भी निकटतम केंद्र पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। टीकाकरण केंद्रों की जानकारी के लिए आप स्वास्थ्य विभाग,जिला नूंह के हेल्पलाइन नंबर- 7082626686 से भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अन्य दिनों में यह कोवीड टीकाकरण जिले के छह स्वास्थ्य संस्थानों - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नूंह, पुन्हाना, तावडू एवं फिरोजपुर झिरका, सिविल अस्पताल मांडीखेड़ा, नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में नियमित लगाया जा रहा है। सभी सरकारी स्थानों में यह टीकाकरण मुफ्त है।

विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकीकरण के मूल्यों को विकसित करना है नवोदय विद्यालय का लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रबंध समिति की बैठक को संबोधित करते उपायुक्त शक्ति सिंह ।

उपायुक्त शक्ति सिंह ने कहा कि जवाहर नवोदय विद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों में प्रवास योजना के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण के मूल्यों को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विविधता में एकता की बेहतर समझ को बढ़ावा देने और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की समझ को विकसित करने और बढ़ावा देने के प्रयास किए जाते हैं।

उपायुक्त मंगलवार को कैंप ऑफिस कार्यालय में जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रबंध समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रबंध समिति के सदस्यों को कहा की विद्यालय में किसी भी बाहरी व्यक्ति के बिना आज्ञा के प्रवेश करने पर एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने समिति के सदस्यों को निर्देश दिए कि स्कूल की सभी इमारतों का नक्शा बनवाया जाए और यह बताया जाए कि स्कूल में बने कमरों का प्रयोग किस कार्य के लिए किया जा रहा है। उन्होंने स्कूल में आने वाले अभिभावकों के लिए हॉस्टल में मीटिंग शैड बनवाने को कहा और हॉस्टल की रि कारपेटिंग का कार्य करने को कहा। उन्होंने गर्ल्स हॉस्टल व बॉयज हॉस्टल में किए जाने वाले रि कारपेटिंग और रिनोवेशन के कार्य के लिए दो लोगों की कमेटी बनाने को कहा जो कि इस कार्य की मॉनिटरिंग करेगी। उन्होंने स्कूल प्रबंधन समिति को आदेश दिए कि कोरोना महामारी की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए स्कूल की सभी इमारतों को सैनिटाइजर करवाया जाए। उपायुक्त ने हॉस्टल के कमरों की साफ-सफाई व रसोई में बनाए जाने वाले खाने तथा लॉन्ड्री आदि के कार्यों पर नजर रखने के लिए 3 सदस्यीय समिति जिसमें दो अभिभावक व एक अध्यापक शामिल होगा की मॉनिटरिंग कमेटी भी बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद महावीर प्रसाद, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश गोरिया, सहित जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रिसिंपल व अन्य शिक्षक गण भी मौजूद है।

केएमपी टोल प्लाजा पर शांति भंग के आरोप में तीन दबोचे

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

उपमंडल के अंतर्गत केएमपी टोल प्लाजा पर सरेआम झगड़ा कर शांतिभंग करने के आरोप में पुलिस ने तीन को युवकों को काबू किया है। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान मुस्तफा, रमजान व जावेद निवासियान गांव शिकारपुर के रूप में हुई है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक मलखान ने गत सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि केएमपी टोल टैक्स के पास तीन लड़के आपस में झगड़ा कर रहे हैं। उनके पास पिस्टल भी है। जिस कारण सड़क पर आने जाने वाले राहगीरों की शांति भंग हो रही है और कोई बड़ा अपराध कर सकते है। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो केएमपी टोल प्लाजा धुलावट के नजदीक सड़क पर एक सफेद रंग की कार खड़ी थी और उसके पास तीन लड़के आपस में गुत्थम गुत्था होकर शोर शराबा कर रहे थे। जिससे सड़क पर आने-जाने वाले राहगीरों की शांति भंग हो रही थी। एक लड़के के पास खिलौना पिस्टल थी जो असली की तरह लग रही थी। पुलिस जवानों ने सभी को मौके से काबू करके नामपता पुछा तो जिसके पास खिलौना पिस्टल था उसने अपना नाम मुस्तफा, दुसरे ने रमजान और तीसरे ने अपना नाम जावेद बतलाया। जांच अधिकारी मलखान ने बताया कि सभी ने सडक मार्ग पर सरेआम झगड़ा करके राहगीरों की शान्ति भंग करके अपराध किया है। तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

पूरे जिले में नहीं आया कोई नया केस : शक्ति सिंह

नूंह। उपायुक्त शक्ति सिंह ने बताया कि जिले में लगातार कोरोना टैस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जिला उपायुक्त ने बताया कुल 779 लोगों का सैंपल लिया गया था।

जिसमें पिछले दिन की रिपोर्ट मिलाकर 461 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव पाए गए, इसके अलावा 463 रिपोर्ट्स का रिजल्ट आना अभी बाकी है और जिला उपायुक्त ने बताया कि पूरे जिले के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि आज कोई नया केस नहीं आया और कोरोना के चलते कोई मौत नहीं हुई हैं। जिले के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जिले का रिकवरी रेट 97.57 फीसदी तक पहुंच चुका है। जबकि पॉजिटिविटी रेट 0.00 फीसदी है। वहीं मृत्यु दर की बात करें तो पूरे जिले की मृत्यु दर 02.39 फीसदी से है। जिले के अगर कुल आंकड़ों की बात करें तो अब तक लगभग 298490 के करीब कुल सैंपल लिए गए हैं जिनमें से 290123 सैंपल नेगेटिव रहे और 4577 सैंपल पॉजिटिव पाए गए। इसके अलावा 2442 सैंपल का रिजल्ट आना अभी बाकी है तथा जिले में कुल दो केस है। जिला उपायुक्त ने कहा है कि अधिक से अधिक लोग आगे बढ़कर अपना कोरोना टेस्ट कराएं।

कल होगी जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक

नूंह। जिला उपायुक्त शक्ति सिंह ने बताया कि 22 जुलाई को जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता सहकारिता राज्यमंत्री डॉ बनवारी लाल करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि बैठक में पांच पुराने व नौ नए परिवाद रखे जाएंगे। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित शिकायत का जवाब अपने साथ स्वयं लेकर आएं ओर अपने किसी भी अन्य अधिकारी व कर्मचारी को न भेजे।

बिजली आपूर्ति बाधित होने से गुस्साईं महिलाओं ने बिजली दफ्तर पर किया हंगामा

एसडीओ -जेई पर फोन नहीं उठाने का आरोप

मामले में लिया जाएगा कड़ा संज्ञान : कार्यकारी अभियतां

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

बिजली नहीं पहुंचने पर रात को बिजली दफ्तर पहुंची महिलाएं।

नगर के वार्ड नंबर 10 व 11 में देर शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने से परेशान व गुस्साईं महिलाओं ने बिजली दफ्तर पहुंच विभाग के एसडीओ व जेई के खिलाफ रोष प्रकट करते हुए प्रदर्शन कर हंगामा किया। हद तो इस बात की है, महिलाओं के हंगामे की सूचना मिलने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी नाराज महिलाओं को समझाने नहीं पहुंचे।

करीब 2 घंटे बाद समस्या को लेकर परेशान महिलाओं ने विभाग के कार्यकारी अभियतां सोहना को फोन पर अवगत कराया, जिन्होंने शीघ्र बिजली सुचारू कराने का आशवाशन दिया। जिसके बाद महिलाएं लौट गई।

सपना, माया, पवन, गीता, सुनीता, रामरती, मोटो और शिवम गर्ग आदि महिलाओं ने बताया कि सोमवार अल सुबह बरसात के साथ बिजली गुल हो गई। देर शाम तक बिजली के दर्शन नहीं हुए। जिसकी वजह से पेयजल आपूर्ति भी बाधित हो गई और महिलाओं को पानी के लिए इधर उधर भटकने के लिए मजबूर होना पड़ा। बिजली न आने के कारण घरों में रखे इनवर्टर भी जवाब दे गए। देर शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल न होने पर मजबूरन परेशान महिलाएं समस्या को लेकर बिजली दफ्तर पहुंची, लेकिन वहां पर कोई अधिकारी नहीं मिला।

जब नाराज महिलाओं ने समस्या की बाबत विभाग के एसडीओ व जेई को फोन किया तो मोबाइल पर घंटी बजती रही, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। प्रदर्शन करने वाली महिलाओं का कहना था कि बरसात के समय क्षेत्र में बिजली आपूर्ति अक्सर बाधित हो जाती है, जबकि अन्य क्षेत्रों में ऐसा नहीं है। जबकि बिजली सुधारीकरण व बेहतर आपूर्ति के नाम पर शहर में करोड़ों की राशी खर्च की गई है।

इसके बावजूद कोई फायदा नहीं मिल रहा है। महिलाओं ने बताया कि एसडीओ व जेई के फोन नहीं उठाने व उपरोक्त समस्या को लेकर पर कार्यकारी अभियंता शिवराज चौहान सोहना से संपर्क किया। करीब 16 घंटे बाद बिजली आपूर्ति को बहाल किया गया।

लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी

बिजली आपूर्ति बाधित होने व महिलाओं के प्रदर्शन करने व संबधित अधिकारियों के फोन नहीं उठाने के बारे में कार्यकारी अभियंता शिवराज चौहान सोहना का कहना है कि इस मामले में कड़ा संज्ञान लिया जाएगा। उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान करना व बिजली सुचारू रूप से उपलब्ध कराना ये निगम अधिकारियों व कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। इस तरह की लापरवाही कतई बर्दास्त नहीं की जायेगी।

दमदमा झील में पानी आने से गांवों का जल स्तर बढ़ने के आसार

दमदमा झील बरसात के पानी से हुई लबालब।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

दमदमा झील में पानी आने से ग्रामीणों के चेहरे खिले। ग्रामीणों को गिरते भूजल स्तर में बढ़ोतरी होने के आसारर नजर आने लगे हैं। दमदमा झील में आए पानी ने 25 साल का रिकार्ड तोड़ा। रविवार और सोमवार को हुई भारी से जहां जनजीवन प्रभावित हुआ।

वहीं दमदमा झील 25 वर्ष के बाद पानी से लबालब होने से ग्रामीणों के चेहरे खिल गए। झील से लगते गांव अभयपुर, दमदमा, गढ़ीबाजीदपुर, खेड़ला, दौला, सिरसका, लोहटकी आदि में गिरते भूजल स्तर गिरता जा रहा है। जिससे इन गांवों में पेयजल संकट छाया हुआ है, लेकिन झील में पानी आने से ग्रामीणों को गिरते भूजल स्तर बढ़ने की पूरे-पूरे आसार हो गए हैं।

झील किनारे बना हरियाणा टॅरिज्म निगम का सारस पर्यटन स्थल के प्रभारी सत्यप्रकाश ने बताया कि पर्यटक आने से उनका कारोबार भी फलवंत होगा। लॉकडाउन काल से ही यहां पर्यटक कम संख्या में आ रहे हैं, लेकिन झील में नौकायान करने वाले आने वाले पर्यटकों से उन्हें भी लाभ होगा। झील में पानी आने से यहां आने वाले पर्यटक नौकायान का आनंद ले सकेंगे।

झील में पानी न होने से पर्यटक बिना नौकायान किए भारी मन से लौट जाते थे, लेकिन उन्हें अब नौकायान करने में पुरा लुफ्त उठाने में आनंद आएगा। यहां के निवासी सतबीर ने बताया कि 15 अगस्त, होली, दीवाली, 26 जनवरी, एक जनवरी आदि त्योहारों पर पर्यटक झील पर नौकायान करने के लिए आते रहे हैं।

पायनियर क्लासीफाइड

◆नाम परिवर्तन◆

मैं, वीरेन्द्र सिंह पुत्र रणबीर सिंह निवासी मकान न.65, गली न.1, वार्ड न.2, नजदीक शिव मन्दिर, शक्ति पुरम, कुंजपुरा रोड़, करनाल बयान करता हूं कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम गलती से वीरेन्द्र कुमार लिखा हुआ है। परन्तु मेरा सही नाम वीरेन्द्र सिंह है। कृपया मेरे ड्राइविंग लाइसेंस मेरा नाम वीरेन्द्र सिंह किया जाए।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए
कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

पिगासस प्रकरण

जांच की आवश्यकता

जासूसी मामला सामने आ गया है। फेसबुक ने 2019 में दावा किया था कि इस्राइली साइबरवीपेन्स कंपनी एनएसओ ग्रुप ने एक स्पाईवेयर पिगासस विकसित किया है जिसका प्रयोग भारतीय वकीलों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए हो रहा है। इस रविवार पिगासस प्रकरण सामने आया जिसके अनुसार भारतीयों के एक और समूह को निशाना बनाया गया था जिसमें पत्रकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता, राजनेता तथा संभवत: एक वर्तमान जज शामिल थे। सरकार ने इस मामले में अपनी किसी भूमिका से इनकार किया है। एलेक्ट्रानिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि यह रिपोर्ट न केवल 'तथ्यों से रहित है, बल्कि पूर्व-निर्धारित नतीजों पर आधारित है'। संसद में विपक्ष द्वारा मचाए बवाल के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि यह जासूसी रिपोर्ट 'बाधा डालने वाले व विघटनकारियों' ने तैयार की है। नवीनतम खुलासा संसद का मानसून सत्र शुरू होने के समय सामने आया जिसके अनेक कारणों से पहले ही हंगामी होने की उम्मीद थी। विपक्ष ने इस जासूसी रिपोर्ट के लिए सरकार को जिम्मेदार बताते हुए जांच की मांग की है। निश्चित रूप से संदेह दूर करने के लिए जांच होनी चाहिए, नहीं तो इस प्रकार के आरोप स्वाभाविक रूप से भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा बन जाएंगे। केवल गंभीर जांच से वे संदेह दूर किए जा सकते हैं जिनको जासूसी रिपोर्ट ने उठाया है। एनएसओ ग्रुप ने दो चीजों का दावा किया है। पहला, वह पिगासस अधिकृत सरकारी एजेंसियों को देती है। दूसरा, स्पाईवेयर देने के लिए इस्राइली रक्षा मंत्रालय की सहमति जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि इस्राइल पिगासस को एक हथियार मानता है। इससे यह भी संभावना पैदा होती है कि जासूसी के पीछे किसी विदेशी एजेंसी का हाथ है।

इस मामले की भारत में जांच के साथ ही एक वैश्विक जांच भी होनी चाहिए क्योंकि अन्य स्थानों पर भी इसका प्रयोग हुआ है। सरकारी एजेंसी द्वारा स्पाईवेयर प्राप्त करने की प्रक्रिया से पता चलेगा कि कौन सी एजेंसी इसे किस उद्देश्य से चाहती थी। इससे किसी संभावित बिचौलिये का भी पता चल सकता है। ऐसे दावे और प्रतिदावे हैं कि इस निगरानी साफ्टवेयर का एक दक्षिण अमेरिकी देश में कैसे प्रवेश हुआ। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भविष्य में ऐसे स्पाईवेयर प्रयोग करने वाले देशों के लिए एक पारदर्शी प्रक्रिया बनानी चाहिए। दुनिया में निगरानी और हस्तक्षेप उद्योग का विकास हुआ है। इस्राइल की अनेक कंपनियां इस बिजनेस में शामिल हैं। भारत में पिगासस प्रकरण को जल्दी से भुलाया नहीं जाना चाहिए। यह असाधारण संयोग है कि एनआईए द्वारा एलगार परिषद मामले में गिरफ्तार एक्टिविस्टों, उनके परिवारी सदस्यों तथा वकीलों के फोन नंबर लीक हुए डेटाबेस में शामिल हैं। पत्रकारों की निगरानी 2018 और 2019 आम चुनाव के बीच की गई। जासूसी हमारे देश में नई बात नहीं है। राजस्थान और गुजरात सरकारों पर फोन टैपिंग के आरोप लगे थे। 2011 में केन्द्रीय वित्त मंत्री के कार्यालय दावा किया था कि उसकी बगिंग की गई है जिससे तत्कालीन केन्द्र सरकार हिल गई थी। भारत में लोगों की निगरानी की एक कानूनी व्यवस्था है और आधिकारिक रूप से उनकी जांच हो सकती है। ऐसे में पिगासस प्रकरण ज्यादा खतरनाक व परेशान करने वाला बन जाता है।

किसान प्रदर्शनकारियों की जिम्मेदारी

केंद्रीय कानून वापस लेने की मांग अनावश्यक है। वे किसानों के लिए अनेक विकल्प खोलते हैं जिनका लाभ अधिक कीमतें पाने के लिए उठाया जा सकता है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

हालांकि, केंद्र सरकार ने जनवरी, 2021 में तीन कृषि कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी और उम्मीद थी कि सर्वोच्च न्यायालय एक सद्भावपूर्ण माहौल बना सकेगा जिसमें प्रदर्शनकारी किसान वार्ता की मेज पर आ कर उचित समझौता कर सकेंगे। लेकिन यह उद्देश्य पूरा नहीं हो सका क्योंकि कुछ किसान संगठन कानून 'वापसी' की जिद पर अड़े हुए हैं। इसके साथ ही एक और मांग की गई है कि सरकार संसद द्वारा पास एक कानून के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी की गारंटी करे। एमएसपी का अर्थ किसी किसान द्वारा अपने उत्पाद की बिक्री की न्यूनतम कीमत प्राप्त करना है। इस मूल्य का निर्धारण कृषि लागत एवं मूल्य आयोग-सीएसीपी करता है जो कृषि मंत्रालय की एजेंसी है। इस निर्धारण में उत्पादन की लागत, जमीन का मूल्य तथा किसानों की मेहनत शामिल है।

केंद्र हर साल संबंधित फसली मौसम के पहले 23 फसलों का एमएसपी तय करता है। खरीफ की फसल अप्रैल-सितंबर तथा रबी की अक्टूबर-मार्च में होती है। एमएसपी मुख्यत: गेंहू व धान पर लागू होता है। भारतीय खाद्य निगम-एफसीआई जैसी सरकारी एजेंसियां सार्वजनिक वितरण प्रणाली-पीडीएस की जरूरतें पूरी करने के लिए इनकी खरीद करती हैं तथा इसे सस्ती कीमत पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून-एनएफएसए के लाभार्थियों को प्रदान करती हैं। ये एजेंसियां किसानों द्वारा बिक्री के लिए लाया सारा उत्पाद नहीं खरीदती हैं। धान व गेंहू के कुल उत्पाद का लगभग 33 प्रतिशत खरीदा जाता है।

अन्य चीजों के लिए यह खरीद बहुत कम है। जहां तक किसानों की संख्या का सवाल है, 150 मिलियन किसानों में से केवल 8 प्रतिशत ही अपना उत्पाद एजेंसियों को बेच पाते हैं। बाकी उत्पाद निजी व्यापारी खरीदते हैं जो गेंहू का लगभग 67 प्रतिशत तथा धान का इससे भी अधिक हिस्सा खरीदते हैं। यह खरीद अनेक मामलों में एमएसपी से काफी कम कीमतों पर होती है। यही समस्या का कारण है।

किसानों के गुस्से का यही सबसे बड़ा कारण है जिससे वे निजी व्यापारियों समेत अपने सारे उत्पाद की खरीद कानूनी रूप से एमएसपी पर करने का दबाव डाल रहे हैं। एमएसपी की गारंटी करने वाले कानून या किसी अन्य विकल्प पर गौर करने के पहले हमें यह समझने की आवश्यकता है कि किसानों को निजी व्यापारियों से कम कीमत क्यों मिलती है। वर्तमान समय में किसानों को अपना उत्पाद मंडी में लाना पड़ता है जिसकी घोषणा राज्य सरकारें अपने संबंधित कृषि उत्पाद बाजार समिति-एपीएमसी कानून के अंतर्गत करती हैं। वे अपना उत्पाद किसी अन्य स्थान पर नहीं ले जा सकते हैं। यदि कोई किसान ऐसा करता है तो उसका वाहन कानून के उल्लंघन में रोका जा सकता है। कोई खरीदार किसान के दरवाजे से भी उसका उत्पाद नहीं खरीद सकता है।

इतने कठोर नियंत्रण के कारण थोड़े से प्रभावशाली अमीर किसानों को छोड़ कर बहुसंख्य किसान अढ़तियों की दया पर निर्भर होते हैं। वे स्थानीय स्तर पर नीलामी की व्यवस्था कर इसे ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। ये अढ़तिये या स्थानीय कमीशन एजेंट खरीदारों से गठजोड़ कर सुनिश्चित करते हैं कि किसानों को यथासंभव कम पैसा मिले। इसके साथ ही अढ़तियों को 2.5 प्रतिशत कमीशन, 3 प्रतिशत बाजार फीस तथा पंजाब में 3

वर्तमान समय में किसानों को अपना उत्पाद मंडी में लाना पड़ता है जिसकी घोषणा राज्य सरकारें अपने संबंधित कृषि उत्पाद बाजार समिति-एपीएमसी कानून केअंतर्गत करती हैं। वे अपना उत्पाद किसी अन्य स्थान पर नहीं ले जा सकते हैं। यदि कोई किसान ऐसा करता है तो उसका वाहन कानून के उल्लंघन में रोका जा सकता है।

प्रतिशत ग्रामीण विकास उपकर-आरडीसी भी किसानों की मुसीबतें बढ़ाते हैं। किसानों के पास इस दुष्चक्र से मुक्ति पाने का एकमात्र रास्ता यही है कि उनको अपना उत्पाद बेचने के लिए एपीएमसी मंडियों के अलावा अन्य विकल्प मिलें। कृषि उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य प्रोत्साहन व सुविधा कानून, 2020 ठीक यही करना चाहता है। वे अपना उत्पाद बेचने के लिए निजी बाजार जा सकते हैं या उसे अपने दरवाजे से बेचने के लिए प्रसंस्करणकर्ता, एकत्र करने वाले, बड़े खुदरा व्यापारी या निर्यातक आदि से अनुबंध कर सकते हैं। इसके अलावा किसानों को मजबूत करने के लिए कृषि उत्पादक संगठन-एफपीओ बनाए गए हैं जो एफपीओ बैनर तले अपना उत्पाद बेच सकते हैं।

यह भय निराधार है कि बड़े किसान इसका लाभ उठाएंगे। मूल्य गारंटी व कृषि सेवा कानून, 2020 के अंतर्गत होने वाले किसान सशक्तीकरण व संरक्षण समझौते द्वारा होने वाली ठेका खेती के अनुबंध से किसान किसी समय बाहर निकल सकता है, पर फर्म ऐसा नहीं कर सकती है। इसमें न्यूनतम गारंटी कीमत की सुरक्षा दी गई है जो एमएसपी के बजाय किसान व फर्म द्वारा परस्पर निर्धारित कीमत है। खुले बाजार में कीमतों में भारी गिरावट होने पर भी किसान को समझौते पर हस्ताक्षर के बाद उसे अनुबंध वाली कीमत मिलती है। इसके साथ ही किसान अपना पक्ष बदल सकता है। यदि उसे लगता है कि फर्म उसे उचित कीमत नहीं दे रही है तो उसके पास एपीएमसी मंडी में अपना उत्पाद बेचने का विकल्प बना रहता है। इस व्यवस्था के अंतर्गत सभी किसान वर्तमान की तुलना में बेहतर कीमत प्राप्त कर सकेंगे जिसमें छोटे व सीमान्त किसान शामिल हैं। बाजार की गतिशीलता के आधार पर उनको एमएसपी से अधिक कीमत भी मिल सकती है। इसके बावजूद इस बात पर जोर देना आश्चर्यजनक है कि उनसे जो भी खरीदे वह एमएसपी दे तथा सरकार इसकी गारंटी करे। यह व्यवस्था कारगर न होने के तीन कारण हैं। पहला, निजी उद्यमियों को एक खास कीमत, यानी एमएसपी पर खरीदने को बाध्य करने से वे हतोत्साहित होंगे। कोई व्यापारी ऐसा व्यापार क्यों करना चाहेगा जिससे उसे जेल जाने की आशंका हो।

अगस्त, 2018 में महाराष्ट्र की तत्कालीन देवेंद्र फडनवीस सरकार ने महाराष्ट्र कृषि उत्पाद बाजार विकास एवं विनियमन कानून, 1963 में एक संशोधन कर कृषि उत्पाद को आधिकारिक एमएसपी से नीचे खरीदने को आपराधिक कृत्य बना दिया था। भारी विरोध के बाद यह प्राविधान छोड़ना पड़ा। वर्तमान महाविकास अघाड़ी सरकार से केन्द्रीय कानूनों में यह प्रस्ताविक संशोधन लागू करने की मांग केवल राजनीतिक लाभ के लिए हो रही है। दूसरा, इस गारंटी के अंतर्गत केन्द्र को बिक्री के लिए आया किसानों का सारा उत्पाद खरीदना पड़ेगा। वर्तमान खरीद स्तर पर भी एफसीआई के पास भंडारण के लिए समुचित स्थान नहीं है। यदि एजेंसियों को किसानों का सारा उत्पाद खरीदना पड़े तो उसे वे कहां रखेंगी। वर्तमान कीमतों पर खाद्य सब्सिडी पर खर्च 5,00,000 करोड़ से अधिक है। ऐसे में प्रस्तावित संशोधन की स्थिति में केन्द्र को अपना सारा कर व गैर-कर राजस्व केवल किसानों की सहायता पर खर्च करना होगा। तीसरा, किसानों के सभी उत्पादों के लिए एमएसपी विश्व व्यापार संगठन के अंतर्गत 'प्रतिबंधात्मक' सब्सिडी में आएगा। ऐसा होने पर भारतीय सब्सिडी 10 प्रतिशत की सीमा से बहुत अधिक होगी।

यह डब्लूटीओ के कृषि समझौते का उल्लंघन होगा और इस कारण अन्य सदस्य देश दंडात्मक कार्रवाई कर सकते हैं। इस भयानक परिणाम को देखते हुए एमएसपी पर गारंटी असंभव है। किसानों को इस पर जोर नहीं देना चाहिए। केन्द्रीय कानूनों की वापसी की मांग अनावश्यक है। इन कानूनों से किसानों को अनेक विकल्प मिलते हैं जिनसे उनको बेहतर कीमतें मिल सकती हैं। भले ही वे फौरन एमएसपी के स्तर पर न पहुंच सकें, पर उनकी स्थिति वर्तमान की तुलना में बेहतर होगी। बाजार की गतिशीलता को देखते हुए कुछ साल में वे ज्यादा लाभ कमाने की ओर बढ़ सकंगे। अब गेंद किसानों के पाले में है।

समान नागरिक संहिता पर विचार

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

कुछ लोग एक समय चार औरतों से विवाह करने के अधिकार पर जोर दे सकते हैं। यदि वे और ज्यादा विवाह करना चाहें तो एक मौजूदा पत्नी को तलाक दे कर पांचवी औरत से विवाह कर सकते हैं। उनकी इस जिद के साथ उनका कानून इस बात पर भी जोर देता है कि यदि किसी की संपत्ति चुराते हुए पकड़ा जाए तो दंड के रूप में ऐसा करने वाले का हाथ काट देना चाहिए। ऐसी मांग करने वालों के लिए मेरी प्रतिक्रिया यही होगी कि 'बिल्कुल नहीं, लार्ड मैकाले द्वारा प्रदान की गई भारतीय दंड संहिता इस मामले में दंड देने के लिए काफी है।' यदि मामला विवाह और तलाक का न हो तो 1950 का संविधान तथा अन्य सभी कानून स्वीकार्य हैं। हमारे राष्ट्रीय संविधान का अनुच्छेद 30 किसी को उसके धर्म का पालन करने की अनुमति देता है। लेकिन देश के कुछ लोगों के लिए यह स्थिति अपनी विजय तथा दूसरों को नीचा दिखाने वाली हो सकती है। इसी कारण मैं गोवा राज्य में नहीं रहता जहां केवल एक नागरिक कानून लागू होता है। इससे कुछ बिगड़े लोगों को विशेषाधिकार नहीं मिलने पाते हैं। वास्तव में हमारे देश के अन्य सभी कानून तार्किक और सही हैं। विभाजन की घोषणा होने पर मेरे बाबा ने फैसला किया कि हमें पाकिस्तान जाने के बजाय भारत में रहना चाहिए। जब मैं बड़ा हुआ तो मेरे बाबा ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के बजाय हिंदुस्तान को क्यों चुना।

यहां जवाहरलाल नेहरू और उनके बाद उनकी बेटी के सत्ता में आने के बाद कुछ लोगों को खास तबके के रूप में विशेष व्यवहार की उम्मीद थी। इसका कारण यह है कि ये महान व्यक्ति वास्तव में सांस्कृतिक रूप से मुस्लिम थे। यह स्थिति यहां तक थी कि तत्कालीन इलाहाबाद और वर्तमान प्रयागराज से जारी उनके विवाह आमंत्रण पत्र को उर्दू भाषा में छापा गया था। उनको मुस्लिम तबके का वोट भी चाहिए था क्योंकि कट्टर हिंदू उनके पास आने के बजाय जनसंघ को पसंद करते। निसंदेह संविधान के अनुच्छेद 44 के अनुसार एक समान नागरिक संहिता-यूसीसी की आवश्यकता थी जो महिला अधिकारों को भी संरक्षण दे। लेकिन मेरे बाबा ने मुझे आश्वस्त किया था कि हम जब तक चाहें इस कानून

को ठंडे बस्ते में पड़ा रहने दिया जाएगा। वास्तव में ऐसा हो भी रहा था, लेकिन नेहरू के पड़पोते राजीव गांधी ने मुस्लिम महिला कानून पास करने की भयानक गलती कर दी। शाहबानो को भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने लगभग 500 रुपये महीना भत्ता देने का आदेश दिया था। इस प्रकरण की स्मृति बहुत लंबे समय तक न चलती, पर वास्तव में नौकरशाह रहे सैयद शहाबुद्दीन जैसे नेताओं ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। इसके बाद कभी अयोध्या न जाने वाले उनके जैसे नेताओं ने बाबरी मस्जिद पर कठोर दृष्टिकोण अपनाया। वास्तव में यह मस्जिद के बजाय एक मकबरा थी। पहला, बाबर की मौत से मुश्किल से दो साल पहले मीर बाकी ने मंदिर गिरवाना शुरू किया था। बाबर के बाद बाकी एक मामूली शिया रह जाता। इसलिए उसने दावा किया कि इसका निर्माण बाबर की स्मृति में किया गया है। यदि यह मस्जिद थी तो इसमें वजू का स्थान और इसका मिंबर कहां था? जब हिंदुओं ने पहले उसके बाहर एक चबूतरे पर और बाद में भीतर पूजा करनी शुरू की तो मुसलमानों ने क्या किया? मुस्लिम नेताओं ने केवल हिंदुओं को अपनी गतिविधियों से जागरूक और उत्तेजित कर दिया। इसके बाद सत्ता में पहले अटल बिहारी वाजपेयी और बाद में नरेन्द्र मोदी आए जो अनुच्छेद 44 तथा समान नागरिक संहिता के प्रति प्रतिबद्ध हैं। मेरे बाबा के विचार से यदि कोई विरोध न होता तो बाबरी मस्जिद मामला तूल न पकड़ता और उससे उत्तेजना न भड़कती। क्या किसी ने गौर किया है कि मुस्लिम शरीया महिलाओं को नियंत्रित करने या उनके प्रति प्रतिरोधक का काम करता है? यह विवाहित मुस्लिम महिलाओं के लिए एक छिपी हुई दुधारी तलवार की तरह है जो मुस्लिम समुदाय में शांति और संतुलन बनाए रखता है। पैगबंर मुहम्मद ने आदेश दिया था और मुस्लिम समुदाय इसका पालन करता है कि अपने समुदाय का विस्तार किया जाए। इससे मुसलमानों को तीसरा लाभ यह हुआ कि वे एकजुट बने रहे। गौर करें कि इसके उलट यहूदियों और ईसाइयों का क्या हुआ जिनकी संख्या घट गई। पश्चिम में उन्होंने उस ईश्वर में दिलचस्पी लेना छोड़ दी जिसने उनके लिए क्रूस पर चढ़ कर अपनी जान दे दी थी। केवल मुस्लिम विश्वास ने ही लगातार अपने समुदाय की जनसंख्या बढ़ाई है। अब समान नागरिक संहिता आने के बाद जनसंख्या वृद्धि के रूप में लाभ समाप्त हो जाएगा। दुनिया के अनेक देश हैं जिनमें जनसंख्या की पूंजी घट रही है। इसका उदाहरण जापान है। वहां ज्यादा बच्चे नहीं पैदा होते हैं और न वह प्रवासियों को अनुमति देता है। मैंने सुना है कि आने वाले सौ साल में वहां कोई नहीं बचेगा। कहा जाता है कि लोकतंत्र सेक्युलरवाद व कानून में समानता के बिना काम नहीं कर सकता है। इसके साथ ही संविधान सभी नागरिकों को समानता की गारंटी देता है। लेकिन इस बात पर गौर करें कि मुस्लिम समाज बिना किसी लोकतंत्र के फला-फूला, हालांकि उनमें समान कानून थे। वास्तव में भारत में लोकतंत्र उसकी स्वतंत्रता के बाद आया और वह दारुल हर्ब यानी ऐसी भूमि बन गया जहां इस्लाम का शासन नहीं था। 1858 तक मुगल बहादुर शाह जफ़र इसके बादशाह थे जिनको बाद में सजा देकर देशनिकाला दे दिया गया। उस समय तक भारत दारुल इस्लाम था। इसके बावजूद अनेक लोग किसी भी सीमा तक जाकर इस विषय पर नेहरू का संदर्भ देते हैं। 1955 में हिंदू कोड बिल कानून बना। लोकसभा में एक सदस्य के सवाल का जवाब देते हुए नेहरू ने संसद से कहा था, 'हां, हम चाहते हैं कि एक नागरिक संहिता सब पर लागू हो, पर विवेक इसमें बाधा बनता है। यदि ये सदस्य या कोई और नागरिक संहिता लाता है तो उसके साथ मेरी भारी हमदर्दी होगी। लेकिन मैं यह स्वीकार करना चाहता हूं कि वर्तमान समय में भारत के लिए ऐसा करना और इसे आगे बढ़ाना ठीक नहीं है। मैं इसके लिए आधार तैयार करना चाहता हूं।'

आप की बात

पाक में अशोभनीय घटना

दोनों देशों में अपनी नीति रीतियों व सम्बन्धों के सामंजस्य से मतभेद उभरना स्वभाविक है। परन्तु इंसानियत व मानवता व मानवीय गुणों की अनदेखी कर अमानवीय करण की पृवत्ति को जन्म देना निंदनीय व शर्मनाक माना जाता है। वाकया है पाक व अफगान के बीच तनावपूर्ण संबधों के चलते पाक में अफगानिस्तान के राजदूत की बेटी के अपहरण की घटना का। इसमे कोई दो मत नही पाक व अफगानिस्तान के बीच तनाव जारी है। परन्तु मतभेदों को नष्ट करने का यह तरीका तो सामाजिक तौर पर बिल्कुल जायज नही। पाक में इस तरह की अशोभनीय घटना विश्व मे अन्य देशों को क्या संदेश देगी विचारणीय व चिन्तनीय है। समाचार पत्रों से ज्ञात समाचार के आधार पर बेटी के अपहरण के बाद प्रताड़ना की खबरे सभ्यता व मानवता को कलंकित करती है। क्या अपहरण की घटना को अंजाम देकर समस्या का हल हो गया? उस बेटी का क्या कसूर जो दोनो देशों के मतभेदों का शिकार बनी? सामान्य तौर पर अपहरण की घटनाएं गावों ,नगरों , महानगरों में होती है तो निदा , भर्त्सना की जाती है। मानवता व इंसानियत को कलंकित करने की बजाय दोनो देश अपने मतभेदों को बैठकें आयोजित कर के भी खत्म कर सकते हैं।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

संसद में हंगामा

सोमवार को संसद के मानसून सत्र की शुरुवात शोरशराबा, हंगामा और अमर्यादित आचरण से हुई। आश्चर्य की बात दोनो सदनों में चली आ रही परम्परा के अनुसार नए मंत्रियों का परिचय प्रधानमंत्री कराते है, लेकिन उन्हें हंगामा कर रोक गया और दोनो सदनों के सभापति सदन में शांति बनाए रखने के लिये चिल्लाते रहे। सदस्यों द्वारा पोस्टर बैनर लहरा कर हंगामा मचाया गया। आखिर में दोनो सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। सरकार और देश के प्रबुद्ध लोगो को सदनों में, संसद और विधानसभाओं में हंगामा और अमर्यादित आचरण को रोकने की ओर ध्यान देना चाहिये जो फैशन बन गया है। इसका प्रभाव हमारे देश के भावी नागरिको पर पड़ रहा है। जो देख रहे है। सांसद और विधायक बनने पर सदन से सड़क तक अनुशासनहीनता करने का प्रमाणपत्र उनको मिल जाता है। इसलिये इसका सजीव प्रसारण टेलीविजन पर बंद कर दिया जाए। हमारा संविधान विदेशी संविधान की नकल करके बनाया गया है। आज विदेशों में सदन की कार्यवाही के सफल संचालन के लिये संविधान में संशोधन कर दिया गया है। वहां सदन में सारा कार्य मर्यादित ढंग से होता है। हंगामा करने की हिम्मत कोई सदस्य नही करता।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

पंजाब कांग्रेस का संकट

नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब कांग्रेस का नया अध्यक्ष बना कर भले ही गांधी परिवार ने चैन की सांस ले ली हो लेकिन इस से ना ही संकट टला है और ना ही सिद्धू और अमरिंदर सिंह खेमों के बीच सुलह ही हुई है। अब जबकि अगले चुनाव कुछ महीने दूर हैं तो ऐसे मे जब टिकट बंटवारे का मुद्दा सामने आएगा तो कांग्रेस मे ध्रुवीकरण साफ साफ दिखाई देगा और इसका नुकसान पार्टी को उठाना पड़ सकता है। इसमे को भी दो राय नहीं हैं की कैप्टन अमरिंदर सिंह ही पंजाब मे कांग्रेस के सबसे बड़े नेता हैं और सबसे बड़ा दांव हैं। उन्ही के कंधे पर कॉंग्रेस पार्टी एक बार फिर सत्ता पर काबिज होने के सपने देख सकती है। सिद्धू उनके मुक़ाबले उस स्तर के नेता नहीं है, अमरिंदर सिंह का कद इसलिए भी बड़ा है क्योंकि आज अगर कांग्रेस अपने दम पर केवल 3 राज्यों मे सत्ता चला रही है तो उसमे से एक पंजाब भी है। बेहतर होता की गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी दोनों को आमने सामने बैठाकर बातचीत से हल निकाल लेती ताकि चुनावों मे दोनों धड़े एक साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए दिखाई देते।

– **बाल गोविंद**, सेक्टर44, नोएडा

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

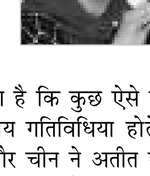

पिगासस खुलासे घृणास्पद हैं। यदि ये सच हैं तो मोदी सरकार ने निजता के अधिकार पर गंभीर व कुटिलतापूर्ण हमला किया है।

– **प्रियंका वाड्रा**
कांग्रेस नेता

हमे पता है कि कुछ ऐसे तत्व हैं जो पाकिस्तान मे विकासीय गतिविधिया होते देखना नहीं चाहते हैं। पाक और चीन ने अतीत में चुनौतियों का मिलकर मुकाबला किया है।

– **शाह महमूद कुरेशी**
पाक विदेश मंत्री

ब्राह्मणों को पुन: जागरूक करने के लिए हमारी पार्टी द्वारा 23 जुलाई से अयोध्या से एक अभियान छेड़ा जाएगा।

– **मायावती**
बसपा सुप्रीमो

पायनियर
हरियाणा, बुधवार, 21 जुलाई, 2021

भारत की सिख बेटी डॉ. बंधनप्रीत कौर बनी मानवता की मिसाल : अनुराधा भार्गव

गुरु तेग बहादुर ब्रिगेड ने डॉ. बंधनप्रीत कौर को 11 हजार रुपये और सिरोपा किया भेंट

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

वास्कोडिगामा गोवा में इंसानियत का पैगाम दे रही कश्मीर निवासी डॉ. बंधनप्रीत कौर को श्री गुरु तेग बहादुर ब्रिगेड करनाल की राष्ट्रीय अध्यक्षा एडवोकेट अनुराधा भार्गव ने 11 हजार रुपये और सिरोपा पहना कर सम्मानित किया है। इतना ही नहीं, श्री गुरु तेग बहादुर ब्रिगेड ने पीएफए संस्था में रह रहे कुत्तों और बिल्लियों के लिए राशन के रूप में चावल, प्रडिग्री, बिस्किट आदि भी दान किए हैं।

उल्लेखनीय है कि डॉ. बंधनप्रीत कौर ने जब से होश संभाला है, तभी से वे कुत्तों और बिल्लियों की सेवा में लगातार कार्यरत हैं। उनका मानना है कि हर राज्य में एक ऐसा शैल्टर खोला जाए, जहां बेसहारा, लाचार, भूखे, जख्मी कुत्ते और बिल्लियों की सेवा की जाए। डॉ. बंधनप्रीत कौर ने देशवासियों से अपील की कि वे अपने आसपास के कुत्ते-बिल्लियों को रोटी जरूर दें, क्योंकि उनमें भी उसी ईश्वर की दी हुई सांस होती है, जिसने हमें सांस दी है। उन्होंने कहा कि कुत्तों और बिल्लियों को खरीदे नहीं, बल्कि गोद लीजिए, ताकि उनको बच्चों की तरह ही प्यार किया जा सके और उनसे कोई भी भेदभाव न करें। डॉ. बंधनप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें बड़ा दुख होता है, जब कुछ लोग अपने घरों के बाहर बैठे कुत्ते को डंडा मार कर भगा देते हैं। श्रीगुरु तेग बहादुर ब्रिगेड करनाल की राष्ट्रीय अध्यक्षा एडवोकेट अनुराधा भार्गव ने बताया कि भारत वर्ष एक ऐसा देश है, जहां विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं और धर्म की रक्षा करने के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं। वहीं सिख समाज सदैव मानवता के लिए कार्यरत रहता है। इसी का एक जीता जागता उदाहरण डॉ. बंधनप्रीत कौर है। उन्होंने ब्रिगेड की तरफ से डा. बंधनप्रीत कौर को 11 हजार रुपये इनाम और सिरोपा भेंट किया, जबकि पीएफए संस्था की डायरेक्टर लक्ष्मी को भी सिरोपा भेंट कर प्रोत्साहित किया। एडवोकेट भार्गव ने बताया कि डॉ. बंधनप्रीत कौर ने समाज को एक नया आईना दिखाया है कि यदि मनुष्य की सेवा करना सर्वोत्तम धर्म माना गया है, तो बेजुबान जीवो की सेवा करना भी हमारा परम कर्तव्य है।

भूखे, जख्मी कुत्ते और बिल्लियों की सेवा करतीं डॉ. बंधनप्रीत कौर।

प्लांट की दीवार ट्रांसफार्मर पर गिरने से बिजली गुल

सोमवार को भी ट्रांसफार्मर की चपेट में आकर कबाड़ बीनने वाले युवक को चोट लगी थी

रणबीर रोहिल्ला। सोनीपत

भारी बरसात के कारण बहालगढ़ रोड पर ड्रेन नंबर छह के साथ वीटा मिल्क प्लांट की दीवार ट्रांसफार्मर पर गिरने के कारण सोमवार से आसपास के इलाके की बिजली गुल है। बिजली विभाग के अधिकारियों की आपसी खींचतान के कारण बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया। दुकानदारों द्वारा टेलीफोन पर सूचना देते ही मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन मौके पर पहुंचे और बिजली निगम के कनिष्ट अभियंता विक्रम सिंह को बुलाकर ट्रांसफार्मर चालू करने के निर्देश दिए। दुकानदारों ने राजीव जैन को बताया कि सोमवार को भी ट्रांसफार्मर की चपेट में आकर कबाड़ बीनने वाले एक युवक को चोट लग गई थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रांसफार्मर में से अभी चिंगारी निकल रही थी, इसलिए ट्रांसफार्मर तुरन्त न बदला जाता तो कॉलोनी में बड़ा हादसा हो सकता था। दुकानदारों का कहना था कि फोन करके मॉडल टाउन क्षेत्र के अधिकारी को शिकायत करते थे, अधिकारी कहते थे कि मेरा क्षेत्र नहीं है। यह ट्रांसफार्मर सिटी क्षेत्र का है, इस चक्कर में ट्रांसफार्मर ठीक नहीं किया जा रहा था।

दुकानदारों ने जैन को बताया कि वीटा प्लांट सड़क से तीन फुट नीचे है। इसलिए जमीन पर रखे ट्रांसफार्मर से हमेशा हादसा होने का डर बना रहता है। उन्होंने मांग की कि लोहे के लगे खंबे बदलवा कर ट्रांसफार्मर खंभों पर रखा जाए, जिस पर निगम अभियंता को एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए।

दुकानदारों ने सड़क पर खड़े होने वाले पानी की निकासी के लिए ड्रेन नंबर छह तक नाला बनवाने या पाईप लाइन डलवाने तथा ड्रेन की एक साइड की रेलिंग टूटी होने की शिकायत भी की। राजीव जैन ने इस समस्या को भी दूर करने का आश्वासन दिया दुकानदारों में सत्य दास महाराज, पवन सोलंकी, ओम प्रकाश, यशवंत, संजय, रमेश, नरेंद्र कुमार, आशीष, संदीप, प्रदीप, सतीश, विनोद मलिक, रोहतास गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बरसात में गिर ट्रांसफार्मर को देखते भाजपा नेता राजीव जैन।

थानेसर हलके का विकास मुंह खोल कर बोल रहा : मधुसूदन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष, जिला कैथल के आब्जर्वर एडवोकेट मधु सूदन बवेजा ने कहा कि मानसून की बारिश ने विकास के सारे दावों की पोल खोलकर रख दी है। थानेसर हलके का विकास मुंह खोल कर बोल रहा है। विधायक के खोखले वादे को जनता देख रही है।

बवेजा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की तर्ज पर स्थानीय विधायक ने भी जुमलेबाजी करनी शुरू कर दी है। मानसून के शुरुआती सीजन में ही धर्मनगरी की हर सड़कों, गली-मोहल्लों में बरसात का पानी जमा हो गया। मानसून से पहले विधायक व स्थानीय प्रशासन दावे कर रहा था कि मानसून को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है, लेकिन बरसात ने सारी तैयारियों की पोल खोल कर रख दी है।

जल निकासी व्यवस्था ठप होने से सारा शहर जलमग्न हो गया है। मानसून से पहले तो बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, अब वो दावे करने वाले कहां चले गए है। सच्चाई तो यह है कि जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं हुई। नगर की हर सड़क और गलियों में पानी भरा हुआ है। पहले से ही कोरोना की मार झेल रहे दुकानदारों की दुकानों में पानी भर गया जिस कारण दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बारिश से सेक्टरों का भी बुरा हाल है।

मानसून की बारिश ने विकास के सारे दावों की पोल खोलकर रख दी है

सेक्टर की ऐसी कोई गली नही बची है जहां जलभराव न हुआ हो। कुरुक्षेत्र के सौंदर्यकरण के नाम पर धर्मनगरी की हालत बद से बदतर बना दी गई है। सत्तारूढ पक्ष के विकास के दावों की पोल खुल गई है।

जगह-जगह हुए जलभराव से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा है। प्रशासन को बारिश से पहले ही सभी इंतजाम करने चाहिए थे। बवेजा ने कहा कि पिछले लगभग साढ़े तीन वर्ष से निमार्णाधीन पिपली-थर्ड गेट सड़क की हालत तो बुहत ही खराब है। यहां पर जल निकासी की कोई व्यवस्था न होने से पानी भर गया है। सड़क किनारे दुकानों व आवासीय कॉलोनियों में पानी भरने से जनता को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

पौधे प्रकृति की अमूल्य धरोहर : निशा गुप्ता

कुरुक्षेत्र। राजकीय माध्यमिक विद्यालय सराय सुखी के परिसर में इको क्लब थानेसर के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धुराला की प्राचार्या निशा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच रामकुमार शर्मा ने की। प्राचार्य निशा गुप्ता ने कहा कि पौधे प्रकृति की अमूल्य धरोहर है और उन्हें संजोकर रखना हमारा मौलिक कर्तव्य है। मुख्याध्यापक राजेश शर्मा ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पौधे रोपित करना व उनकी पुत्रवत देखभाल करने से न केवल आत्मसंतुष्टि मिलती है अपितु पर्यावरण भी स्वच्छ होता है। उन्होंने शिक्षकों से अनुरोध किया कि वे इस मॉनसून सीजन में अधिक से अधिक पौधे रोपित करें। हिंदी शिक्षक रमेश शास्त्री ने कहा कि पौधे रोपित करना प्रकृति की आराधना के समतुल्य है अत: प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। विद्यालय के मुख्याध्यापक राजेश शर्मा, रमेश शास्त्री, इंद्रजीत शर्मा, संदीप, राकेश, शिशन, गीता रानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जीवन बचाने का अमूल्य उपहार है रक्तदान : दुष्यंत चौधरी

कुरुक्षेत्र। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान एक बहुत ही अधिक पुण्य का कार्य है। रक्तदान उपचाराधीन और रक्त की कमी से ग्रस्त लोगों के लिए जीवन बचाने का अमूल्य उपहार है। ये शब्द मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दुष्यंत चौधरी ने कहे। वे लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में आयोजित 358वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में पधारे हुए थे और उन्होंने स्वयं भी रक्तदान कर युवाओं को प्रोत्साहित किया। शिविर का आयोजन रक्तदान के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी और राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित डॉ अशोक कुमार वर्मा द्वारा किया गया था। शिविर में 25 बार रक्तदान कर चुके सतीश सैनी, संजू चावला और राजीव दहिया अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे जबकि समाजसेवी एवं रक्तदाता प्रशांत शर्मा की अध्यक्षता में शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में पंकज कुमार, दीपक वर्मा, ओम प्रकाश, अशोक कुमार, सतीश कुमार 25वीं बार, धर्मपाल, संदीप कुमार, हिमांशु वर्मा, साहिल, सुभाष कुमार, गुरमीत, विकास कुमार, सुरजीत सिंह, कुलदीप सिंह, दिनेश कुमार, विनीत, सवीन गेरा और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी दुष्यंत चौधरी आदि ने रक्तदान किया।

मेयर मदान ने लिया एसटीपी और डिस्पोजल का जायजा

सोनीपत। सोमवार को हुई तेज बारिश के कारण शहर में कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई थी। नगर निगम मेयर निखिल मदान ने सोमवार देर रात शनि मंदिर अंडर पास के नजदीक डिस्पोजल एवं राठधना एसटीपी का दौरा करते हुए हालातों का जायज़ा लिया। इस दौरान उनके साथ संयुक्त आयुक्त सुभाष चन्द्र एवं एसडीओ अभिषेक, जेई सूर्या धनखड़ मौजूद रहे। दौरे के दौरान नगर निगम मेयर निखिल मदान ने कहा कि तेज बारिश के कारण ड्रेन व नाले में काफी पानी आ गया था। इसलिए एसटीपी व डिस्पोजल के पानी का लेबल की जानकारी लेनी जरूरी थी।

नगर व्यापार मंडल का जागरुकता अभियान जारी

भिवानी। नगर व्यापार मंडल द्वारा जारी टीकाकरण एवं कोविड-19 जागरूकता अभियान के तहत 30वे दिन जारी रहा। आज हलवासिया मार्केट में दुकानदारों एवं आमजन को जागरुकता पम्पलैट बांटे गए। पैम्पलेट में टीकाकरण दो गज की दूरी मास्क है जरूरी बार बार साबुन से हाथ धोने के प्रति जागरूक किया है। नगर व्यापार मंडल के प्रधान भानु प्रकाश ने बताया कि व्यापार मंडल 20 मई को वैक्सीन लगाओ कोविड-19 जागरुकता अभियान शुरू किया। अभियान के तहत शहर के मुख्य बाजारों गलियों व सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को वैक्सीन लगवाने व कोविड-19 के बारे में जागरूक किया था। इससे लोगों का रुझान वैक्सीन की तरह बढ़ा इसी अभियान के तहत आज जागरुकता अभियान के पैम्फलेट बांटे नगर व्यापार मंडल का यह प्रयास काफी सराहनीय है और सार्थक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।कोरोना की तीसरी लहर को रोकने के लिए हमें और अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है दूसरी लहर में हमें बहुत कुछ खोया है।

हर ब्लॉक में विद्यार्थियों के हाथों से पांच हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

भिवानी। बारिश के पानी का संचयन करने को लेकर चलाए जा रहे जल शक्ति अभियान के दौरान विद्यार्थी जिला को हरा-भरा बनाने का काम करेंगे। शिक्षा विभाग द्वारा जिला में हर ब्लॉक में कम से कम पांच हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया। स्कूलों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित नर्सरियों से पौधे लेने शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य द्वारा भी जिला में मानसून के मौसम के दौरान जिला में छह लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें तीन लाख पौधे वन विभाग टेंडर के माध्यम से लगाएगा और तीन लाख पौधे शिक्षण संस्थाओं, सरकारी भवन परिसरों व आमजन को वितरित किए जाएंगे। उपायुक्त आर्य द्वारा जल शक्ति अभियान के तहत स्कूलों में बच्चों के हाथों से अधिक से अधिक पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग ने जिला में सभी सातों ब्लॉकों में पांच-पांच हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ऐसे में शिक्षा विभाग कम से कम 35 हजार पौधे विद्यार्थियों के हाथों से लगवाएगा।

इनरव्हील क्लब ने विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

विद्यार्थियों को जागरूक करते इनरव्हील क्लब के पदाधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

श्री गुरु नानक प्रीतम गर्ल्ज सीनियर सेकेंडरी स्कूल शाहाबाद में रोटरी क्लब की महिला विंग इनरव्हील क्लब द्वारा नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए सेमीनार किया गया।

इसमें विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान के बारे में बताया और उन्हें किसी भी तरह के नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सेमीनार में क्लब की अध्यक्ष चरणजीत कौर, रानी वधवा, रेणु वधवा, पूनम कक्कड़, गुंजन अरोड़ा ने विचार व्यक्त कर विद्यार्थियों को नशे से होने वाले आर्थिक और स्वास्थ्य नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। प्रिंसीपल दीपांश कौर ने स्कूल की उपलब्धियों और गतिविधियों के बारे में विस्तार से अपनी रिपोर्ट रखी।

इससे पहले यहां पहुंचने पर क्लब के सदस्यों का स्वागत स्कूल स्टाफ सदस्य सर्वजीत कौर, पूनम कविता, तरुणजीत कौर, अंजू, सरबजीत कौर, रीना, कुमारी संगीता, नीलम, साक्षी, बलजीत कौर, रेखा आदि गर्मजोशी से करते हुए क्लब के सदस्यों का धन्यवाद किया।

धान की फसल के लिए अमृत बनी बारिश

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

सोमवार से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। कभी हल्की फुहारें तो कभी झमाझम बारिश धान की फसल के लिए अमृत बनकर बरसी। मौसम के इस बदले मिजाज ने तपिश और उमस से राहत दी साथ ही धान की फसल के लिए यह बारिश किसी वरदान से कम नहीं है। मूसलाधार बरसात से धान के खेत लबालब पानी से भर गए हैं, जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे।

किसानों का कहना है कि धान, मक्का और गन्ना की फसल के लिए यह बारिश वरदान साबित होगी। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बारिश से धान, गन्ना, मक्का की फसलों को भी लाभ हुआ है। बारिश से सब्जी की खेती प्रभावित हुई है, जिससे आने वाले दिनों में सब्जी के महंगी हो सकती है। किसानों का कहना है कि नहरी पानी के अभाव में उनको अपनी धान की फसल के लिए अच्छी बारिश की ही जरूरत थी, जिसकी पूर्ति हो गई है। तपिश और उमस से जूझ रहे लोगों को इस बारिश से राहत मिली है। बारिश से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। लगातार बारिश होने से शहरी और ग्रामीण इलाकों में जल भराव भी हो गया। जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। रास्तों पर जल जमाव और कीचड़ ने राहगीरों का राह चलना दूभर किया।

ज्योतिसर तीर्थ के समीप जमा पानी से निकलती महिला।

बारिश के चलते रोहतक गेट से रेलवे ओवरब्रिज तक कारपेटिंग से पहले होगा पैच वर्क का कार्य

भिवानी। उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य ने शहर में सरकुलर रोड सहित विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश से रोहतक गेट से रेलवे ओवरब्रिज तक सड़क जर्जर होने के कारण इस पर कारपेटिंग से पहले पैच वर्क का कार्य किया जाए ताकि लोगों को आवागमन में कोई परेशानी न हो। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क पर कारपेटिंग से पहले पैच वर्क करके गड्ढों को भरा जाए ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। उपायुक्त ने बताया कि नया बस स्टैंड से रेलवे ओवरब्रिज तक सड़क पर करीब साढ़े पांच करोड़ रुपये की लागत से कारपेटिंग कर इसका नव निर्माण किया जाएगा। यह कार्य बरसात का मौसम समाप्त होते ही शुरु कर दिया जाएगा।

मुरथल खण्ड के वार्ड पंचों के लिए 28 जुलाई को ड्रॉ होगा

सोनीपत। एसडीएम सोनीपत शशि वसुंधरा ने बताया कि हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियमावली 1994 के नियम 5(2) व हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन संशोधित नियम 2021 के नियम 5 व 6 के तहत मुरथल खण्ड की 43 ग्राम पंचायतों के सभी वार्डो में पंच पद हेतू अनुसूचित जाति, महिलाओं, सामान्य जाति(महिला सदस्यों सहित) के लिए नियमानुसार, अनुक्रमित संख्या अनुसार व पिछडा वर्ग के लिए एक वार्ड का आरक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुरथल खण्ड के सभी गांवों के सभी वार्डों में पंच पद के लिए 28 जुलाई को प्रात: 11:30 बजे खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मुरथल कार्यालय में ड्रा निकाला जाएगा। इच्छुक व्यक्ति मौके पर कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए उपस्थित हो सकता है।

12 वर्षीय खुशवंत ने की एक दिन की भूख हड़ताल

भिवानी। टेलीग्राफ एक्ट की आड़ में किसानों की आजीविका छिन जाने का डर किसानों के साथ अब उनकी पीढ़ी का भी सताने लगा है। जिसके विरोध में अब किसानों के बच्चे धरनास्थल पर पहुंचर रोष जता रहे हैं और खेत में लगे टॉवर व बिछाई गई तार की ऐवज में मुआवजा दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

इसी के तहत गांव निमड़ीवाली में हरियाणा बिजली वितरण निगम के पॉवर ग्रिड के टॉवरों के विरोध में पिछले 33 दिनों से धरने पर बैठे किसानों का साथ देने के लिए उनके बच्चें भी धरना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने कंपनी व प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। मंगलवार को 12 वर्षीय खुशवंत सिंहमार 24 घंटे के लिए भूख हड़ताल पर बैठा। इस दौरान किसानों ने अर्धनग्न होकर रोष भी जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से किसान विरोधी नीतियां व निर्णय लागू कर रही है, जिसका विरोध करने के बावजूद सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती।

रूरल एंटरप्रेन्योरशिप इनक्यूबेशन प्रोग्राम के लिए बुद्ध फेलोशिप के साथ साझेदारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आइआइएम बेंगलुरु के इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप हब एनएसआरसीईएल और बुद्ध फेलोशिप प्रोग्राम ने संयुक्त रूरल एंटरप्रेन्योरशिप इनक्यूबेशन प्रोग्राम के लिए साझेदारी की है।

महामारी के कारण बहुत से लोग सूक्ष्म और लघु उद्योग में काम करने वाले कामगार और किसान सबसे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। महामारी के समय लोगों की मदद करने के लिए विकास क्षेत्र और एनजीओ के साथ कई सामाजिक संस्थाएं आगे आईं हैं। सरकारी और कॉरपोरेट संस्थाओं ने शिक्षा, भोजन के वितरण, राहत कार्य, आजीविका कमाने, किसान और ग्रामीणों से संबंधित मुद्दों पर इन सामाजिक संस्थाओं और एनजीओ के योगदान को सराहा है। ग्रामीण उद्यमिता के पारितंत्र और घरेलू कारोबारियों को मार्केटिंग, ब्रांडिंग, क्वॉलिटी स्टैंडर्ड, वैल्यू चेन बनाने और प्रॉडक्ट इनोवेशन जैसे कुछ मुद्दों पर ज्ञान और जागरुकता की कमी से अपने उपभोक्ताओं तक पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण उद्यमियों को गांवों की समस्याओं को सुलझाने में सक्षम बनाने के लिए प्रयास के तहत और, जो अपने प्रॉडक्ट शहरी उपभोक्ताओं को बेच सकते हैं।

आइआइएम बेंगलुरु के स्टार्टअप हब एनएसआरसीईएल के कार्य ने 115600 से ज्यादा उद्यमियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। एनएसआरसीईएल और बुद्ध फेलोशिप प्रोग्राम ने जॉइंट एक्शन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई पहल की है। ग्रामीण उद्यमिता का इकोसिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से आपसी सहयोग से इनक्यूबेशन प्रोग्राम बनाने के लिए यह साझेदारी की गई है। बीएफपी के कई सफल ग्रेजुएट बुद्ध फैलोज देश के कम विकसित जिलों में बागवानी, कृषि, डेरी, पोषण, कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले श्रमिक अर्थव्यवस्था के कौशल को निखारने और सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

हरियाणा के रोहतक में आकाश इंस्टीट्यूट के 5 छात्रों का एनटीईसी (स्टेज 2) में चयन

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

हरियाणा के रोहतक में आकाश इंस्टीट्यूट के 5 प्रभावशाली छात्रों ने नेशनल टैलेंट सर्च एग्जामिनेशन (स्टेज 2) पास किया है। शहर से विभिन्न श्रेणियों से चुने गए छात्रों ने प्रसिद्ध राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण की, जिसका उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान करना और उनका पोषण करना है। छात्रों को अब उनकी पढ़ाई के अंत तक प्रति माह एक विशिष्ट छात्रवृत्ति राशि प्राप्त होगी।

रोहतक से परीक्षा पास करने वाले छात्र निम्नलिखित हैं-

जैसविन कालीरामन ने 200 में से 144 अंक हासिल कि। एनिशा ने 142 अंक हासिल किए, अक्षत ने 139 अंक हासिल किए, अश्मी हुड्डा ने 133 अंक हासिल किए, हर्षित कुमार ने 115 अंक हासिल किए। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के मैनेजिंग डायरेक्टर, आकाश चौधरी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, हमें गर्व है कि रोहतक के हमारे 5 छात्रों को एनटीईसी स्टेज 2 में चुना गया है। यह उनके द्वारा की गई कड़ी मेहनत, उनके माता-पिता के समर्थन और आकाश में गुणवत्ता परीक्षण की तैयारी का परिणाम है। परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई। हमें यकीन है कि प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करने के बाद, वे उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अवसर का उपयोग करेंगे। हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

मौजूदा योजना के तहत, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में डॉक्टरेट स्तर तक तथा मेडिकल एवं इंजीनियरिंग जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में द्वितीय-डिग्री स्तर तक के पाठ्यक्रमों की पढ़ाई करने के लिए एनटीएसई छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। अब तक, देश में अनुसूचित जाति के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5 प्रतिशत और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए 27 प्रतिशत तथा विकलांगता के न्यूनतम मानदंडों के तहत दिव्यांग छात्रों के समूह के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण के साथ 2,000 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं।

प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान में दो चरणों वाली चयन प्रक्रिया शामिल है। प्रत्येक राज्य / केंद्रशासित प्रदेश पहले चरण का आयोजन करता है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर एनसीईआरटी द्वारा दूसरे चरण का आयोजन किया जाता है। आकाश इंस्टीट्यूट का उद्देश्य अकादमिक जगत में सफलता हासिल करने की इच्छा रखने वाले छात्रों की मदद करना है। यहां पाठ्यक्रम एवं अध्ययन सामग्रियों के विकास के साथ-साथ अध्यापकों के प्रशिक्षण एवं निगरानी के लिए घरेलू स्तर पर एक केंद्रीकृत प्रक्रिया मौजूद है, जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय शैक्षणिक टीम द्वारा किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में, आकाश के छात्रों ने विभिन्न मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं, और एनटीएसई, केवीपीवाई और ओलंपियाड जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार सफलता के रिकॉर्ड को बरकरार रखा है।

विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों पर चलाया पीला पंजा

निरंतर जारी रहेगा यह अभियान : डीसी प्रदीप दहिया

पीएल वर्मा। कैथल

उपायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि जिला में विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। जिला नगर योजनाकार कार्यालय व ड्यूटी मजिस्ट्रेट संजय चौधरी के पूरे अमले द्वारा फतेहपुर के नैना-धौंस रोड पर 4 एकड़ भूमि में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी में कार्रवाई अमल में लाई गई है। जेसीबी मशीनों के साथ अवैध कॉलोनी व मार्केट को हटाने का कार्य दोपहर बाद दो बजे शुरू किया गया।

उपायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि अर्बन एरिया पूंडरी के अंतर्गत पड़ने वाली राजस्व संपदा फतेहपुर में नैना-धौंस रोड पर 4 एकड़ भूमि पर पनप रही नई अवैध कॉलोनी, मार्केट में तोड़-फोड़ की कार्रवाई पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत सफलता पूर्वक क्रियाांवित की गई। विभाग द्वारा चार एकड़ में पनप रही मिट्टी की सड़कें, बिजली के खंभों, एक निर्माणधीन अवैध कमरा पीले पंजे की मदद से तोड़ दिया गया।

कैथल के गांव नैना-धौंस रोड पर पनप रही नई अवैध कॉलोनी पर चला पिला पिंजा।

प्रॉपर्टी डीलरों पर धाराओं के तहत नोटिस जारी

उन्होंने बताया कि बिना विभागीय अनुमति के पूंडरी के अंतर्गत पड़ने वाली राजस्व संपदा नैना-धौंस पर 4 एकड़ भूमि में मिट्टी की सड़कें, बिजली के खंभों, एक निर्माणधीन अवैध कमरे का निर्माण किया जा रहा था, जिसके उपरांत विभाग द्वारा भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी करके कॉलोनी विकसित करने के लिए जरूरी अनुमति प्राप्त करने वाले आदेश दिए गए थे, परंतु भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा न तो मौके पर बनाई जा रही अवैध कॉलोनी का निर्माण रोका और न ही विभाग से किसी प्रकार की अनुमति ली। पीला पंजा चलाने के साथ-साथ अवैध कालोनी विकसित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी अमल में लाई जा रही है।

आम लोगों को जागरूक भी किया जा रहा

जिला नगर योजनाकार अनिल कुमार नरवाल ने बताया कि आम लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है कि वह सस्ते प्लाट के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलरों के बहकावे में न आए और न ही अवैध कालोनियों में प्लाट खरीदें। मकान खरीदने से पहले जिला योजनाकार कार्यालय से पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें। सभी प्रॉपर्टी डीलर का भी आह्वान किया है कि वे सरकार द्वारा चलाई गई हाउसिंग स्कीम, दीनदयाल हाउसिंग स्कीम, अफॉर्डेबल हाउसिंग स्कीम, जिसमें 5 एकड़ भूमि पर लाइसेंस प्रदान किया जाता है। कॉलोनी काटने की जरूरी अनुमति प्राप्त करें, ताकि शहर वासियों को सस्ता मकान उपलब्ध हो सके। यदि कोई व्यक्ति अवैध कालोनी में प्लाट आदि खरीदता है तो उसके विरूद्ध भी कार्यालय द्वारा कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी, जिसमें 50 हजार रुपये तक का जुर्माना व तीन साल की सजा प्रावधान है।

फोन टैपिंग के खिलाफ राजभवन पर कूच करेगी कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

सैलजा के नेतृत्व में चंडीगढ़ राजभवन तक करेंगे रोष मार्च

हरियाणा कांग्रेस ने भी फोन टैपिंग को मुद्दा बनाते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने का फैसला किया है। हरियाणा कांग्रेस के विधायक और नेता 22 जुलाई को चंडीगढ़ में कांग्रेस मुख्यालय से राजभवन तक पैदल मार्च करते हुए राज्यपाल को ज्ञापन देंगे। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के कार्यभार संभालने के बाद यह पहला मौका होगा जब हरियाणा का विपक्षी दल कांग्रेस राजभवन तक पैदल मार्च करेगा।

पार्टी हाईकमान के निर्देशों पर यह आयोजन हो रहा है। प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा ने इस आयोजन के लिए सभी विधायकों को भी राजभवन कूच के लिए न्योता भेजा है। पैदल मार्च के लिए सभी विधायकों को भी आमंत्रित किया गया है। पिछले दिनों नई दिल्ली में पूर्व सीएम व विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा कैम्प के 22 विधायकों ने एकजुट होकर सैलजा को पद से हटाने और उनकी जगह पूर्व सीएम हुड्डा को प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपने की मांग की थी। इसके लिए विधायक राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल व हरियाणा मामलों के प्रभारी विवेक बंसल से भी मिले थे। हालांकि बाद में विधायकों ने इस लॉबिंग को संगठन गठन में तवज्जो तक सीमित कर दिया।

दिल्ली में लगातार तीन-चार दिन तक गहमा-गहमी रही। इसके बाद अब बृहस्पतिवार को पार्टी का यह बड़ा आयोजन होगा। प्रदेश में कांग्रेस के कुल 31 विधायक हैं। इनमें पूर्व सीएम हुड्डा व उनके कैम्प के विधायकों के अलावा सैलजा समर्थक विधायक, विधायक दल की पूर्व नेता व तोशाम विधायक किरण चौधरी, आदमपुर विधायक कुलदीप बिश्नोई, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव सरीखे नेताओं के शामिल होने पर नजर रहेगी। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा के अनुसार केंद्र की मोदी सरकार इस्राइली सॉफ्टवेयर पेगासस के माध्यम से देश के न्यायधीशों, संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों, नेताओं पत्रकारों के फोन टेपिंग करवा रही है। केंद्र सरकार की इस जासूसी के विरोध में कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी।

संक्षिप्त समाचार

कुविवि के नौ शोधार्थी पीएचडी उपाधि के पात्र घोषित

थानेसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने शोध समिति और परीक्षकों के बोर्ड की अनुशंसा पर 09 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है। लोक सम्पर्क विभाग के उप-निदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर ने बताया कि पीएचडी डिग्री के लिए पात्र घोषित किए गए शोधार्थियों में हिन्दी से सुनिता, लाईब्रेरी एंड इंफोरमेशन साईंस से मीनाक्षी, जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन से नवीन कुमार, बायोकैमिस्ट्री से किरण बाला, बायोटैक्नालॉजी से मनदीप कौर व सुनील कुमार, फार्मास्यूटिकल साईंसिज से रीना श्योरान, फिजिक्स से प्रीति रानी व पोलिटिकल साईंस से कोमल सिंह चौहान शामिल हैं।

हादसे में मृतकों के आश्रितों को सरकार देगी दो-दो लाख

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम में तीन मंजिला इमारत ढहने से मारे गए व्यक्तियों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने का ऐलान किया है। गुरुग्राम में बीती 18 जुलाई की रात फर्रूखनगर ब्लाक के गांव ख्वासपुर में तीन मंजिला इमारत ढहने से छह मजदूर दब गए थे। करीब 18 घंटे तक चले रैस्क्यू आप्रेशन में तीन मजदूरों के शव यहां से निकाले गए जबकि एक व्यक्ति को गंभीर घायल हालत में निकाला गया जबकि दो को सुरक्षित निकाल लिया गया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये एक्सग्रेशिया राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा, गंभीर रूप से घायलों को भी एक-एक लाख रुपये देने की घोषणा की है।

सौरभ चौधरी तीसरी बार बने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य

कुरुक्षेत्र। राज्य सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग की तरफ से सौरभ चौधरी को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का सदस्य बनाया गया है। हरियाणा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एसएन रॉय ने जारी आदेशों में कहा है कि सौरभ चौधरी को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का सदस्य बनाया गया है। अहम पहलु यह है कि तीसरी बार कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य बने है। उनका कार्यकाल अब वर्ष 2022 तक रहेगा। इससे पहले वे वर्ष 2016 से 2018 और वर्ष 2018 से 2020 तक केडीबी के सदस्य रहे है।

हरियाणा के आठ जिलों में बनेंगे सैनिक सदन : यादव

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

सरकार ने सौ करोड़ की परियोजना को दी मंजूरी

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि सैनिकों के कल्याण के लिए राज्य के आठ जिलों में 'एकिकृत सैनिक सदन' बनाए जाएंगे। इनके निर्माण पर करीब 100 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी।

यादव ने मंगलवार को सैनिक, अर्द्ध सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नारनौल, पलवल, पानीपत, झज्जर, जीन्द, नूहं, फतेहाबाद तथा रेवाड़ी जिलों में सैनिक सदनों का चरणबद्ध तरीके से निर्माण करवाया जाएगा। इनमें से कुछ जिलों में सदनों के निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कौसली और दादरी सैनिक रैस्ट हाऊस का निर्माण कार्य लगभग 80 प्रतिशत हो चुका है. बाकि बचे कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सैनिक कल्याण राज्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक सैनिक सदन के निर्माण पर करीब 12 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। इनमें सैनिक विश्राम गृह, जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण कार्यालय, सामुदायिक हाल, पॉलीक्लीनिक्स, सीएसडी कैंटीन, स्टील्ट पार्किंग सहित अन्य व्यवस्था की जाएगी। इनमें लिफ्ट एवं रैम्प का प्रावधान भी किया जाएगा। यादव ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे विभाग की ढांचागत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राज्य स्तर तथा जिला स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लगाएं। इसके साथ ही उन्होंने रेवाड़ी के सैनिक स्कूल तथा ईसीएच अस्पताल के भवन निर्माण संबंधी जानकारी प्राप्त की।

कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस के 15 एक्टिव केस

कुरुक्षेत्र। जिला सिविल सर्जन डा. संत लाल वर्मा ने कहा कि इस जिले में पाजिटिव केसों की रिकवरी में लगातार सुधार हो रहा है। इस जिले का रिकवरी रेट 98.33 पर पहुंच गया है और सैम्पल पॉजिटीव रेट घटकर 5.11 पर पहुंच गया है।

कुरुक्षेत्र में अब तक 21713 कोरोना पाजिटिव मरीज कोरोना को हराकर ठीक हो चुके है। सीएमओ डा. संत लाल वर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में अलग-अलग स्वास्थ्य केन्द्रों पर आरटीपीसीआर और रेपिड एंटिजन के कुल 1342 सैम्पल लिए गए है, जिनमें आरटीपीसीआर के 809 व रेपिड एंटिजन के 533 सैम्पल शामिल है और अब तक 22082 पॉजिटिव केस सामने आ चुके है। कुरुक्षेत्र में कोरोना का ग्राफ काफी नीचे पहुंच गया है। अब तक 21713 मरीज ठीक होकर घर जा चुके है। कुरुक्षेत्र में 354 कोरोना पाजिटिव मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। इस प्रकार कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस के 15 एक्टीव केस है।

हरियाणा : उपमंडल अस्पतालों में मिलेंगे दिव्यांगता प्रमाण-पत्र

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य सरकार ने सिविल अस्पताल के अलावा उपमंडल अस्पतालों के स्तर पर भी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

विज ने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत इस निर्णय से दिव्यांग व्यक्तियों के घरों के पास स्थित विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मेडिकल बोर्ड द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों का मूल्यांकन और प्रमाणित करने में सुविधा व लाभ मिलेगा।

खैहरा फार्म पर जजपा प्रदेशध्यक्ष निशान सिंह का स्वागत डॉ. जसविन्द्र खैहरा व अन्य।

गठबंधन सरकार प्रदेश में खूब करवा रही विकास कार्य : निशान

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जननायक जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष निशान सिंह ने कहा है कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने जो भी वायदा किया उसे निभाया भी है। दुष्यंत चौटाला प्रदेश की जनता को किये वायदों पर खरा उतर रहे हैं। वे मंगलवार को लुक्खी में डा. जसविंद्र खैहरा के निवास पर बात कर रहे थे। यहां पहुंचने पर डा. जसविंद्र खैहरा ने पुष्पगु छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान निशान सिंह ने यहां पौधारोपण भी किया।

इससे पूर्व वे सतवीर राणा लुखी के निधन पर उनके घर शोक प्रकट करने पहुंचे। वहीं इस्माईलाबाद में धर्मेंद नैन के चाचा के निधन व बाबैन में चंद्रप्रकाश सैनी के पिता के निधन पर शोक प्रकट करने पहुंचे। इस मौके पर उनके साथ शुगरफैड के चेयरमैन व शाहाबाद के विधायक रामकरण काला, जिलाध्यक्ष कुलदीप जखवाल, कुलदीप सिंह मुल्तानी, मायाराम चंद्रभानपुरा, डा. जसविंद्र खैहरा भी मौजूद रहे। निशान सिंह ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए दुष्यंत चौटाला ने निजी कंपनियों में प्रदेश के युवाओं को आरक्षण देने की बात कही थी जिसे उन्होने पूरा भी कर दिखाया है। निशान सिंह ने कहा कि प्रदेश की भाजपा-जजपा सरकार प्रदेश में खूब विकास के कार्य करवा रही है। गठबंधन सरकार द्वारा ऐसे कार्य भी किए हैं जिन्हे पिछली सरकारें कभी नही कर पाईं। विपक्षी दलों के पास कोई मुद्दा नहीं रहा और वे किसानों को बरगलाने में जुटे हुए हैं लेकिन आज प्रदेश का किसान कांग्रेस की करतूतों को समझ गए हैं। नरेंद्र घराड़सी, होशियर सिंह, जोगध्यान लाडवा, जगबीर मोहड़ी, गुरलाल वडैच, सुनील राणा, भीम मित्तल, गजेंद्र शर्मा, हीरालाल, करनैल सिंह, सुशील राणा व अन्य मौजूद रहे।

22 जुलाई से शुरू संसद कूच की तैयारी में जुटे किसान

भिवानी। संयुक्त किसान मोर्चा के आहवान पर 22 जुलाई से शुरु होने वाले संसद कूच की तैयारी में किसान मजदूर एकसाथ जुट गए हैं, हरदिन 200 किसान संसद कूच के कार्यकम में भाग लेंगे, इसके लिए किसानों ने अपने दो फोटो व आई डी शीर्ष नेतृत्व को भेजना शुरू कर दिया है।

यह जानकारी देते हुए जिला संयुक्त किसान मोर्चा के नेता नरसिंह सागवान डीपीई, बिजेन्द्र बेरला, गंगाराम श्योराण व कामरेड ओमप्रकाश, युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान ने कहा कि यह संसद कूच शान्तिपूर्ण तरीके से होगा, क्योंकि 26 जुलाई को किसान आन्दोलन के आठ महिने पूरे होने जा रहे हैं, जिसमें 600 से ज्यादा किसान अपनी शहादत दे चुके हैं। उन्होने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाए कि वह जानबूझ कर किसानों की जायज मांगों व आन्दोलन के मुदों की घोर उपेक्षा कर रही है, जबकि देश में कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हुए जनता का पेट भरते हुए सबसे ज्यादा रोजगार देती है। कृषि क्षेत्र की लूट जनता को बर्बाद करके रख देगी।यह आन्दोलन खाद्य सुरक्षा व किसान ,मजदूर व व्यापारियों के हितों को बचाने के लिए किया जा रहा है। किसान नेताओं ने हरियाणा सरकार को आगाह किया कि वह किसानों पर झूठे देशद्रोह के मुकदमें बनाने से बाज आए व सभी मुकदमों को तुरन्त रद्द करें।

चार दिन बाद नहर से मिला युवक का शव

कुरुक्षेत्र। गांव उदारसी के 20 वर्षीय युवक अमनदीप का शव 'योतिसर स्थित नरवाना ब्रांच नहर से चार दिन बाद मिला। युवक अमनदीप को गोताखोर प्रगट सिंह व उनकी टीम ने नहर से बाहर निकाला। टीम ने युवक को नहर से निकालकर पुलिस को सौंप दिया। अमनदीप आर्मी में भर्ती होने के लिए फिजिकल की तैयारी कर रहा था। चार दिन पहले अमनदीप अपने दोस्तों के साथ नहर में नहाता हुआ डूब गया था। इसके बाद से ही गोताखोर प्रगट सिंह व उनकी टीम लगातार युवक की तलाश में जुटी थी। मंगलवार को युवक का शव 'योतिसर के समीप नरवाना ब्रांच से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी अस्पताल भिजवा दिया है।

अपने शिष्य को अंधकार से उजाले की ओर ले जाता है गुरु : दिनेशानन्द

पायनियर समाचार सेवा। असंध

गुरुपूर्णिमा पर्व पर विश्व शांति एवं मानव कल्याण के लिए नगर के वार्ड 5 स्थित अखिल भारतीय धर्म सभा के योगाश्रम में हवन यज्ञ का आयोजन किया। धर्मगुरु दिनेशानन्द ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ किया। धार्मिक आयोजन में गत वर्ष ब्रह्मलीन अखिल भारतीय धर्मसभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी भगवान देव परमहंस को श्रद्धालुओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरुपूर्णिमा पर्व पर प्रवचन देते हुए स्वामी जी कहा कि भारत के इतिहास की पौराणिक गाथाओं व शास्त्रों में गुरु की महत्ता का वर्णन है उन्होंने कहा कि गुरु का अर्थ अपने शिष्य को अन्धकार से उजाले की ओर ले जाना है।उन्होंने कहा गुरु अपने शिष्य को धर्म मार्ग का ज्ञान करवा उसे संसार के सुख - दु:ख से निर्लेप कर जीवन सागर की नैया से पार लगाता है।उसे मोक्ष व मुक्ति दिलाना ही गुरु के जीवन का परम उद्देश्य है।स्वामी दिनेशानन्द ने कहा कि जीवात्मा अपने जन्म के समय मनुष्यलोक में रिश्ते नातों से जुड़ जाता है।

स्वामी दिनेशानन्द व श्रद्धालुगण हवन यज्ञ करते हुए।

राजनीति में असंतुलन को खत्म करने के लिए चुनाव में उतरना जरूरी: चढूनी

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी रादौर के वार्ड नंबर एक में एडवोकेट सुरेश पाल बंचल के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने पंहुचे। शोक व्यक्त करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा की राजनीति में असंतुलन को खत्म करने के लिए चुनाव में उतरना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ था तब कहा जाता था की लोगो का राज, लोगो के द्वारा और लोगों के लिए, लेकिन अब उल्टा हो चुका है, कॉरपोरेट का राज, कॉरपोरेट के द्वारा और कॉरपोरेट के लिए हो गया है। उन्होने कहा कि किसान मोर्चा मिशन उत्तर प्रदेश के तहत यूपी में बीजेपी को हराने की नीति पर काम करेगा, जबकि वे मिशन पंजाब के जरिए अपने बीच से ही लोगों को चुनाव में उतारने की बात कह रहे है।

क्योंकि इससे पहले कई राज्यों में हार का सामना करने के बाद भी बीजेपी सरकार ने इन कानूनों को रद्द नहीं किया है, इसलिए हमारे बीच से ही किसी को चुनाव में उतरना होगा, ताकि हमें फिर से अपने अधिकारों के लिए उन नेताओं के आगे गिड़गिड़ाना न पड़े। वही उन्होंने बताया कि 22 जुलाई से 13 अगस्त तक 200 किसानों का जत्था प्रतिदिन शांतिपूर्ण तरीके से संसद का कूच करेगा।

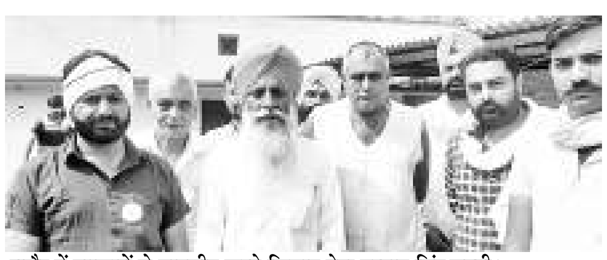

रादौर में पत्रकारों से बातचीत करते किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी।

20 दिन बाद फिर फोटोग्राफर की दुकान का शटर तोड़कर हजारों रुपए का सामान चोरी

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

बुबका चौंक पर स्थित एक फोटोग्राफर की दुकान को चोरों ने सोमवार की रात को फिर निशाना बनाया है। चोरी की घटना का मंगलवार को पता चला जब आसपास के दुकानदारों ने दूकान का शटर टुटा पाया, जिसके बाद इसकी सूचना दूकान मालिक को दी गई। चोर शटर तोड़कर दुकान में घुसे और वहां से हजारो रुपए का सामान चुरा लिया। इससे पहले भी करीब 20 दिन पहले चोर इसी दूकान से लाखों रुपए का सामान चोरी कर ले गए थे। जिसका अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। प्रभावित दूकानदार सोहन लाल ने बताया की चोरों ने उसकी दूकान से फोटोस्टेट की मशीन, इन्वर्टर बैटरी, डीवीडी राइटर सहित 60 से 70 हजार रुपए कीमत का अन्य सामान चोरी किया। उसने बताया की इससे पहले भी 29 जून को चोर उसकी दूकान से करीब 3 लाख रुपए का सामान चुरा ले गए थे। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरो की तलाश शुरू कर दी है।

वर्ष 2021-22 के लिए शिक्षा बोर्ड द्वारा कम किया गया पाठ्यक्रम

नया पाठ्यक्रम बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

पायनियार सामचार सेवा। भिवानी।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा शैक्षिक सत्र 2021-22 के लिए सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी कक्षा का पाठ्यक्रम 30प्रतिशत कम करने का निर्णय लिया गया है। नया पाठ्यक्रम बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

बोर्ड अध्यक्ष प्रो0 जगबीर सिंह ने आज यहाँ जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष भी शैक्षिक सत्र वर्ष 2021-22 के लिए सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी कक्षाओं का पाठ्यक्रम 30प्रतिशत तक कम किया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसा इसलिए किया गया है कि कोरोना महामारी के कारण विद्यालय पूर्ण रूप से नहीं खुल पाए, जिसके कारण विद्यार्थियों की शिक्षा बाधित हुई है। वर्ष 2021-22 की परीक्षाओं के लिए प्रश्न-पत्र 30प्रतिशत कम पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार किए जाएंगे। ज्ञात रहे पिछले वर्ष सीबीएसई बोर्ड की भांति हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा कोविड-19 महामारी के चलते सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी कक्षाओं का पाठ्यक्रम 30प्रतिशत कम किया गया था।

बोर्ड उपाध्यक्ष वी.पी. यादव ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2021-22 के लिए सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी कक्षा के सभी विषयों का पाठ्यक्रम 30प्रतिशत कम करके ही बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया हुआ है। उन्होंने बताया कि सभी विद्यालय मुखिया व विद्यार्थी अपलोड किए गए पाठ्यक्रम को डाउनलोड करके कम किए गए पाठ्यक्रम अनुसार ही परीक्षाओं की तैयारी करना सुनिश्चित करें।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला अपने किए वायदों को पूरा कर रहे हैं : निशान सिंह

कहा : जजपा पंचायती राज व निकाय चुनावों को लेकर पूरी तरह तैयार

प्रदेश की गठबंधन हरियाणा सरकार अच्छे काम कर रही है और सरकार गिरने वाली नहीं है।

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

टोहाना से चंडीगढ़ जाते समय जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष सरदार निशान सिंह कैथल में कार्यकर्त्ताओं से रूबरू हुए। इसके बाद यहां पत्रकारों से बातचीत में सरदार निशान सिंह ने कहा कि पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनाना कांग्रेस का अंदरुनी मामला है। इस पर उनका टिप्पणी करना उचित नहीं है। किसान आंदोलन में बीजेपी-जेजेपी सरकार के विरोध बारे पूछे सवाल का जवाब देते हुए सरदार निशान सिंह ने कहा कि जो सत्ता में लोग होंगे उनका विरोध होना स्वाभाविक है।

तीन कृषि कानून केंद्र सरकार लेकर आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह है कि वह जल्दी ही इस आंदोलन का सौहार्दपूर्ण वातावरण में बातचीत कर पटाक्षेप करें। सरकार ने किसान हित में कई योजनाएं लागू की है। एक सवाल के जवाब में प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चौ. ओमप्रकाश चौटाला हमारे लिए आदरणीय है। बुजुर्ग हैं। जेल से रिहाई होना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गठबंधन हरियाणा सरकार अच्छे काम कर रही है और सरकार गिरने वाली नहीं है।

जजपा और भाजपा के कार्यक्रम लगातार चल रहे हैं। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला अपने किए वायदों को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को प्राइवेट सैक्टर में 75 प्रतिशत नौकरी देने के वायदे को पूरा किया है और कानून पास होने से बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा। चुनावों से संबंधित सवाल पर सरदार निशान सिंह ने कहा कि पंचायती राज और स्थानीय निकायचुनावों को लेकर जेजेपी पूरी तरह तैयार है और जीत का परचम लहराऐगी। यहां पहुंचने पर कार्यकर्त्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष का फूलों की माला डालकर स्वागत किया। इस अवसर पर जजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रणदीप कौल, मांगेराम ढुल, बलवान कोटड़ा, हल्का प्रधान चंदरभान दयोरा, इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष जगतार माजरी, पदम लटकानिया, सत्यदेव चौधरी, निरजंन बंसल, महावीर गोयल, नागेश, अर्पित चौधरी, रतन चांदना, बलविंद्र जसवंती,जयप्रकाश

बलबेहड़ा, विक्रम म्योली, दर्पण मित्तल, जयबीर ढांडा, कुलदीप शर्मा, कृष्ण बाजीगर, बिट्टू शर्मा, सतबीर गोपेरा, सहित अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

चार दिन बाद नहर से मिला युवक का शव

कुरुक्षेत्र। गांव उदारसी के 20 वर्षीय युवक अमनदीप का शव ज्योतिसर स्थित नरवाना ब्रांच नहर से चार दिन बाद मिला। युवक अमनदीप को गोताखोर प्रगट सिंह व उनकी टीम ने नहर से बाहर निकाला। टीम ने युवक को नहर से निकालकर पुलिस को सौंप दिया। अमनदीप आर्मी में भर्ती होने के लिए फिजिकल की तैयारी कर रहा था। चार दिन पहले अमनदीप अपने दोस्तों के साथ नहर में नहाता हुआ डूब गया था। इसके बाद से ही गोताखोर प्रगट सिंह व उनकी टीम लगातार युवक की तलाश में जुटी थी।

कोरोना महामारी राजनीतिक नहीं मानवता से जुड़ा मुद्दा: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में विपक्षी दलों द्वारा हंगामा करने और कार्यवाही में बाधा पहुंचाने पर मंगलवार को चिंता जताई और कहा कि ऐसे समय में जब पूरी मानव जाति कोविड-19 महामारी संकट का सामना कर रही है, विपक्षी दलों का यह रवैया बहुत गैर जिम्मेदाराना है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक में सांसदों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह मानवता से संबंधित है और उनकी सरकार ने इस दौरान किसी को भी भूखा नहीं सोने दिया। कोविड-19 के चलते संसद के पिछले सत्र में भाजपा संसदीय दल की बैठक नहीं हो सकी थी।

लंबे समय बाद हुई इस बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत केंद्रीय मंत्रिपरिषद के लगभग सभी सदस्य, भाजपा सांसद और अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद थे। बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, प्रधानमंत्री ने विपक्ष के रवैए पर बहुत चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि सदन में चर्चा हो और सार्थक चर्चा हो। इसके लिए विपक्षी दलों को चर्चा में भाग लेना चाहिए। जोशी के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा, लगभग दो सालों से देश कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है। पूरी मानव जाति इससे प्रभावित हुई है। सरकार इस विषय पर बहस को तैयार है, लेकिन विपक्ष का रवैया बहुत गैर जिम्मेदाराना रहा है, खासकर कांग्रेस का। केंद्रीय मंत्री के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को अभी भी लगता है कि सत्ता में बने रहने का अधिकार उसी का है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने बैठक में यह भी कहा कि उनकी सरकार ने महामारी के बावजूद एक भी व्यक्ति को भूखा नहीं सोने दिया।

जोशी के अनुसार प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि संक्रमण के बावजूद देश की एक बड़ी आबादी को मुफ्त राशन पहुंचाया गया। उन्होंने सांसदों से कहा कि लोगों को राशन उपलब्ध कराना उनकी जिम्मेदारी है और ऐसा करके लोगों पर कोई अहसान नहीं किया जा रहा। बतौर जोशी मोदी ने कहा कि यह महामारी राजनीतिक मुद्दा नहीं है बल्कि मानवता से जुड़ा विषय है। जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री से सभी सांसदों से कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजना का लाभ हर गरीब तक पहुंचाना सुनिश्चित करने को कहा।

तीसरी लहर को लेकर सभी को सतर्क रहने को कहा

सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों से कहा कि कोरोना प्रबंधन और टीकाकरण को लेकर कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों के दुष्प्रचार को हावी न होने दें और प्रभावी तरह से उसका जवाब दें। उन्होंने कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर सभी सांसदों को सतर्क रहने और जमीनी स्तर पर इससे बचाव के तैयारी के सभी उपाय करने को भी कहा। विपक्षी दलों पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में अग्रिम मोर्चे पर तैनात 20 प्रतिशत कर्मियों का अभी तक टीकाकरण नहीं हो सका है। कोरोना प्रबंधन को लेकर सरकार और प्रधानमंत्री मोदी विपक्षी दलों के निशाने पर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के हंगामे के कारण सोमवार को संसद का कामकाज बाधित हुआ था। यहां तक कि हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद के सदस्यों का दोनों में से किसी सदन में परिचय नहीं करा पाए। बाद में उन्हें मंत्रियों की सूची को सदन के पटल पर रखना पड़ा। एक सवाल के जवाब में जोशी ने कहा कि पेगासस मामले से सरकार का तनिक भी लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, यदि विपक्षी दल इस मुद्दे को उठाना चाहते हैं तो उसे नियमों के तहत उठा सकते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री ने पहले ही इस बारे में (लोकसभा में) बयान दे दिया है।

पेगासस जासूसी मामला, महंगाई के मुद्दों पर लोस में विपक्ष का हंगामा

मानसून सत्र

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को महंगाई और पेगासस जासूसी मामला छाया रहा और इन मुद्दों पर कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों के भारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न 3 बजे बैठक शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों ने पेगासस जासूसी मामले को उठाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। व्यवस्था बनते हुए नहीं देख पीठासीन सभापति किरीट सोलंकी ने बैठक को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया। बुधवार को ईद-उल-अजहा की वजह से अवकाश होने के कारण सदन की अगली बैठक अब बृहस्पतिवार, 22 जुलाई को होगी।

विपक्ष संसद के मॉनसून सत्र में सरकार को तीन केंद्रीय कृषि कानूनों, पेगासस जासूसी मामला और महंगाई समेत विभिन्न विषयों पर घेरने का प्रयास कर रहा है। विपक्ष के शोर-शराबे के कारण मॉनसून सत्र में निचले सदन में लगातार दूसरे दिन कामकाज नहीं हो सका। सुबह 11 बजे सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया तब कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी करने लगे। इस दौरान कुछ विपक्षी सदस्य हाथों में तख्तियां लेकर आसन के पास आ गए और नारे लगाने लगे। तख्तियों पर लिखा था लोग बेरोजगारी से परेशान हैं और सरकार जासूसी में लगी है। हंगामे के बीच ही कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने भाजपा सदस्य जसकौर मीणा के पूरक प्रश्न का उत्तर दिया। अध्यक्ष ने प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा कि सदन में तख्तियां लाना नियम प्रक्रिया के तहत उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सोमवार को कहा था कि वह हर विषय पर जवाब देने को तैयार है। उन्होंने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से कहा कि वे अपने स्थान पर जाकर बैठें और जिन मुद्दों पर भी चर्चा करना चाहते हैं, सरकार उसके लिए तैयार है।

कामकाज बाधित

जासूसी मामला: जांच की मांग कर रहा है विपक्ष

उल्लेखनीय है कि पेगासस स्पाईवेयर का उपयोग करते हुए जासूसी का विषय संसद में और उसके बाहर बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। विभिन्न राजनीतिक दल इस मामले की विस्तृत जांच कराने और गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं सरकार का कहना है कि उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। सोमवार को सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पेगासस सॉफ्टवेयर के जरिए भारतीयों की जासूसी करने संबंधी खबरों को सिरे से खारिज करते हुए लोकसभा में कहा था कि संसद के मॉनसून सत्र से ठीक पहले लगाए गए ए आरोप भारतीय लोकतंत्र की छवि को धूमिल करने का प्रयास हैं।

सरकार हर विषय पर चर्चा की प्रतिबद्धता कर चुकी है व्यक्त : बिरला

बिरला ने कहा, सरकार हर विषय पर चर्चा की प्रतिबद्धता व्यक्त कर चुकी है, तो फिर विपक्ष नारेबाजी क्यों कर रहा है। यह उचित नहीं है। जिस विषय पर चर्चा चाहते हैं, उसके लिए नोटिस दें। हालांकि विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा और अध्यक्ष ने 11:05 बजे बैठक को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। सदन की बैठक पुन: शुरू हुई तो विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी सुबह की तरह जारी रही। पीठासीन सभापति किरीट सोलंकी ने प्रदर्शन कर रहे सदस्यों से अपने स्थान पर जाने का और कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया। उन्होंने हंगामे के बीच ही आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए।

शोर-शराबे के बीच ही वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मौजूदा वित्त वर्ष में 23,674.81 करोड़ रुपये अतिरिक्त व्यय के लिए सदन की मंजूरी मांगी। शोर-शराबा थमता नहीं देख सोलंकी ने दोपहर 2:10 बजे सदन की कार्यवाही को अपराह्न तीन बजे तक स्थगित कर दिया। अपराह्न तीन बजे बैठक पुन: शुरू हुई तो विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। पीठासीन सभापति सोलंकी ने हंगामा जारी रहने पर बैठक को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया। कांग्रेस समेत विपक्षी सदस्यों ने तीन नए केंद्रीय कृषि कानूनों समेत कुछ विषयों पर सोमवार को भी लोकसभा में नारेबाजी की थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंत्रिपरिषद के नए सदस्यों का परिचय नहीं कराने दिया। मॉनसून सत्र के पहले दिन सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई थी।

सरकार है या पुरानी हिंदी फिल्म का लालची साहूकार : राहुल गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पेट्रोल और डीजल पर कर को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए मंगलवार को उसकी तुलना पुरानी हिंदी फिल्मों के लालची साहूकार से की। इससे पहले लोकसभा को सूचित किया गया था कि पिछले वित्त वर्ष में पेट्रोल और डीजल पर केंद्र सरकार का कर संग्रह 88 प्रतिशत बढ़कर 3.35 लाख करोड़ रुपये हो गया।

लोकसभा को इस संबंध में सूचित किए जाने के एक दिन बाद राहुल गांधी ने ट्वीट करके केंद्र की आलोचना की। उन्होंने अपने ट्वीट में मीडिया में इस बारे में आई एक खबर भी संलग्न की। उन्होंने हैशटैग टैक्सएक्सटोर्शन (जबरन कर वसूली) का इस्तेमाल करते हुए ट्वीट किया, एक तरफ जनता को ऋण लेने के लिए उकसा रहे हैं, दूसरी तरफ कर वसूली से अंधाधुंध कमा रहे हैं। सरकार है या पुरानी हिंदी फिल्म का लालची साहूकार? पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2020-21 में पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क का संग्रह बढ़कर 3.35 लाख करोड़ रुपये हो गया जो इससे एक साल पहले 1.78 लाख करोड़ रुपये था। रामेश्वर तेली के मुताबिक, 2018-19 में पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क के जरिए 2.13 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का संग्रह हुआ था।

अवैध रोहिंग्या प्रवासी देश की सुरक्षा के लिए खतरा: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि अवैध रोहिंग्या प्रवासी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं और इस तरह की खबरें हैं कि उनमें से कुछ गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त हैं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सदस्य रितेश पांडेय के प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा, अवैध प्रवासी (रोहिंग्या समेत) राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। कुछ रोहिंग्या प्रवासियों के गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त रहने की खबरें हैं। राय ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दाखिल कर अनुरोध किया गया है कि रोहिंग्या लोगों को भारत से निर्वासित नहीं किया जाए। उन्होंने कहा, मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि अदालत ने रोहिंग्या के निर्वासन पर कोई स्थगन आदेश नहीं दिया है।

सेंसेक्स 355 अंक लुढ़का निफ्टी 15,650 के नीचे आया

एजेंसी। मुंबई

बीएसई मानक सूचकांक-सेंसेक्स मंगलवार को 355 अंक लुढ़क गया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल में नुकसान के साथ बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 354.89 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,198.51 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 120.30 अंक यानी 0.76 प्रतिशत का गोता लगाकर 15,632.10 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में तीन प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में इंडसइंड बैंक का शेयर रहा। इसके अलावा टाटा स्टील, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, एशियन पेंट्स 6 प्रतिशत से अधिक मजबूत हुआ। अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज ऑटो, एचयूएल और नेस्ले इंडिया भी बढ़त में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच वित्तीय शेयरों में बिकवाली दबाव से घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही। उन्होंने कहा कि दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) और आईटी को छोड़कर वित्तीय, धातु और रियल्टी समेत ज्यादातर खंडवार सूचकांकों में गिरावट रही।

लक्षद्वीप की समस्याओं का पता लगाना एक सतत प्रक्रिया: सरकार

नई दिल्ली। केंद्र ने मंगलवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं का पता लगाना एक सतत प्रक्रिया है और वह समय-समय पर इनका समाधान करने के लिए उचित कार्वाई करती है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही। प्रश्न पूछा गया था कि क्या केंद्र सरकार की लक्षद्वीप के लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों का पता लगाने के लिए कोई शिष्टमंडल भेजने की योजना है। इसके जवाब में राय ने कहा, सरकार जनता के कल्याण को अपनी सभी गतिविधियों के केंद्र में रखती है। लोगों के सामने आने वाली समस्याओं का पता लगाना सतत प्रक्रिया है और सरकार समय-समय पर उनके समाधान के लिए उचित कार्रवाई करती है।

इंफोसिस ने आईटी पोर्टल में तकनीकी दिक्कतों को किया स्वीकार : वित्त मंत्रालय

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को कहा कि इंफोसिस ने नए आयकर पोर्टल में तकनीकी समस्याओं को स्वीकार किया है तथा पोर्टल के धीमे काम करने एवं कुछ आवश्यक गतिविधियों के उपलब्ध नहीं होने जैसी कुछ शुरुआती गड़बड़ियों को दूर कर दिया गया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्य को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग के नए पोर्टल की शुरुआत सात जून हुई और पहले ही दिन करदाताओं, कर पेशेवरों और अन्य अंशधारकों ने इसके कामकाज में गड़बड़ियों की सूचना दी थी।

उन्होंने कहा कि इसके कारण वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने समीक्षा करने के लिए पोर्टल विकसित करने वाली कंपनी, इंफोसिस के अधिकारियों के साथ 22 जून को बैठक बुलाई।

चौधरी ने कहा कि भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई), कर पेशेवर और करदाता सहित विभिन्न हितधारकों की ओर से पोर्टल में 90 दिक्कतों / समस्याओं सहित 2,000 से अधिक मुद्दों का विवरण देने वाले 700 से अधिक ई-मेल प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा, इंफोसिस ने पोर्टल के कामकाज में तकनीकी समस्याओं को स्वीकार किया है और सूचित किया है।

उत्तराखंड के लिए भू-कानून बनाने को लेकर जंतर मंतर पर धरना

नई दिल्ली। उत्तराखंड में जन, जल, जंगल व जमीन को बचाने के वास्ते भू- कानून बनाने और वनों पर उत्तराखंडियों के पुश्तैनी हक-हकूक बहाल करने की मांग को लेकर राज्य के विभिन्न संगठनों और नागरिक समाज के सदस्यों ने मंगलवार को यहां जंतर मंतर पर सांकेतिक धरना दिया और इस बाबत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा। एक बयान में बताया गया है वनाधिकार आंदोलन के संस्थापक किशोर उपाध्याय के हवाले से बयान में मांग की गई है कि वनाधिकार कानून-2006 को राज्य में लागू किया जाए और वनाधिकार कानून की भावना के अनुरूप उत्तराखंडियों को वनों पर उनके विरासती सामुदायिक और व्यक्तिगत अधिकार उन्हें वापस किए जाएं।

आईओसी भारत का पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करेगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत की सबसे बड़ी तेल कंपनी आईओसी भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी मथुरा रिफाइनरी में देश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करेगी। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैद्य ने कहा कि कंपनी ने एक रणनीतिक वृद्धि योजना तैयार की है, जिसका मकसद अगले 10 वर्षों में पेट्रोकेमिकल्स, हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में पैठ बनाने के साथ ही अपने मुख्य रिफाइनिंग और ईंधन विपणन व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करना है।

उन्होंने एक साक्षात्कार में एजेंसी को बताया कि कंपनी अपनी भविष्य की सभी रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल विस्तार परियोजनाओं में कैप्टिव बिजली संयंत्र स्थापित नहीं करेगी और इसके बजाय सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों से पैदा होने वाली 250 मेगावाट बिजली का उपयोग करेगी। उन्होंने कहा, हमारे पास राजस्थान में

एक पवन ऊर्जा परियोजना है। हम उस बिजली को अपनी मथुरा रिफाइनरी तक पहुंचाने का इरादा रखते हैं और उस बिजली का उपयोग इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए करेंगे। यह देश की पहली हरित हाइड्रोजन इकाई होगी। इससे पहले घोषित परियोजनाएं ग्रे हाइड्रोजन से संबंधित हैं, जहां उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन का उपयोग किया जा रहा है।

काबुल हवाई अड्डा योजना को लेकर तालिबान से वार्ता करेगा तुर्की

इस्तांबुल। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने मंलगवार को कहा कि उनका देश अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हवाईअड्डे के संचालन एवं सुरक्षा की तुर्की की कोशिश के संबंध में तालिबान से बातचीत करेगा। उत्तरी साइप्रस में ईद उल अजहा की नमाज के बाद एर्दोआन ने स्वीकार किया कि तालिबान हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए तुर्की की प्रस्तावित योजनाओं को लेकर थोड़ा असहज है। उन्होंने कहा, इस प्रक्रिया पर तालिबान के साथ चर्चा की जाएगी। एर्दोआन ने कहा कि तालिबान ने पहले अमेरिका के साथ वार्ता की है और उसके लिए तुर्की के साथ बात करना कहीं अधिक सहज होना चाहिए।

वामपंथी ग्रामीण अध्यापक पेड्रो कास्टिलो पेरू के राष्ट्रपति निर्वाचित

एजेंसी। लीमा

ग्रामीण अध्यापक से नेता बने पेड्रो कास्टिलो पेरू में 40 साल में अब तक की सबसे लंबी मतगणना के बाद राष्ट्रपति पद के चुनाव में विजई घोषित किए गए। कास्टिलो ने दक्षिणपंथी नेता कीको फुजिमोरी को मात्र 44,000 मतों के अंतर से हराया। कास्टिलो के समर्थकों में पेरू के गरीबों एवं ग्रामीणों की बड़ी संख्या है। इतिहासकारों का कहना है कि कास्टिलो पेरू के राष्ट्रपति बनने वाले पहले किसान हैं।

निर्वाचन अधिकारियों ने सोमवार को अंतिम आधिकारिक परिणाम जारी गए। दक्षिण अमेरिकी देश में हुए चुनाव के एक महीने से अधिक समय बाद चुनाव की घोषणा की गई है। पेरू लिब्रे पार्टी के चुनाव चिह्न बेंत के आकार की पेंसिल के साथ कास्टिलो ने अमीर देश में अब कोई गरीब नहीं होगा का नारा लोकप्रिय किया।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तांबा उत्पादक पेरू की अर्थव्यवस्था पर कोरोनो वायरस महामारी की बुरी मार पड़ी है और देश की करीब एक-तिहाई आबादी गरीब हो गई है। कास्टिलो ने खनन क्षेत्र से होने वाली आय का इस्तेमाल शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों समेत जनसेवाओं में सुधार के लिए करने का वादा किया है। वैश्विक महामारी ने इन क्षेत्रों की खामियों को उजागर कर दिया है। कास्टिलो (51) ने पेरू के तीसरे सबसे गरीब जिले अंगुइया में अप्रैल में द एसोसिएटेड प्रेस से कहा था, जिनके पास कार नहीं है,।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता खुशबू सुंदर का ट्विटर अकाउंट हैक

चेन्नई। अभिनेत्री एवं भाजपा नेता खुशबू सुंदर ने मंगलवार को बताया कि उनका ट्विटर अकाउंट हैक हो गया है। सुंदर ने एक बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनके अकाउंट से किए जा रहे ट्वीट या कोई भी अन्य गतिविधि उनके द्वारा नहीं की गई। उन्होंने कहा, मैं बताना चाहती हूं कि मेरा ट्विटर अकाउंट तीन दिन पहले हैक हो गया था। हम ट्विटर प्रशासनिक कार्यालय से इस संबंध में संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से अकाउंट से किए जा रहे ट्वीट या कोई भी गतिविधि मेरे द्वारा नहीं की गई। बाद में भाजपा नेता ने राज्य के पुलिस प्रमुख सी शैलेंद्र बाबू को शिकायत दी और उनके ट्विटर खाते के दुरुपयोग की आशंका जताई।

नक्सलियों ने की अपने एक पूर्व साथी की हत्या

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने अपने एक पूर्व साथी की हत्या कर दी है। बीजापुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के पदेड़ा गांव में नक्सलियों ने अपने पूर्व साथी राजू वेंजाम (28) की हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों का एक हथियारबंद समूह इस महीने की 18 तारीख को पदेड़ा गांव पहुंचा और खेत में काम रहे राजू का अपहरण कर लिया। बाद में नक्सलियों ने धारदार हथियार से राजू की हत्या कर दी और शव को फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने राजू के शव को बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

नक्सल प्रभावित गांव से सात ग्रामीण लापता

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के एक गांव से सात ग्रामीण लापता हो गए हैं। पुलिस ने लापता ग्रामीणों की तलाश शुरू कर दी है। सुकमा जिले के पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यहां बताया कि जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के कुंदेड़ गांव से दो दिन पहले सात ग्रामीण लापता हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जानकारी मिली है कि ग्रामीणों को नक्सली अपने साथ ले गए हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि नक्सलियों ने ग्रामीणों का अपहरण किया या ग्रामीण स्वयं नक्सलियों के साथ गए हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में किसी ने भी पुलिस में मामला दर्ज नहीं कराया है। हालांकि ग्रामीणों के कथित अपहरण की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को आशंका है कि नक्सली ग्रामीणों को बैठक के लिए अपने साथ लेकर गए हैं।

नवजोत सिद्धू ने भगत सिंह को की श्रद्धांजलि अर्पित

नवांशहर। कांग्रेस की पंजाब इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने मंगलवार को शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां का दौरा कर उनके स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विधायक कुलजीत सिंह नागरा, राजकुमार वेरका, अंगद सैनी, सुखपाल भुल्लर, इंद्रबीर सिंह बोलारिया और गुरप्रीत सिंह भी सिद्धू के साथ थे। सिद्धू के दौरे को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। सिद्धू से मुलाकात की अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में कीर्ति किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने करीब आधे घंटे तक यातायात बाधित किया।

बंगाल के महेशतला में एक फैक्ट्री में आग, पांच झुलसे

महेशतला। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक रसायन फैक्ट्री में मंगलवार सुबह आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि महेशतला शहर के रायपुर इलाके में पालन इंडस्ट्रीज की रसायन फैक्ट्री में करीब पौने बारह बजे आग लग गई और आग में पांच लोग झुलस गए। उन्होंने बताया कि पांच दमकल गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं, लेकिन पानी की कमी के चलते उन्हें उसे नियंत्रण में लाने में दिक्कत आ रही हैं क्योंकि आसपास में कोई जलाशय नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्हें आग लगने से पहले दो धमाकों की आवाज सुनाई दी। वैसे अधिकारियों के अनुसार आग की वजह का पता लगना अभी बाकी है। एहतियात के तौर पर आसपास की फैक्ट्रियां खाली करवा ली गई हैं।

ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज का आईपीओ 27 को खुलेगा

नई दिल्ली। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स की अनुषंगी ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 27 जुलाई को खुलेगा। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ग्लेनमार्क फार्मा ने बीएसई को भेजी सूचना में कहा कि ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज ने इसके लिए कंपनी पंजीयक, पुणे के पास 19 जुलाई को दस्तावेज जमा कराए थे। कंपनी पंजीयक ने अगले दिन इसे रिकॉर्ड पर लिया। प्रस्तावित पेशकश के तहत 1,060 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। वहीं ग्लेनमार्क फार्मा 63 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएगी। आईपीओ 27 जुलाई को खुलकर 29 जुलाई को बंद होगा।

टाटा मोटर्स एनसीडी के जरिए 500 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने मंगलवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने निजी नियोजन के आधार पर शेयर जारी कर 500 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। टाटा मोटर्स ने शेयर बाजार को बताया कि विधिवत अधिकृत समिति की एक बैठक ने निजी नियोजन के आधार पर 10 लाख रुपए तक अंकित मूल्य वाले अधिकतम 5,000 सूचीबद्ध, असुरक्षित, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी करने की मंजूरी दी। कंपनी ने हालांकि यह नहीं बताया कि इस पूंजी का इस्तेमाल किस तरह किया जाएगा।

एशियन पेंट्स का मुनाफा पहली तिमाही में दोगुना हुआ

नई दिल्ली। एशियन पेंट्स ने मंगलवार को कहा कि 30 जून 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान उसका संचई लाभ दो गुना से अधिक बढ़कर 574.30 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 219.61 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। एशियन पेंट्स ने शेयर बाजार को बताया कि अप्रैल-जून 2021 के दौरान उसकी परिचालन आय 91.1 प्रतिशत बढ़कर 5,585.36 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,922.66 करोड़ रुपये थी। एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित सिंगल ने कहा, घरेलू डेकोरेटिव व्यवसाय का आकार बढ़कर दोगुने से अधिक हो गया, और पिछले साल के निचले आधार प्रभाव के मुकाबले आय में जोरदार बढ़ोतरी हुई। सिंगल ने कहा कि कंपनी के औद्योगिक कारोबार और गृह सज्जा कारोबार ने भी पिछले साल के मुकाबले अपनी आय को दोगुना किया।

इजराइल ने रॉकेट हमले के बाद लेबनान पर की गोलीबारी

यरुशलम। इजराइली सेना ने कहा कि उसके तोपों ने मंगलवार तड़के दक्षिणी लेबनान में गोले दागे हैं। इससे पहले लेबनान की ओर से इजराइली क्षेत्र पर रॉकेट दागे गए थे। सेना ने एक बयान में कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने एक रॉकेट को हवा में ही मार गिराया जबकि दूसरा रॉकेट खुले क्षेत्र में गिरा। किसी के जख्मी होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। मई के बाद पहली बार सीमा पार लेबनान की ओर से रॉकेट दागा गया है। मई में इजराइल और हमास के चरमपंथियों के बीच 11 दिन के युद्ध के दौरान फलस्तीनी चरमपंथियों ने गाजा पट्टी से इजराइल पर रॉकेट दागे थे। सीरियाई सेना के एक अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने उत्तरी सीरिया के अलेप्पो शहर के पास हवाई हमले किए जिसके कुछ घंटे बाद यह घटना हुई। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने हमले में दागी गई अधिकांश मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया।

झमाझम बारिश, पूरे एनसीआर में बरसे बदरा...

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पूरे दिन एनसीआर में झमाझम बारिश होती रही। हालांकि, लोगों को दफ्तर और कामकाजी जगहों तक पहुंचने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया है। लगभग पूरे एनसीआर में यातायात बेहद धीमा चल रहा है। दूसरी ओर लोगों भीषण गर्मी से निजात मिली है। पिछले दो दिनों से पूरे एनसीआर में अच्छी बारिश हो रही है। पिछले दिनों भीषण गर्मी के बाद लोगों इने राहत महसूस की है। हालांकि, दूसरी ओर कुछ परेशानियां हो रही हैं। दिल्ली में जगह.जगह जलभराव के कारण लोग परेशान हैं। कहीं सड़क धंस गई है तो कहीं पानी भरने के कारण लोगों को गड्ढे नहीं दिखे और दुर्घटना का शिकार हो गए। गाजियाबाद और नोएडा से भी जलभराव की छिटपुट जानकारियां मिल रही हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में कई जगहों पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। ग्रेटर नोएडा में हालात सामान्य हैं। बारिश में गर्मी से तो राहत दी है लेकिन लोगों को अपने दफ्तरों और कामकाजी जगहों तक पहुंचने में परेशानी महसूस हो रही है।

कई इलाकों में बिजली गुल

इस दौरान पावर सप्लाई में दिक्कत हो रही है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई हिस्सों में पावर सप्लाई की शिकायत मिली हैं। बिजली कंपनियां हालात दुरुस्त करने में जुटी हैं लेकिन बारिश के कारण किसी हादसे का खतरा भी बना रहता है। ऐसे में बिजली विभाग तेज बारिश के दौरान पावर कट कर देता है।

संस्कृति और विरासत से रूबरू होंगे छात्र

देश का पहला हेरिटेज इंस्टीट्यूट नोएडा में बनेगा, मास्टर और पीएचडी की होगी पढ़ाई

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आधिकारिक घोषणा की, उच्च शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा औद्योगिक हब होने के साथ-साथ गौतमबुद्ध नगर विश्वस्तरीय शैक्षणिक केंद्र बन रहा है। केंद्र सरकार ने देश का पहला इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज नोएडा में बनाने का फैसला लिया है।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने इस बारे में आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस संस्थान में पढ़ाई के साथ-साथ शोध और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर काम किया जाएगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल 20-21 के बजट में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेरिटेज बनाने की घोषणा की थी। इसे डीम्डटूबी यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलेगा। अच्छी बात यही होगी कि यहां विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और उसकी विरासत से रूबरू होने का पूरा मौका मिलेगा। इच्छुक छात्र प्राचीन ऐतिहासिक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, शोध, पढ़ाई और दूसरे बिंदुओं पर काम करेंगे। केंद्र सरकार स्नातक से लेकर पीएचडी तक के कोर्स कराएगी।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी इस यूनिवर्सिटी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि नोएडा में विश्वस्तरीय हेरिटेज इंस्टिट्यूट बनेगा। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने में मददगार होगा। इससे संस्कृति के बारे में उच्च शिक्षा को बल मिलेगा। शोध के जरिए इसे दुनिया भर में फैलाने में भी सहायता मिलेगी। इस इंस्टीट्यूट में कई मास्टर और पीएचडी प्रोग्राम चलेंगे। यहां छात्रों को हिस्ट्री ऑफ आर्ट्स, संरक्षण, म्यूजियम विज्ञान, पुरातत्व शास्त्र, अभिलेख-मुद्रा, पांडुलिपि विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों का विशेष अध्ययन कराया जाएगा।

शोध में छात्रों की मदद करेंगे कर्मचारी

संस्कृति मंत्रालय के अधीनस्थ इन विषयों के विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को इस संस्थान से जोड़ा जाएगा। उन्हें प्रशिक्षण दिलाया जाएगा ताकि यहां अध्ययनरत छात्रों के साथ मिलकर शोध में मदद करें। केंद्र सरकार ने इसका पूरा खाका तैयार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक इस संस्थान में इंस्टीट्यूट ऑफ आर्कियोलॉजी स्थापित होगा। स्कूल ऑफ आर्किव्स स्टडीज, नेशनल रिसर्च लैबोरेट्री फॉर कंजर्वेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट ऑफ हिस्ट्री ऑफ आर्ट कंजर्वेशन एंड मूसलॉजी और इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स इससे विभाग होंगे। छात्रों को संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी।

पांच संस्थाओं पर 16 लाख का लगा जुर्माना

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में बिना अनुमति विज्ञापन लगाने के मामले में तीन बिल्डरों और दो स्कूलों पर कार्यवाही की गई है। प्राधिकरण ने 5 संस्थाओं पर 16 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके लिए सभी को नोटिस जारी कर दिया गया है। अगर दोबारा विज्ञापन लगाया तो यह जुर्माना दोगुना कर दिया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में बिना अनुमति होर्डिंग और यूनीपोल लगाने की शिकायतें लगातार की जा रही थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कार्यवाही शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बिल्डरों और स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही की है, जिन्होंने बिना अनुमति के होर्डिंग सौर यूनिपोल लगा दिए हैं द मिलेनियम स्कूल पर 11 लाख, ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल पर 2 लाख, अपैक्स अल्फा बेट पर 1 लाख, ट्रेहन ग्रुप आफ कंपनीज पर 1 लाख और एक्सप्रेस एस्ट्रा पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

प्रेमिका के साथ छोड़ने पर की थी हत्या, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली बीटा-2 क्षेत्र में मई 2020 को हुई घरेलू सहायिका की हत्या के मामले में खुलासा करते हुए नोएडा पुलिस ने महिला के प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक जनपद उन्नाव के बांगरमऊ निवासी सरोज कुमार ग्रेटर नोएडा में कुक का काम करता है। वर्ष 2011 में उसने घरेलू सहायिका से कोर्ट मैरिज की थी। आरोप है कि पत्नी का आसाम के ही रहने वाले गोपाल गौर से प्रेम संबंध हो गया। वर्ष 2019 में प्रेमी गोपाल के साथ उसके घर पर 2 महीने तक जाकर रही थी और बाद में फिर उसे छोड़कर अपने पति के पास वापस आ गई थी। महिला और सरोज के 7 वर्ष की बेटी पर 4 साल का बेटा है। बच्चों के प्रेम में वो वापस घर लौट आई थी। इस दौरान प्रेमी गोपाल ने कई बार महिला अपने साथ रहने के लिए मनाने की कोशिश की लेकिन वह तैयार नहीं हुई।

इससे नाराज होकर 16 जून 2020 की रात गोपाल ने महिला के घर जाकर उसकी हत्या कर दी। पीड़ित सरोज कुमार की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही थी।

कोतवाली बीटा.2 प्रभारी रामेश्वर कुमार ने बताया कि सर्विलांस टीम की मदद से सोमवार 19 जुलाई को पुलिस ने फरार गोपाल गौर निवासी आसाम से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपी ने अपनी प्रेमिका जूनी पर धोखा देते हुए साथ ना रहने का आरोप लगाते हुए गुस्से में हत्या करने की बात स्वीकार की है।

ग्रेनो वेस्ट में पुलिस मुठभेड़ में दो वाहन लुटेरे गिरफ्तार

नोएडा। कोतवाली बिसरख क्षेत्र स्थित ग्रेनो वेस्ट में सोमवार रात क्रेटा कार सवार बदमाशों व पुलिस के बीच मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। बदमाशों की पहचान रामपुर निवासी सिराज और हाथरस निवासी रामू के रूप में हुई है। बदमाश वाहन लूट की कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं और लूटे गए वाहनों को बेचने के प्रयास में जुटे थे। पुलिस बदमाशों से वारदातों और लूटे गए वाहनों के संबंध में पूछताछ कर रही है। एसीपी सेंट्रल नोएडा योगेंद्र सिंह ने बताया कि कोतवाली बिसरख पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्रेनो वेस्ट में क्रेटा सवार बदमाश घूम रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर अर्थ राइज सिटी पुश्ता के पास बदमाशों को घेर लिया। बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की।

प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में उमड़े भाजपाई

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी के नोएडा आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

महामाया फ्लाईओवर तथा डीएनडी पर भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी एक्सप्रेसवे होकर बुलंदशहर की ओर जा रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष नोएडा डीएनडी होते हुए परी चौक पहुंचे। प्रांशु दत्त द्विवेदी के नोएडा में प्रथम बार आगमन पर गाइडलाइंस की जमकर धज्जियां उड़ाई गई। मास्क की अनिवार्यता को धता बताते हुए सैकड़ों कार्यकर्ता तथा उनके वाहनों से एक्सप्रेसवे पर लंबा जाम लग गया। ताज्जुब तो इस बात का है कि विपक्षी दलों पर कोविड.19 गाइडलाइंस के उल्लंघन पर मुकदमा दर्ज करने वाली पुलिस भी इस मौके पर असहाय तथा लाचार दिखी।

ईद-उल-जुहा आज, कोरोना प्रोटोकाल से मनेगा पर्व

शहर इमाम ने लोगों से घरों में ही नमाज अदा करने की अपील की

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बुधवार को ईद-उल-जुहा का त्यौहार कोरोना प्रोटोकॉल के बीच मनाया जाएगा। लगातार यह दूसरा साल है जब कोरोना का असर इस पवित्र त्यौहार कर पड़ रहा है।

जिला प्रशासन ने नमाज के दौरान कोरोना नियमों का पालन करने और ईदगाहों में सामूहिक रूप से नमाज नहीं अदा करने की अपील मुस्लिम भाइयों से की है। वही शहर इमाम मुफ्ती जमीर ने भी सभी से अपील की है कि वह नमाज घरों पर अदा करें और कोरोना नियमों पर अमल करें।

उन्होंने अपील की है कि प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी कतई न करें और सफाई सुथराई का भी पूरा ख्याल रखे। इससे पहले पुलिस प्रशासन ने सभी थाना क्षेत्रों में वहां के सभी गणमान्य लोगों के साथ शांति समिति की बैठक की थी और लोगों को ईद उल जुहा का पर्व मनाने के लेकर शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों से भी अवगत कराया था। लोगों को बताया गया था कि यह ईदगाहों में सामूहिक रूप से नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

लोग को अब अपने घरों पर ही नमाज अदा करनी होगी। वही एक स्थान पर 50 से ज्यादा लोग इकट्ठा नहीं हो सकेंगे। वहीं शहर इमाम मुफ्ती जमीर बेग की शासन प्रशासन के दिशानिर्देशों के मुताबिक का पर्व मनाने की अपील लोगों से की है। उन्होंने कहा है कि कुर्बानी में दूसरे मजहब के लोगों की भावनाओं का भी ख्याल रखें और खुले में ना कुर्बानी करके ऐसी जगह करें जहां परदादारी हो।

नहा रही महिला का पड़ोसी ने बनाया वीडियो, गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की एक सोसायटी में रहने वाली महिला का बाथरूम में नहाते समय पड़ोसी ने रोशनदान से अश्लील वीडियो बना लिया।

महिला बाथरूम से बाहर निकली तो उसने आरोपी को देख लिया और पुलिस को सूचना दी। कोतवाली बिसरख पुलिस ने पीडित महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली बिसरख प्रभारी अनीता चौहान ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी हर्ष देव शर्मा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां अदालत ने आरोपी को 14 दिन की जेल भेज दिया है।

4 ब्लॉक प्रमुखों ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

समारोह को संबोधित करते हुए मुरादनगर के विधायक अजीत पाल त्यागी।

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

चारों ब्लॉक प्रमुखों और 323 बीडीसी सदस्यों ने अलग-अलग ब्लॉक कार्यालयों पर पद और गोपनीयता की शपथ ली। खास बात यह है कि शपथ ग्रहण कराने के लिए जिलाधिकारी ने अलग-अलग अधिकारी नामित किए थे।

मुरादनगर ब्लॉक पर नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी ने शपथ लेते हुए मुरादनगर विकास का संकल्प लिया। मोदीनगर के एसडीम आदित्य प्रजापति ने उन्हें शपथ दिलाई।

इस मौके पर मुरादनगर के विधायक अजीत पाल त्यागी ने राजीव त्यागी को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत भाजपा कार्यकर्ताओं की जीत है और राज्य के मुख्यमंत्री जनहित में जो कार्य कर रहे हैं उनकी जनहित कार्य योजनाओं को इस जीत का श्रेय जाता है। भोजपुर ब्लॉक प्रमुख का शपथ ग्रहण कार्यक्रम ब्लॉक परिसर के प्रांगण में आयोजित हुआ। मोदीनगर की विधायक मंजू शिवाच प्रमुख रूप से मौजूद थी। भोजपुर की नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख सुचिता सिंह को एसडीएम मोदीनगर ने ही पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

जिले में विकास कार्यों में आएगी तेजी: विधायक नंदकिशोर

मोदीनगर नगर पालिका के चेयरमैन अशोक माहेश्वरी सांसद प्रतिनिधि विनोद गोस्वामी, डॉक्टर देवेंद्र शिवाच, पुष्पेंद्र रावत, डॉ पवन सिंघल आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे। इसी क्रम में राजापुर ब्लॉक कार्यालय पर मीनू चौधरी को ब्लॉक प्रमुख के रूप में एसडीएम सदर डीपी सिंह ने शपथ दिलाई, वहीं लोनी में वंदना नागर को एसडीएम लोनी शुभांगी शुक्ला ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस मौके पर लोनी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख हो कि निर्वाचन होने के बाद अब जिले का विकास तेजी के साथ होगा।

नोएडा एयरपोर्ट में चार परिवार लगा रहे अड़ंगा

प्रशासन ने कहा- कानूनी कार्रवाई के लिए मजबूर न करें

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में रोही गांव के चार परिवार बाधा बन रहे हैं। जेवर एयरपोर्ट के लिए 6 गांवों के कुल 3033 परिवार विस्थापित होने हैं।

3029 परिवार जेवर बांगर में विस्थापित हो चुके हैं। जबकि रोही गांव के चार परिवार मुआवजे की रकम लेने के बावजूद विस्थापन से पहले प्रशासन से अपनी गैरकानूनी शर्तें मनवाने पर अड़े हैं। इन 4 परिवारों में से एक परिवार रामकुमार पुत्र लखपत का है। रामकुमार पर साल 2020 में रोही गांव में पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों पर हुए पथराव की घटना में मुकदमा दर्ज है।

परिवार विस्थापन से पहले इस मुकदमे को वापस लेने का दबाव बना रहा है। उनका कहना है कि जब तक जिला प्रशासन उनके खिलाफ नामजद मुकदमा वापस नहीं लेगा, तब तक उनका परिवार जेवर बांगर में शिफ्ट नहीं होगा। इसको लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद जिला प्रशासन ने पूरे मामले पर सख्ती बरती है। अफसरों का कहना है कि परिवार को मुआवजे की रकम पहले ही दी जा चुकी है। कानूनन अब 4 परिवारों को अब जेवर बांगर में शिफ्ट हो जाना चाहिए। लेकिन ये परिवार परिस्थितियों का फायदा उठाकर अपनी गैरकानूनी मांगे रखकर शासन-प्रशासन के कार्य में बाधा डाल रहे हैं। अगर इन्होंने विस्थापन नहीं कियाए तो जिला प्रशासन इनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करने के लिए बाध्य होगा। ग्राम नगला फूल खांए नगला गणेशी,नगला छीतर, नगला शरीफ खां और दयानतपुर खेडा में विस्थापन का कार्य पूर्ण हो चुका है। ग्राम रोही में 1039 परिवारों में से इन मात्र 4 परिवारों को छोड़कर शेष परिवार विस्थापित हो चुके हैं।

जेवर बांगर में बसाया जा रहा है विस्थापित ग्रामीण

जेवर एयरपोर्ट के प्रभावित परिवारों को जेवर बांगर में बसाया जा रहा है। 3033 परिवारों को यहां पर विस्थापित किया जाना है। इसको लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर वायरल हो रहा है। अधिकारी इस परिवार से लगातार वार्ता कर समझाने का प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि परिवार एफआईआर समाप्त करने जैसी गैर-वाजिब मांग रखकर अनावश्यक रूप से विस्थापन के कार्य को बाधित कर रहा है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को दूसरा रंग दिया जा रहा है, इसको लेकर पुलिस-प्रशासन काफी नाराज है।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी सेक्टर-19 फरीदाबाद

मेष

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

आपका व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा। मन भी मजबूत रहेगा। घर, जमीन-जायदाद से संबंधित नए अवसर मिल सकते हैं। ऑफिस के कुछ अधूरे मामले निपटाने में लगे रहेंगे। मन की शंका भी दूर हो सकती है। जो बदलाव हो रहे हैं, वह उन्नति के लिए भी जरूरी है। परिवार और समाज के लोग काफी मददगार हो सकते हैं। कोई पुराना साथी मिल सकता है। आज का दिन शानदार रहेगा।

भाग्यांक: 8

विशेष: गणेश जी महाराज को छोटी हरी इलायची अर्पित करें।

वृष

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

आज दिन फेवरेबल रहेगा। कई योजनाएं समय से पूरे हो जाएंगे। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता मिलेगी। उर्जा से बहुत कुछ हासिल कर लेंगे। कठिन परिस्थिति में लोगों से आसानी से मदद मिल जाएगी। भौतिक सुख-साधनों में बढ़ोतरी होगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। अच्छी खबर मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। सोचे हुए काम पूरे होंगे। सभी काम बनेंगे।

भाग्यांक: 1

विशेष: छोटे बच्चों को पेन गिफ्ट करें।

मिथुन

(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

मित्रों के साथ स्वादिष्ट खान-पान का आनंद ले पाएंगे। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। विद्यार्थी वर्ग कार्य में सफलता हासिल करेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य अपूर्ण रह जाने की पूरी संभावना है। स्वभाव मे चिड़चिड़ापन हानि पहुचाने का काम करेगा किसी बड़ी अनहोनी घटना के घटित होने की संभावना बन सकती है। पुरखों की जायदाद की खबर परिवार के लिए खुशी ला सकती है।

भाग्यांक: 8

विशेष: तांबे का सिक्का पानी में प्रवाहित करें।

कर्क

(ही, हूं ,हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

खुद को स्थापित करने का अच्छा समय है। बाधाएं और मुश्किलें भी अब दूर होने लगेंगी। सोचने के बजाय काम पर अधिक ध्यान केंद्रित करें और स्थितियां धीरे-धीरे पक्ष में हो जाएंगी? आप बुद्धि और कौशल से अपने प्रतिद्वंद्वियों से निकल जाएंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा। राजनीतिक गतिविधियों के प्रति आकर्षित होंगे और नई जिम्मेदारियां भी दी जा सकती हैं। व्यवसाय विस्तार के लिए यह समय अच्छा है।

भाग्यांक: 2

विशेष: ताजी मूली को मंदिर में दान करें।

सिंह

(मा, मी ,मू, में, मो, टा, टी, टू, टे)

सभी काम आपके मन-मुताबिक हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा एकाग्रता के कारण परेशानी हो सकती है। मनोरंजन के मौके मिल सकते हैं। संतान से खास खुशखबरी मिल सकती है। वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए। बात को लेकर ज्यादा जिद करने से बचना चाहिए। फालतू विवाद भी सामने आ सकते हैं। सामाजिक कार्यों में हिस्सा ले सकते हैं। सभी परेशानी दूर होगी। कारोबार में संतुष्टि रहेगी। दिन अच्छा रहेगा।

भाग्यांक: 9

विशेष: गाय को रोटी खिलाएं।

कन्या

(टो ,पा, पी, पू, ष, ष, ण, ठ, पे, पो)

कॅरियर में बदलाव के लिहाज से समय ठीक कहा जा सकता है। साफ बात करने से परेशानियों से बच सकते हैं। दोस्तों और रिश्तेदारों की मदद भी मिल सकती हैं। धन लाभ के योग हैं। किए गए कामों में फायदा हो सकता है। संबंधों में सुधार होने के योग बन रहे हैं। सबका सम्मान करें। कुछ फैसलों में सटीकता हो सकती है। प्रोफेशन में सफलता मिल सकती है। विवाह योग्य लोगों को प्रस्ताव मिल सकते हैं।

भाग्यांक: 8

विशेष: बुध के मंत्रों का जाप करें।

तुला

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

अत्यधिक चिंता और भावनाओं के कारण शारीरिक और मानसिक रूप से व्यग्रता और अस्वस्थता अनुभव करेंगे। बिजनेस और नौकरी में नए आइडिया मिल सकते हैं। परिचित व्यक्ति से भी आपके संबंध अच्छे रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। जिसके तरफ आप धीरे-धीरे आकर्षित हो रहे थे उसके सामने अपने प्रेम का इजहार कर दिन खुबसूरत बना सकते हैं। कार्य-पेशे में अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार हैं।

भाग्यांक: 1

विशेष: गाय को हरा चारा खिलाएं।

वृश्चिक

(तो, ना ,नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

यह मिश्रित परिणामों वाला दिन है, व्यापक स्तर पर चीजें आपके पक्ष में होंगी। कार्य स्थल पर बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खर्च बढ़ेंगे। एक नया दृष्टिकोण अपनाना होगा और वांछित परिणामों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। यात्रा आवश्यक है, तो अपने सामान की देखभाल करें, क्योंकि नुकसान होने की संभावना है। बच्चे की शादी को लेकर चिंतित हैं तो अब समय पक्ष में है। समय-समय पर दोस्तों की मदद मिलती रहेगी।

भाग्यांक: 3

विशेष: साबुत मूंग का दान करें।

धनु

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

आज का दिन सुनहरे पल लेकर आएगा। नए कार्यों में भाग्य का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी खुशखबरी मिलेगी। कॅरियर में नए आयाम स्थापित करेंगे। काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी। दोस्तों के साथ मूवी जाने का प्लान बनाएंगे। जॉब में काम को लेकर तारीफ होगी, मन खुश रहेगा, जो लोग फिल्म से जुड़े हैं, उनको मौका मिलेगा। जीवन में लोगों का सहयोग बना रहेगा।

भाग्यांक: 9

विशेष: अनाथालय में कुछ दान करें।

मकर

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गा, गी)

आपकी कोई बड़ी परेशानी पैसों से सुलझ सकती है। इनकम के कई रास्ते खुल सकते हैं। कामकाज ज्यादा हो सकता है। बॉस से बातचीत में सफलता मिल सकती है। बिजनेस में फायदे के योग हैं। साथियों से मदद मिल सकती है। पार्टनर के सहयोग से सफल हो सकते हैं। रोजमर्रा के काम भी पूरे हो सकते हैं सेहत अच्छी रहेगी। कोई बड़ा फैसला लेने से पहले साथ वालों से सलाह ले सकते हैं।

भाग्यांक: 9

विशेष: गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें।

कुंभ

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो ,दा)

आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नए बिजनेस, सौदे के हर तरह के ऑफर मिल सकते हैं। सोचे हुए काम पूरे होने के योग बन रहे हैं। उच्च प्रतिष्ठा वाला पद प्रदान होगा जो की ताकत और धन में वृद्धि करेगा। आज बनाई गयी योजना अच्छी साबित होगी किसी भी काम को सम्पूर्ण रूप से पूरा पर पाएंगे। नई चीजों पर ध्यान लगाएं और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें। दिन अच्छा रहेगा।

भाग्यांक: 7

विशेष: गणेश जी के 12 नामों का पाठ करें।

मीन

(दी, दू ,थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

सहकर्मी समूह के मध्य लोकप्रियता में वृद्धि संभव है। व्यावसायिक रूप से चीजें सुचारू रहेंगी। अच्छी प्रगति प्राप्त होगी। आमदनी बढ़ेगी और आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नवीन रास्ते भी मिलेंगे। भाई-बहनों और बड़ों के साथ संबंध सौहार्दपूर्ण और प्रेमपूर्ण रहेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ छोटी यात्राओं या भ्रमण की योजना बन सकती है। पारिवारिक-जीवन आनंदमय और खुशहाल रहेगा। पिता के स्वास्थ्य की स्थिति चिंता का विषय हो सकती है।

भाग्यांक: 4

विशेष: गणेश जी को फूलों की माला अर्पित करें।

सिंधू की नजरें बदले हुए रंग के साथ लगातार दूसरे ओलंपिक पदक पर

एजेंसी। नई दिल्ली

पिछले दो ओलंपिक में पदक जीत चुके भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रियो खेलों की रजत पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैंपियन पीवी सिंधू की अगुवाई में टोक्यो में खेलेंगे तो उनका लक्ष्य पदकों की हैट्रिक लगाने का होगा। टोक्यो ओलंपिक में भाग ले रहे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का विश्लेषण इस प्रकार है। इनमें किसी का लक्ष्य पहला पदक जीतना तो किसी का लक्ष्य पदक का रंग बेहतर करना होगा।

पीवी सिंधू

रियो ओलंपिक में अप्रत्याशित सफलता के साथ सिंधू भारत में जाना पहचाना नाम बन गई। उन्होंने लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल से एक कदम आगे निकलकर पहले ही ओलंपिक में रजत पदक जीता। पांच साल बाद अब सिंधू के पास अधिक अनुभव है और वह 2017 विश्व चैंपियनशिप फाइनल भी खेल चुकी हैं। करीब 110 मिनट तक चले उस दूसरे सबसे लंबे महिला एकल मुकाबले में सिंधू को जापान की नाओमी ओकुहारा ने हराया था। एक साल बाद वह फिर फाइनल में पहुंची, लेकिन ओलंपिक चैंपियन कैरोलिना मारिन से हार गई। वह 2018 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों के फाइनल में भी हार गई, लेकिन इस सिलसिले को उसने विश्व टूर फाइनल्स 2018 और बासेल में 2019 विश्व चैंपियनशिप में तोड़ा।

टोक्यो में वह स्वर्ण की प्रबल दावेदार होगी क्योंकि मारिन भी चोट के कारण नहीं खेल रही है। ओलंपिक से पहले हालांकि वह सिर्फ स्विस ओपन के फाइनल में पहुंची और आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में सेमीफाइनल तक ही पहुंच सकी। वह हालांकि बड़े मैचों की खिलाड़ी है और नए विदेशी कोच पार्क ताए सांग के साथ उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया है। ड्रॉ को देखें तो उसे ग्रुप जे में हांगकांग की चुएंग एंगान यि और इस्राइल की सेनिया पी को हराने में दिक्कत नहीं आएगी। प्री क्वार्टर में उसका सामना डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट से हो सकता है।

बी साइ प्रणीत

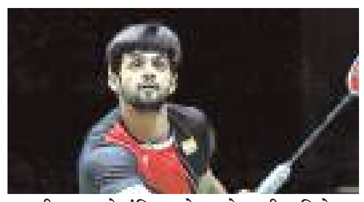

पहली बार ओलंपिक खेल रहे प्रणीत छिपे रूस्तम साबित हो सकते हैं। सिंधू, साइना और किदाम्बी श्रीकांत जैसे सितारों के बीच उन्होंने 2017 सिंगापुर ओपन जीतकर अपना लोहा मनवाया। फिटनेस समस्याओं से उबरकर उन्होंने 2019 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीता और यह कमाल करने वाले वह प्रकाश पादुकोण के बाद दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। उन्हें पदक जीतने के लिए जापान के केंतो मोमोता, रियो के कांस्य पदक विजेता विक्टर एक्सेलसेन, चीन के शि यू की से पार पाना होगा।

चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रांकिरेड्डी : (पुरुष युगल)

चिराग और सात्विक के प्रदर्शन में हर टूर्नामेंट के साथ निखार आया है। पूर्व ओलंपिक पदक विजेता डेनमार्क के मथियास बोए के मार्गदर्शन में वे टोक्यो ओलंपिक में युगल वर्ग में इतिहास रच सकते हैं। मुंबई के चिराग और अमलापुरम के सात्विक ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की दूसरी युगल टीम है। दोनों राष्ट्रमंडल खेल 2018 में युगल रजत जीत चुके हैं। इसके बाद थाईलैंड ओपन 500 में खिताब और फ्रेंच सुपर 750 में रजत पदक जीता। दोनों को कठिन ड्रॉ मिला है जिसमें उनके ग्रुप में दुनिया की नंबर एक टीम इंडोनेशिया के केविन संजय सुकामुलजो और मार्कस फर्नाल्डी गाइडोन शामिल हैं।

ओलंपिक खेल अतीत से जुड़ी कुछ यादें

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक खेलों में अब चंद दिन शेष हैं और ऐसे में हम पिछले कुछ ओलंपिक से जुड़े रोचक तथ्यों से आपको रूबरू करा रहे हैं। यहां पर 1964, 1968 और 1972 में आयोजित ओलंपिक खेलों के कुछ मुख्य आकर्षण और रोचक तथ्य दिए हैं।

1964 टोक्यो ओलंपिक

- 1964 के ग्रीष्मकालीन खेल एशिया में आयोजित पहला ओलंपिक था।
- ओलंपिक मशाल ले जाने के लिए योशिनोरी सकाई को इसलिए चुना गया क्योंकि उनका जन्म छह अगस्त, 1945 को हुआ था। इसी दिन हिरोशिमा में परमाणु बम गिराया गया था।

- इथोपिया की अबेबे बिकिला दो बार मैराथन जीतने वाले पहले एथलीट बने।
- पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी ने आखिरी बार ओलंपिक में संयुक्त टीम उतारी।
- खेलों में वॉलीबॉल और जूडो को शामिल किया गया।
- ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिता की 36 स्पर्धाओं में से 27 में नए ओलंपिक रिकॉर्ड बने।
- अमेरिकी तैराक शेरोन स्टॉडर ने 1964 के खेलों में 15 साल की उम्र में तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता था।

1968, मैक्सिको सिटी ओलंपिक

- ये लैटिन अमेरिका और स्पेनिश भाषी देश में आयोजित होने वाले पहले ओलंपिक खेल थे।
- ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं के लिए पारंपरिक सिंडर ट्रैक की जगह हर मौसम में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक का पहली बार इस्तेमाल किया गया था।
- मैक्सिको की बाधा दौड़ धाविका एनरिकेटा बेसिलियो उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनी।
- स्वीडन के एथलीट हैंस-गुन्नार लिलजेनवाल जांच में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के लिए पॉजिटिव आने वाले पहले ओलंपिक खिलाड़ी बने। शराब के सेवन के कारण उन्हें अपना कांस्य पदक गंवाना पड़ा।
- पुरुषों के 200 मीटर के पदक समारोह में अफ्रीकी अमेरिकी एथलीट टॉमी स्मिथ (स्वर्ण) और जॉन कार्लोस (कांस्य) मंच पर नंगे पांव खड़े थे और उन्होंने राष्ट्रगान शुरू होने के बाद काला दस्ताना पहनी हुई मुट्ठी उठाई। उनका यह इशारा अमेरिका में अश्वेतों की स्थितियों पर ध्यान देने के लिए था।
- पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी ने पहली बार अलग-अलग देशों के रूप में प्रतिस्पर्धा की।
- इन खेलों में पहली बार दवा परीक्षण और महिला लिंग सत्यापन करने की शुरुआत हुई

1972 म्यूनिख ओलंपिक

- म्यूनिख खेलों के दूसरे सप्ताह के दौरान नरसंहार हुआ, जिसमें फलस्तीनी ब्लैक सितंबर आतंकवादियों ने ग्यारह इजरायली एथलीट एवं कोच के अलावा ओलंपिक गांव में पश्चिम जर्मनी के पुलिस अधिकारी को मार डाला।
- ओलंपिक खेलों को 34 घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया था, और पीड़ितों की याद में मुख्य स्टेडियम में एक सामूहिक आयोजन किया गया था।
- अमेरिकी तैराक मार्क स्पिट्ज ने एक ओलंपिक में सात स्वर्ण पदक जीतने का रिकार्ड बनाया। यहूदी होने के कारण हालांकि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए समापन समारोह से पहले म्यूनिख छोड़ने के लिए कहा गया।
- खेलों के लिए आधिकारिक तौर पर ओलंपिक शुभंकर का नामकरण किया गया। शुभंकर का नाम वाल्डी था जो जर्मनी में श्वान की एक लोकप्रिय नस्ल है।
- इन खेलों में 52 साल के बाद तीरंदाजी की वापसी हुई।

आईपीएल के 60 मैचों की तुलना दो हजार घरेलू मैचों से करना अनुचित

एजेंसी। दुबई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जयशाह ने रणजी ट्रॉफी जैसे राष्ट्रीय टूर्नामेंटों की जगह ग्लैमर और चकाचौंध से भरे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को तरजीह देने के आरोपों को अनुचित और गैरजरूरी करार देते हुए कहा कि इस लीग के 60 मैचों के आयोजन और घरेलू मुकाबलों के 2000 से अधिक मैचों के आयोजन में जमीन-आसमान का फर्क है। कोविड-19 महामारी के दौरान हजारों खिलाड़ियों और सहायक कर्मचारियों के लिए जैव-सुरक्षित माहौल बनाने की परिचालन संबंधी कठिनाइयां के कारण पिछले साल रणजी ट्रॉफी के अलावा जूनियर स्तर के किसी भी घरेलू क्रिकेट का आयोजन नहीं हुआ था।

टूर्नामेंटों के आयोजन नहीं होने से खिलाड़ियों की कमाई नहीं हो सकीं, तो वही दूसरी तरफ बीसीसीआई को आईपीएल पर ज्यादा ध्यान देने के कारण काफी आलोचना का सामना करना पड़ा।

आपको पूरे घरेलू सत्र में यात्रा और इसमें लगने वाले समय को भी ध्यान में रखना होगाः जय शाह

गल्फ न्यूज के मुताबिक टी-20 विश्वकप और इंडियन प्रीमियर लीग की तैयारियों के लिए दुबई और मस्कट गए शाह ने कहा, मुझे लगता है कि आलोचना गैरजरूरी और अनुचित है। हमने 2020 में भी महामारी के बीच में, सभी सावधानियों के साथ सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट, विजय हजारे टूर्नामेंट और सीनियर महिला एक दिवसीय टूर्नामेंट का आयोजन किया। शाह ने कहा कि दोनों (आईपीएल और घरेलू सत्र) आयोजनों में मैचों की संख्या और आवश्यक लॉजिस्टिक्स की तुलना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, आईपीएल की तुलना किसी अन्य भारतीय घरेलू टूर्नामेंटों से करना सही अकलन नहीं होगा। आईपीएल फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट है और यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ के लिए एक मंच है, जहां वे अपना कौशल दिखा सकते हैं। शाह ने कहा, भारतीय घरेलू सत्र में 2000 से अधिक मैच होते हैं, जबकि आईपीएल में 60 मैच खेले जाते हैं। भारत में क्रिकेट प्रणाली काफी बड़ा और विविधतापूर्ण है, जब इतने सारे राज्य कोविड-19 महामारी से जूझ रहे हो तब पूरे सत्र का आयोजन करना आसान नहीं होगा।

सात सप्ताह को होता है आईपीएल का आयोजन

आईपीएल का आयोजन सात सप्ताह का होता है, जबकि पुरुषों, महिलाओं और आयु वर्ग के क्रिकेट के साथ पूरे घरेलू सत्र में 38 टीमों के साथ पूरा होने में लगभग छह महीने लगते हैं। शाह ने अंडर-19 और अंडर-16 टूर्नामेंटों के आयोजन नहीं करने को सही ठहराते हुए कहा, आपको पूरे घरेलू सत्र में यात्रा और इसमें लगने वाले समय को भी ध्यान में रखना होगा। ऐसी परिस्थितियों में वे अपनी जान जोखिम में डाल रहे होंगे, जो कभी नहीं होना चाहिए। ऐसे माहौल में आयु वर्ग के टूर्नामेंट का आयोजन करना और युवा क्रिकेटरों के करियर को खतरे में डालना सही नहीं है। उन्होंने कहा, हमने स्थिति में सुधार के बाद पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए आयु समूहों में 2127 घरेलू मैचों के पूरे सत्र की घोषणा की है।

मिताली आईसीसी महिला एक दिवसीय रैंकिंग में फिर शीर्ष पर

एजेंसी। दुबई

भारतीय कप्तान मिताली राज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम महिला एक दिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 762 अंक के साथ एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गई जबकि बाएं हाथ की बल्लेबाज स्मृति मंधाना भी नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हैं। सोलह साल से भी अधिक समय पूर्व पहली बार बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंचने के बाद मिताली नौवीं बार नंबर एक बल्लेबाज बनीं हैं। पिछली रैंकिंग में शीर्ष पर चल रही वेस्टइंडीज की कप्तान स्टेफनी टेलर पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं।

गेंदबाजों की सूची में झूलन गोस्वामी पांचवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जबकि आलराउंडरों की रैंकिंग में दीप्ति शर्मा 10वें स्थान पर हैं। महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में भारतीय सलामी बल्लेबाज मंधाना अपने कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग की बराबरी करते हुए तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी-20 में 70 रन की पारी खेली थी जो पिछले हफ्ते इस प्रारूप में उनका एकमात्र मुकाबला था। मंगलवार को हुए साप्ताहिक अपडेट में वेस्टइंडीज की कप्तान टेलर को 30 अंक का नुकसान हुआ। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पांच मैचों की श्रृंखला में 3-2 से हराया। टेलर को साप्ताहित रैंकिंग के दौरान तीन मैचों में से दो में बल्लेबाजी का मौका मिला और उन्होंने 49 और 21 रन बनाए। श्रृंखला के पहले मैच में नाबाद शतक की बदौलत एक दिवसीय रैंकिंग में पिछले हफ्ते शीर्ष पर पहुंची टेलर ने आलराउंडरों की सूची में भी शीर्ष स्थान आस्ट्रेलिया की एलिस पैरी को गंवा दिया है। तीन मैचों में टेलर को कोई विकेट नहीं मिला जिससे वह आलराउंडरों की सूची में भी तीन स्थान नीचे खिसक गईं।

मंधाना टी-20 बल्लेबाजों में तीसरे स्थान पर

घुड़सवार मिर्जा ने टोक्यो के लिए घोड़ा बदला

बेंगलुरू। टोक्यो ओलंपिक की शुरुआत के चंद दिन पहले भारतीय धुड़सवार फवाद मिर्जा ने अपना घोड़ा बदलते हुए सेगनुएर मेडिकोट को प्राथमिकता दी है जिसके साथ उन्होंने 2018 एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीते थे। इससे पहले मिर्जा ने घोषणा की थी कि वह टोक्यो खेलों में दजारा 4 के साथ उतरेंगे।

मिर्जा का प्रायोजन करने वाले एम्बेसी समूह ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मिकी के नाम से मशहूर सेगनुएर मेडिकोट ने एशियाई खेलों में मिर्जा को दो रजत पदक दिलाने में मदद की थी और इन दोनों का एक दूसरे के साथ अच्छा भावनात्मक रिश्ता है। विज्ञप्ति में कहा गया, शुरुआत में फवाद ने ओलंपिक के लिए दजारा 4 को चुना था लेकिन पिछले कुछ हफ्तों की कड़ी प्रतिस्पर्धा और अभ्यास के बाद उन्हें लगा कि दजारा 4 पर काफी दबाव पड़ा है। इसलिए टोक्यो ओलंपिक में सेगनुएर मेडिकोट के साथ उतरने का फैसला किया गया क्योंकि यह घोड़ा अच्छी तरह मूवमेंट कर रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार सेगनुएर मेडिकोट ने आचेन (जर्मनी) में पृथकवास पूरा कर लिया है।

टोक्यो ओलंपिक में वालिंटियर के पॉजिटिव आने का पहला मामला

टोक्यो। ओलंपिक के आयोजकों ने मंगलवार को कहा कि खेलों में वालिंटियर के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने का पहला मामला आया है जबकि सात और ठेकेदार भी संक्रमित पाए गए हैं। पांच खिलाड़ी पहले ही पॉजिटिव पाए गए हैं जिनमें से तीन खेलगांव में ही रह रहे थे। ओलंपिक से जुड़े कोरोना संक्रमण के मामले बढकर 67 हो गए हैं। खेलों में वालिंटियर आयोजन से पहले, उसके दौरान और बाद में सहायता कार्य से सीधे जुड़े हैं। सात और ठेकेदारों के पॉजिटिव पाए जाने के बाद अब संक्रमित ठेकेदारों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है।

चेक गणराज्य की बीच वॉलीबाल टीम के कोच खेल गांव में कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी। टोक्यो

चेक गणराज्य के बीच वॉलीबॉल कोच साइमन नॉश मंगलवार को कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए। वह ओलंपिक खेल गांव में वायरस से संक्रमित होने वाले पांचवें व्यक्ति हैं। सोमवार को खेल गांव में चेक गणराज्य के ही पुरुष बीच वॉलीबॉल टीम के खिलाड़ी ओंद्रेज पेरुसिच भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। दैनिक अपडेट सूची के अनुसार खेलों से जुड़े कोविड मामलों की कुल संख्या अब 67 तक पहुंच गई है। चेक ओलंपिक समिति ने कहा, टोक्यो ओलंपिक की चेक टीम को एक और कोविड-19 पॉजिटिव मामले से निपटना होगा। नियमित एंटीजेन परीक्षण में बीच वॉलीबॉल टीम के कोच साइमन नॉश में वायरस की मौजूदगी का पता चला है।

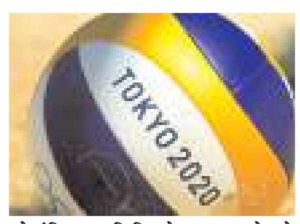

बयान के अनुसार, पीसीआर परीक्षण की पुष्टि के बाद, वह ओलंपिक खेल गांव छोड़कर पृथकवास पर चले गए हैं, एक दिन पहले वॉलीबॉल खिलाड़ी ओंद्रेज पेरुसिच ने भी ऐसा ही किया था। नॉश ने कहा है कि उन्हें खुशी है कि किसी और के पॉजिटिव नतीजे का कारण बनने से पहले उन्हें स्थानांतरित कर दिया गया। रविवार को दक्षिण अफ्रीका के दो फुटबॉलर खेल गांव में पॉजिटिव पाए गए थे जिसके महामारी के बीच खेलों के आयोजन को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

रॉकी ने भारतीय महिला फुटबॉल कोच पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला राष्ट्रीय टीम की चार साल तक कोच रही मयमोल रॉकी ने व्यक्तिगत कारणों से अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रीय टीम के साथ सहायक कोच के रूप में भूमिका निभाने के बाद उन्हें 2017 में टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनकी निगरानी में टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया और कई अंतरराष्ट्रीय सफलताएं हासिल की। उन्होंने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की वेबसाइट से बातचीत में उनकी क्षमताओं पर विश्वास जताने के लिए महासंघ का शुक्रिया अदा किया।

उन्होंने कहा, इतने वर्षों तक मुझ पर और टीम पर विश्वास करने के लिए मैं अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ का तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हमने जो प्रगति की है, उसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। हमें जो शानदार सुविधाएं और सफलता मिलीं उसका श्रेय महासंघ, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और ओडिशा सरकार से मिले समर्थन को जाता है। एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा, मयमोल रॉकी ने व्यक्तिगत कारणों से सीनियर राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में बने रहने में असमर्थता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, हमने उनके फैसले को स्वीकार कर लिया है और भारतीय फुटबॉल में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। उनके भविष्य के कार्यों के लिए उन्हें हमारी शुभकामनाएं। भारत की पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रही मयमोल ने कोच के कार्यकाल को अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ चरण करार दिया और इस दौरान टीम के प्रयासों की प्रशंसा की।

दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को पहले टी-20 में हराया

डबलिन। आयरलैंड को अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 33 रन से पराजय का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 165 रन बनाए। कैगिसो रबाडा ने आखिरी ओवर में चार चौके जड़े।

जवाब में आयरलैंड ने आठवें ओवर में ही पांच विकेट 46 रन पर गंवा दिए थे। बीस ओवर पूरे होने पर टीम नौ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। वनडे श्रृंखला 1-1 से ड्रा रहने के बाद टी-20 से उम्मीद बंधी थी लेकिन पहला ही मैच एकतरफा रहा। आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग ने जॉर्ज लिंडे की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन अगली ही गेंद पर बोल्ड हो गए। केविन ओब्रायन को रबाडा ने पहली गेंद पर रवाना कर दिया। जॉर्ज डॉकरेल और एंडी बालबर्नी को लुंगी एंगिडी ने विकेट के पीछे लपकवाया।

गीतिका और बिश्वामित्र युवा राष्ट्रीय मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। सोनीपत

हरियाणा की मुक्केबाज दीपिका ने चौथी युवा राष्ट्रीय चैंपियनशिप के हैवीवेट (81 किग्रा से अधिक) वर्ग के क्वार्टर फाइनल में गत युवा विश्व चैंपियन अल्फिया पठान को हराकर बड़ा उलटफेर किया। सोमवार देर शाम हुए मुकाबले में दीपिका ने महाराष्ट्र की अल्फिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 से जीत दर्ज की।

सेमीफाइनल में दीपिका का सामना चंडीगढ़ की महक मोर से होगा जिन्होंने राजस्थान की रिषिका को 5-0 से हराया। दूसरी तरफ 2021 युवा विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता गीतिका (48 किग्रा) और कांस्य पदक विजेता बिश्वामित्र चोंगथाम (51 किग्रा) ने टूर्नामेंट में अपना विजई अभियान जारी रखते हुए मंगलवार को अंतिम आठ में जगह बनाई। हरियाणा की गीतिका ने राजस्थान की यामिनी कंवार को 5-0 से हराया जबकि सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के बिश्वामित्र ने मध्यप्रदेश के शुभम साहू को हराया। बिश्वामित्र और शुभम के मुकाबले को रैफरी ने बीच में रोका।

अभ्यास मैच में विराट कोहली और रहाणे को विश्राम

काउंटी एकादश की ओर से उतरे आवेश

एजेंसी। डरहम

कप्तान विराट कोहली और उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे के अलावा अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन काउंटी एकादश (काउंटी सिलेक्ट इलेवन) के खिलाफ तीन दिवसीय प्रथम श्रेणी अभ्यास मैच के लिए टीम का हिस्सा नहीं हैं। मंगलवार को शुरू हुए मुकाबले में कोहली और रहाणे की गैरमौजूदगी में रोहित शर्मा टीम की अगुवाई कर रहे हैं। उन्होंने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस मुकाबले में भारत के रिजर्व तेज गेंदबाज आवेश खान विरोधी टीम की ओर से खेल रहे हैं। भारतीय तेज गेंदबाज को मैच खेलने का मौका देने के लिए दोनों टीमों की सहमति से ऐसा किया गया।

गौरतलब है कि 1987 में पाकिस्तान के भारत दौरे के दौरान 14 साल के सचिन तेंदुलकर को ब्रेबोर्न स्टेडियम में भारत के खिलाफ मैच के दौरान इमरान खान की टीम की ओर से रिजर्व क्षेत्ररक्षक के रूप में उतारा गया था। इंग्लैंड के खिलाफ चार अगस्त से शुरू होने वाले नॉटिंघम टेस्ट में मयंक अग्रवाल के रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करने की संभावना है, ऐसे में इस अभ्यास मैच में उनके प्रदर्शन पर नजरें होंगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान अंतिम एकादश में जगह बनाने में असफल रहे मोहम्मद सिराज और उमेश यादव भी इस मुकाबले से खुद को साबित करना चाहेंगे। इशांत शर्मा और मोहम्मद शमी को भी इस मैच से विश्राम दिया गया है। भारतीय टीम का पिछले लगभग 10 वर्षों में यह पहला प्रथम श्रेणी मुकाबला है। नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत और ऋद्धिमान साहा पृथकवास पर हैं, ऐसे में लोकेश राहुल विकेट के पीछा मोर्चा संभालेंगे। वह और मध्यक्रम के बल्लेबाज हनुमा विहारी भी बल्ले से बेहतर प्रदर्शन कर टीम में अपनी दावेदारी पेश करना चाहेंगे। पंत और साहा इंट्रा स्क्वाड (भारतीय दल से दो टीम बनाकर मैच अभ्यास) अभ्यास मैच से पहले टीम के बायो-बबल में शामिल हो सकते हैं। इस मैच का आयोजन 26 से 28 जुलाई के बीच हो सकता है।

काउंटी एकादश के खिलाफ भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हनुमा विहारी, लोकेश राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

संक्षिप्त समाचार

बाला देवी, मनीषा को एआईएफएफ सालाना पुरस्कार

नई दिल्ली। भारतीय टीम की फॉरवर्ड बाला देवी को एआईएफएफ की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर चुना गया, जबकि मनीषा को 2020-21 सत्र की उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बाला देवी को 2014 और 2015 में भी यह पुरस्कार मिल चुका है। स्कॉटलैंड में रेंजर्स एफसी के लिए खेलने वाली बाला यूरोप में पेशेवर अनुबंध हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर है। पूर्व अंडर 17 और अंडर 19 खिलाड़ी मनीषा को 2019-20 महिला लीग में भी सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार मिला था। दोनों का चयन मुख्य कोच मयमोल रॉकी ने एआईएफएफ अंतरिम तकनीकी निदेशक सावियो मेडेइरा के साथ मिलकर किया है।

एएफसी महिला एशिया कप के लोगो का अनावरण

नई दिल्ली। भारत में अगले साल होने वाले महिला एशिया कप के लोगो का एशियाई फुटबॉल परिसंघ और स्थानीय आयोजन समिति ने मंगलवार को अनावरण किया। टूर्नामेंट मुंबई और पुणे में 20 जनवरी से छह फरवरी के बीच खेला जाएगा। इसमें 12 टीमें भाग लेंगी जो पिछली बार से चार अधिक है। इसके अलावा एशियाई महिला फुटबॉल के इतिहास में पहली बार क्वार्टर फाइनल चरण शामिल होगा। एएफसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, एशियाई फुटबॉल प्रशंसकों और टूर्नामेंट के बीच संबंध बनाने के लिए एशिया कप 2022 का लोगो जॉर्डन में 2018 में हुए टूर्नामेंट के मूल लोगो से ही लिया गया है। इसमें टूर्नामेंट की ट्रॉफी मध्य में है और आसपास एक चक्कर बनाया गया है, जो प्रतिभागी देशों के ध्वज के रंगों और उन स्टेडियमों से प्रेरित है जहां यह टूर्नामेंट खेला जाना है। इसमें स्थानीय पुट डालने के लिए मेजबान महाराष्ट्र की आदिवासी कला वारली का प्रयोग किया गया है। लाल और मैरून रंगों का इस्तेमाल भी किया गया है। लोगो में रजत रंग का प्रयोग भारत में चांदी के गहनों के महत्व और उनकी खूबसूरती को इंगित करता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ आस्ट्रेलिया के कप्तान होंगे कारी

ब्रिजटाउन। विकेटकीपर एलेक्स कारी वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रहे पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में चोटिल आरोन फिंच की जगह आस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने सोमवार को कहा कि फिंच के दाहिने घुटने में शुक्रवार को पांचवें टी-20 मैच के दौरान चोट लग गई थी। वनडे श्रृंखला के लिए उनकी फिटनेस का आकलन प्रतिदिन आधार पर किया जा रहा है। कारी इससे पहले एडीलेड स्ट्राइकर्स, साउथ आस्ट्रेलिया रेडबैक्स और आस्ट्रेलिया ए की कप्तानी कर चुके हैं। दूसरा वनडे गुरुवार को खेला जाएगा।

चाहे बच्चे हों या बड़े, किसी को कोई सब्जी पसंद नहीं होती तो किसी को कोई। इस कारण भूख लगने पर कभी फास्ट फूड बनाया जाता है, तो कभी बाहर का खाना मंगवाया जाता है, जबकि फास्ट फूड में कैलोरीज, सोडियम और अनहेल्दी फैट्स होते हैं और न्यूट्रिशन और फाइबर न के बराबर।

बारिश के मौसम में कैसा हो डाइट प्लान

मॉनसून में रिमझिम बारिश की बूंदें मन को छू जाती है, लेकिन यह मौसम जितना सुहावना होता है, उतना ही बीमारियों को बढ़ाने वाला भी, क्योंकि इस मौसम में नमी होने के कारण हवा में कई बैक्टीरिया और वायरस उत्पन्न होते हैं, जो हमारे खानपान के जरीए हमारे शरीर में प्रवेश कर के हमें संक्रमित कर सकते हैं। इसलिए इस समय खाने-पीने की चीजों का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है, ताकि हम अपनी हेल्दी इटिंग हैबिट्स से अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के साथ-साथ खुद को बीमारियों से भी दूर रख पाएं।

कप ऑफ सूप

चाहे बच्चे हों या बड़े, किसी को कोई सब्जी पसंद नहीं होती तो किसी को कोई। इस कारण भूख लगने पर कभी फास्ट फूड बनाया जाता है, तो कभी बाहर का खाना मंगवाया जाता है, जबकि फास्ट फूड में कैलोरीज, सोडियम और अनहेल्दी फैट्स होते हैं और न्यूट्रिशन और फाइबर न के बराबर। हम एक टाइम में फास्ट फूड से उतनी कैलोरीज ले लेते हैं, जितनी हमें पूरे दिन में जरूरत होती है। इसलिए जब भी पूरे दिन में फास्ट फूड खाने को मन करे तो आप वैजिटेबल सूप, किचन सूप से अपनी टमी को लंबे समय तक फुल रखें। इससे आप को जरूरी सब्जियां भी मिल जाएंगी और आप की इम्यूनिटी भी बूस्ट होगी, जो मौसमी बीमारियों से आप को बचाने का काम करेगी।

काम की बात

- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन कप ऑफ बेटियन सूप- 50 कैलोरीज, लो कार्ब्स, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर।
- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन कप ऑफ चिकन सूप- 50 ग्राम चिकन में 64-70 कैलोरीज, 6-7 प्रोटीन, 1 ग्राम फैट।
- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन कप ऑफ कॉर्न सूप 1/2 कप कॉर्न में 70-80 कैलोरीज।
- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन कप ऑफ टोमैटो सूप 70-80 कैलोरीज।

गौर करें : बाहर के वैजिटेबल सूप में कैलोरीज 150-170 कैलोरीज।

क्या ध्यान रखें: इस बात का ध्यान रखें कि सूप होममेड ही हो, क्योंकि बाहर के सूप को टेस्टी और गाढ़ा बनाने के लिए, उस में सब्जियों की मात्रा कम और बटर व कॉर्न फ्लोर भरभर कर डाला जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाने के साथ-साथ दिल की सेहत को भी बिगाड़ने का काम करता है।

फाइबर के लिए साबूत अनाज

आपने सुना ही होगा कि अगर अपनी डाइट में साबूत अनाज को शामिल करेंगे तो बीमारियां आपके पास तक नहीं फटकेंगी। असल में साबूत अनाज जैसे ओट्समील, केनोआ, पोहा, ब्राउन राइस, बाजरा, जवार, रागी इत्यादि में फाइबर बहुत ज्यादा मात्रा में होता है, जो लंबे समय तक पेट को फुल रखने के साथ-साथ पाचनतंत्र को भी दुरुस्त बनाए रखने का काम करता है। साथ ही इस में प्रोबायोटिक भी होते हैं, जो आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने में मददगार होते हैं। इससे इम्यूनिटी भी मजबूत बनती है। साथ ही यह खतरनाक बीमारियों जैसे डायबिटीज, कैंसर, ब्लड प्रैशर के खतरे को कई गुणा कम करने का काम करती है। इसलिए आप अपनी डाइट में ओट्स, वैजिटेबल केनोआ, पोहा, साबूत अनाज से बनी रोटी, ब्राउन राइस मील, चने आदि को शामिल करें। ये आप की फिटनेस का भी ध्यान रखने का काम करेंगे, क्योंकि इन में फाइबर आप की भूख को शांत जो करेगा।

काम की बात

- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन बाउल वैजिटेबल केनोआ- 250 कैलोरीज।
- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन बाउल बॉइल ब्राउन राइस- 200 कैलोरीज।
- न्यूट्रिशन वैल्यू इन 2-3 रागी रोटी 100 कैलोरीज पर रोटी।
- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन बाउल मसाला ऐंड वैजिटेबल ओट्स- 150 कैलोरीज।
- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन बाउल शुगर ओट्स- 350 कैलोरीज। इसमें फ्रूट्स, शहद व दूध ऐड किया हुआ है।
- न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन बाउल व्हाइट पोहा- 120 कैलोरीज।

गौर करें : न्यूट्रिशन वैल्यू इन 2-3 बाइट रोटी में- 130 कैलोरीज पर रोटी। न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन बाउल व्हाइट राइस में- 250 कैलोरीज।

वैजिटेबल्स और दालें

सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, तुरई, टिंडा, करेला, बींस को अपने मील में जरूर शामिल करें, क्योंकि ये सब्जियां फाइबर, विटामिंस, मिनरलस और एंटीऑक्सीडैंट्स में रिच होती हैं। इन्हें आप अलग-अलग तरीके से बना सकती हैं। जैसे कभी लौकी की सब्जी, तो कभी लौकी का कोफ्ता तो कभी टिंडे की भरवा आलू जैसी सब्जी। यहीं नहीं इन सब सब्जियों को बारीक बारीक काट कर इन का कटलेट या इन से उत्तपम भी बनाया जा सकता है। ठीक इसी तरह प्रोटीन, विटामिंस व मिनरल्स से संबंधित शरीर की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बाउल दाल व स्प्राउट्स रोजाना जरूर खाएं। इसके लिए जरूरी है कि एक दाल से चिपके न रहें बल्कि रोजाना बदलबदल कर दाल बनाएं।

इससे शरीर को प्रोटीन भी मिल जाएगा और दाल खाने से आप ऊबेंगे भी नहीं। जिन लोगों को डायबिटीज, पीसीओएस की शिकायत होती है, वे दालों से फाइबर की कमी को पूरा कर के इंसुलिन के लेवल को मैंटेन रख सकते हैं।

इन दिनों बालों और स्किन की चिंता भी बहुत अधिक सताती है। ऐसे में कुल्थ की दाल उन्हें अनेक फायदे पहुंचाने का काम करेगी, क्योंकि इस दाल में पॉलीफिनोल्स नामक एंटीऑक्सीडैंट्स आप को हैल्दी रखते हैं। साथ ही इस दाल के सेवन से यूरिन का फ्लो बढ़ता है, जो बॉडी से टॉक्सिंस को बाहर निकालने के साथ-साथ किडनी स्टोन से भी नजात दिलाने का काम करता है। इसमें आयरन, प्रोटीन, कैल्सियम होने के कारण यह बालों की हेल्थ और आपकी अनियमित पीरियड्स की समस्या को भी दूर करने में मददगार होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से बचें

वैसे तो हरी पत्तेदार सब्जियां खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन मॉनसून के मौसम में इन्हें खाने से बचना चाहिए, क्योंकि एक तो मौसम में नमी और दूसरा पत्तेदार सब्जियों में प्राकृतिक नमी इसे कीटाणुओं के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती है और जब हम हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, पत्तागोभी, साग इत्यादि खाते हैं, तो उनके जरिए कीटाणु हमारे शरीर में प्रवेश कर के हमारे इम्यून सिस्टम को कमजोर बना कर हमें बीमार कर सकते हैं। वहीं मशरूम भी नमी वाली जगह पर लगाई जाती है, इसलिए इसमें बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने का खतरा सबसे अधिक रहता है। इसलिए मॉनसून के मौसम में इन चीजों से दूरी बना कर रखें वरना इन से नजदीकी आप को बीमार बना सकती है।

ठंडी चीजों से परहेज रखें

अगर खाने पीने की चीजों का सही समय पर सेवन किया जाता है, तो उसके शरीर को ढेरों फायदे मिलते हैं वरना वे शरीर को नुकसान पहुंचाने का ही काम करती हैं। जैसे दही, छाछ, जूस न सिर्फ शरीर की न्यूट्रिएंट संबंधित जरूरतों को पूरा करने का काम करते हैं, बल्कि इन से शरीर हाइड्रेट भी रहता है। लेकिन अगर मॉनसून के सीजन में इन चीजों का सेवन किया जाता है, तो आप को जल्द ही सर्दी, खांसी जुकाम होने का डर बना रहता है, क्योंकि गरमी के बाद एकदम से तापमान में गिरावट आती है व फ्लू के चांसेज ज्यादा बढ़ जाते हैं। साथ ही हमारा पाचनतंत्र भी मॉनसून के मौसम में थोड़ा कमजोर हो जाता है, जिससे मौसमी बीमारी तुरंत हमें अपनी गिरफ्त में ले लेती हैं। इसलिए इस दौरान ठंडी चीजों से दूरी ही सही है। इस बात का भी ध्यान रखें कि कटे हुए फल न खाएं, क्योंकि हवा में संक्रमण होने के कारण बीमार होने की संभावना ज्यादा रहती है।

हर्बल टी है बेस्ट विकल्प

गर्मी के बाद जैसे ही मौसम में थोड़ी ठंडक आती है, तो चाय पीने का मजा ही अलग होता है, क्योंकि एक तो यह शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करती है, दूसरा हर्बल टी में मौजूद एंटीऑक्सीडैंट्स प्रॉपर्टीज आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट कर के आपको विभिन्न तरह के बैक्टीरिया इन्फेक्शन से बचाकर आपको कोल्ड और फ्लू से प्रोटैक्ट करने में मददगार होती है। साथ ही शरीर से टॉक्सिंस को भी फ्लश आउट करने में मददगार है और अगर आप को ग्रीन टी पीना पसंद नहीं है तो आप उस के टेस्ट को बढ़ाने के लिए उसमें चीनी की जगह गुड़ या फिर शहद डाल सकते हैं, क्योंकि चीनी डालने से उस की कैलोरीज काफी बढ़ जाती है, जिससे बचना जरूरी है। लैमन टी भी लो शुगर व लो कैलोरी वाली होने के साथ-साथ विटामिंस व मिनरल्स से भरपूर होती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडैंट्स आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करने के साथ-साथ आप को मौसमी बीमारियों से बचाए रखने का भी काम करते हैं।

काम की बात : न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन कप ग्रीन टी- 5 कैलोरीज पर टी बैग, लेकिन अगर आप उस में शहद व गुड़ ऐड करते हैं तो उस में 70-80 कैलोरीज हो जाती हैं।

न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन कप लैमन टी- 3-4 कैलोरीज।

डेयरी प्रोडक्ट्स से दोस्ती जरूरी

वैसे तो मॉनसून के मौसम में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन कम मात्रा में करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि पाचनतंत्र बहुत अधिक संवेदनशील हो जाता है और इन उत्पादों का बहुत अधिक सेवन करने से दस्त व पाचन संबंधित दिक्कतें हो सकती हैं, लेकिन यह भी सच है कि अगर आप ठंडे दूध के बजाय हल्दी वाला दूध लें। चीज को भी अपनी डाइट में शामिल करें तो यह आप की इम्यूनिटी को भी बूस्ट करेगा और जिन्हें जल्दी सर्दी खांसी हो जाती है, उन्हें भी इस से बचाए रखेगा, क्योंकि इस में एंटीवायरस, एंटीफंगल व एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज जो होती हैं।

काम की बात : न्यूट्रिशन वैल्यू इन वन कप हलदी मिल्क- 100-120 कैलोरीज।

फ्लू की तरह कोविड-19 का इलाज संभव नहीं

इससे जुड़ी स्थाई स्वास्थ्य समस्याओं पर विचार करना जरूरी

इस महीने की शुरुआत में, ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने हमें सामान्य जैसी परिस्थितियों की तरफ लौटा ले जाने के लिए चार-चरण की योजना की घोषणा की। इस योजना के तहत, प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा, हम अंततः कोविड-19 को फ्लू की तरह मानेंगे। आशा है कि वैक्सीन हमें कई लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने या मरने की आशंका के बिना कुछ संचरण के साथ जीने का अवसर देगी, लेकिन मौत और अस्पताल में भर्ती होना ही केवल कोविड-19 के परिणाम नहीं हैं जिन्हें हमें रोकने की जरूरत है। नए शोध से पता चला है कि संक्रमण के बाद यह बीमारी युवाओं में भी स्वास्थ्य समस्याएं छोड़ जाती है। कोविड-19 हमेशा फ्लू से एक बहुत ही अलग बीमारी है। हमें इसे खसरे की तरह खत्म करने का लक्ष्य रखना चाहिए, इसे फैलने नहीं देना चाहिए।

एक आम भ्रांति

बहुत से लोग सोचते हैं कि केवल बुजुर्गों को ही कोविड-19 से खतरा है। आंकड़ों को देखते हुए, यह देखना आसान है कि यह गलतफहमी क्यों पैदा हुई। ब्रिटेन में दूसरी लहर के दौरान कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाले लोगों के एक अध्ययन में पाया गया कि केवल 1 फीसद बच्चे और 2-3 फीसद युवा वयस्कों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इसके विपरीत, 60 वर्ष से अधिक आयु के 10 फीसद से अधिक लोगों को अस्पताल जाने की आवश्यकता थी।

कोविड-19 से मरने का जोखिम एक समान पैटर्न का अनुसरण करता है। संक्रमित होने वाले 20,000 बच्चों में से केवल एक की मृत्यु होने की आशंका है, जबकि 60 वर्ष से अधिक उम्र के 100 वयस्कों में से एक की मृत्यु हो सकती है। लेकिन ये आंकड़े पूरी कहानी नहीं बयां करते हैं। बहुत से लोग जिन्हें कोविड-19 हो चुका है और वे बच गए हैं वे अपनी पिछली स्वास्थ्य स्थिति में नहीं लौटे हैं।

कोविड-19 स्थाई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है : ब्रिटेन में पहली लहर के दौरान कोविड-19 के संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती लोगों के एक अध्ययन में पाया गया कि चार से पांच माह के औसत निगरानी समय के दौरान इन रोगियों के एक समान नियंत्रण समूह की तुलना में अस्पताल में दोबारा भर्ती होने की संभावना चार गुना अधिक थी और मरने की संभावना आठ गुना अधिक थी। शोधकर्ताओं ने पाया कि इन लोगों में विशेष रूप से मधुमेह, हृदय रोग और गुर्दे की बीमारी होने की संभावना थी। लोग फ्लू होने के बाद भी जटिलताओं का अनुभव कर सकते हैं, लेकिन हम इसे कोविड-19 के साथ अधिक बार देख रहे हैं, और जटिलताएं अधिक गंभीर हैं। यहां तक कि ऐसे लोग जो कोविड-19 की वजह से इतने बीमार नहीं हैं कि उन्हें अस्पताल जाना पड़े, विभिन्न जटिलताओं का अनुभव कर सकते हैं। सिडनी के एक अध्ययन में पाया गया कि हल्के से मध्यम कोविड-19 वाले एक तिहाई लोगों में थकान और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं कम से कम दो महीने तक बनी रहीं। 10 फीसद से अधिक लोगों में फेफड़ों पर असर पड़ा। किसी भी व्यक्ति के जीवन को बदल देने वाली इस परिस्थिति को दीर्घ कोविड का नाम दिया गया।

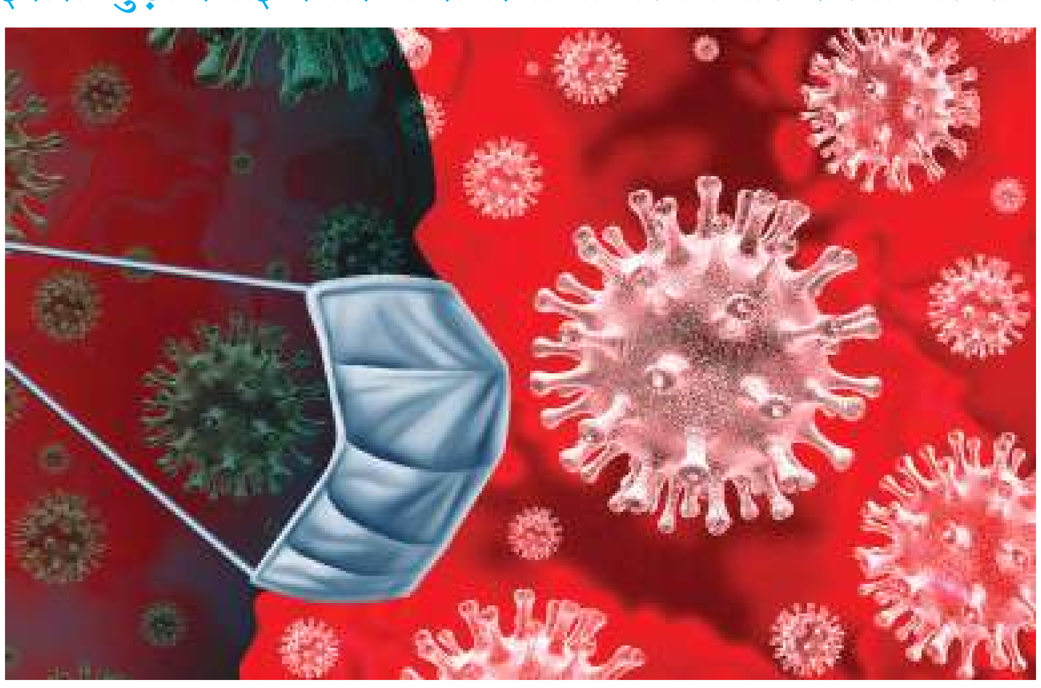

लंबे समय तक चलने वाला कोविड युवाओं को भी प्रभावित करता है : ब्रिटेन के ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स ने गणना की है कि कोविड-19 संक्रमण की चपेट में आने वाले सात लोगों में से एक को कम से कम 12 सप्ताह तक चलने वाले लगातार लक्षणों का अनुभव होगा। उनका अनुमान है कि वर्तमान में ब्रिटेन में लगभग दस लाख लोग लंबे समय से कोविड के साथ जी रहे हैं, और उनमें से 40 फीसद लोग एक वर्ष से अधिक समय से इस स्थिति के साथ जी रहे हैं। दीर्घ कोविड के परिणामस्वरूप दो-तिहाई लोगों की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जबकि 18 फीसद में वह बहुत सीमित रहा। बच्चों के कोविड-19 से मरने की संभावना हालांकि बहुत कम है, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय का अनुमान है कि संक्रमित होने वाले 7-8 फीसद बच्चे और किशोर दीर्घ कोविड के शिकार हो सकते हैं। उनका अनुमान है कि यूके में 10,000 बच्चे और 16,000 किशोर कम से कम 12 सप्ताह से दीर्घ कोविड के साथ रह रहे हैं। यह समस्या इतनी आम हो चुकी है कि ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा बच्चों के लिए 15 दीर्घ कोविड क्लीनिक खोल रही है।

बहुत से लोग सोचते हैं कि केवल बुजुर्गों को ही कोविड-19 से खतरा है। आंकड़ों को देखते हुए, यह देखना आसान है कि यह गलतफहमी क्यों पैदा हुई। ब्रिटेन में दूसरी लहर के दौरान कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाले लोगों के एक अध्ययन में पाया गया कि केवल एक फीसद बच्चे और 2-3 फीसद युवा वयस्कों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इसके विपरीत, 60 वर्ष से अधिक आयु के 10 फीसद से अधिक लोगों को अस्पताल जाने की आवश्यकता थी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए इसका क्या मतलब है?

कोविड-19 इन्फ्लूएंजा से एक बहुत ही अलग बीमारी है, और हमारी फिर से खोलने की योजना को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह ऑस्ट्रेलिया में पैर जमाने न पाए। अन्यथा इसकी भारी आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकानी होगी, क्योंकि इससे बड़ी संख्या में लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। हम टीकाकरण के माध्यम से पहले सामूहिक प्रतिरक्षा तक पहुंचकर सुरक्षित रूप से फिर से खोलने की दिशा में काम कर सकते हैं। डेल्टा वैरिएंट जैसे अधिक संचारणीय स्वरूप के सामने आने के बाद हमें सामूहिक प्रतिरक्षा प्राप्त करने के लिए 90 फीसदी से अधिक आबादी का टीकाकरण करने की आवश्यकता होगी। यह एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य है, लेकिन हम बचपन में खसरे के नियमित टीकाकरण के हिस्से के रूप में पहले ऐसा कर चुके हैं। उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए, हमें उन बच्चों और किशोरों को टीकाकरण की पेशकश करनी होगी, जिन्हें लंबे समय तक कोविड से सुरक्षा की भी आवश्यकता होती है। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि वयस्कों का टीकाकरण सामूहिक प्रतिरक्षा तक पहुंचने के लिए पर्याप्त हो सकता है, लेकिन इजराइल ने हमें दिखाया है कि ऐसा नहीं है। स्कूलों से जुड़े नए प्रकोपों ने देश में मॉस्क की अनिवार्यता को वापस लाने और किशोरों में टीकाकरण को बढ़ाने के लिए मजबूर किया है।

हमें और क्या करने की जरूरत है?

ऑस्ट्रेलिया में सामूहिक रोग प्रतिरोधक क्षमता हासिल करने में समय लगेगा। इसलिए जब तक हम काम पूरा नहीं कर लेते, तब तक हमें एक मजबूत पृथकवास प्रणाली रखने की आवश्यकता होगी। हमें विदेशों में भी स्थिति को करीब से देखने की जरूरत होगी और उभरते हुए वेरिएंट के जवाब में तीसरी बूस्टर खुराक शुरू करने के लिए तैयार रहना होगा।

हमें एस्ट्राजेनेका वैक्सीन प्राप्त करने वाले लोगों को फाइजर वैक्सीन की तीसरी बूस्टर खुराक देने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, जब आपूर्ति उपलब्ध हो। जबकि एस्ट्राजेनेका और फाइजर दोनों टीके गंभीर बीमारी को रोकने में 90 फीसद से अधिक प्रभावी हैं, एस्ट्राजेनेका वैक्सीन समग्र रूप से संक्रमण को रोकने में थोड़ा कम प्रभावी है। हम नहीं जानते कि दोनों में से कोई भी टीका लंबे समय तक चलने वाले कोविड को कितनी अच्छी तरह रोकता है, लेकिन फिर से, सबसे अच्छा बचाव समुदाय में उच्च स्तर का टीकाकरण होगा। अनिवार्य रूप से, ऑस्ट्रेलिया भविष्य में कोविड-19 के प्रकोपों का अनुभव करेगा, जैसा कि हम कभी-कभी खसरे का करते हैं। लेकिन हमें इसके संचरण को कम से कम रखने पर ध्यान देना होगा। कोरोनावायरस एक हवा से फैलने वाल वायरस है जो इन्फ्लूएंजा की तुलना में अधिक संक्रामक है, और अधिक गंभीर बीमारी का कारण बनता है। यह फ्लू जैसी बीमारी नहीं है और कभी होगी भी नहीं।